{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 18 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 01 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 146
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,450.96
निफ्टी	-	25,725.40
सोना	-	1,54,200
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	90.65

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अमीषा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

मुंबई। चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव के बाद अब एक्ट्रेस अमीषा पटेल की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2017 के एक इवेंट विवाद से जुड़े मामले में मुरादाबाद की अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। हालांकि, इन खबरों पर अब एक्ट्रेस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अमीषा पटेल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, मीडिया में मुरादाबाद में पवन वर्मा द्वारा की गई कुछ कार्यवाही को लेकर खबरें चल रही हैं। मैं सभी को बताना चाहती हूं कि यह बहुत पुराना मामला है, जिसमें पवन वर्मा ने सालों पहले समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए थे और पूरी सहमति राशि प्राप्त कर ली थी।

समुद्र में 3 संदिग्ध तेल टैंकर जब्त

मुंबई। भारत ने इस महीने मुंबई तट के पास तीन तेल टैंकर जब्त किए हैं। इन जहाजों के आईएमओ नंबर अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित जहाजों से मेल खाते हैं और इनका ईरान से संबंध होने का शक है। हालांकि, ईरान की नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी ने इन जहाजों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। सूत्रों के मुताबिक इन जहानों के नाम स्टेलर रूबी, अस्फाल्ट स्टार और अल जफजिआ हैं। इन्हें मुंबई तट से लगभग 100 नॉटिकल माइल्स पश्चिम में संदिग्ध गतिविधियों के बाद रोका गया था। बाद में जांच के लिए मुंबई पोर्ट लाया गया है। बताया गया है कि ये जहाज पहचान छिपाने के लिए बार-बार अपना नाम, झंडा और अन्य पहचान बदल रहे थे। इन जहाजों की मालिक विदेशी कंपनियां हैं। भारतीय अधिकारियों ने इस कार्रवाई की जानकारी 6 फरवरी को एक्स पर दी थी, लेकिन बाद में वह पोस्ट हटा दी गई।

जीटी एक्सप्रेस के पार्सल वैन में लगी आग

नई दिल्ली। नई दिल्ली से चेन्नई जा रही जीटी एक्सप्रेस ट्रेन के पार्सल वैन में अचानक आग लगने की घटना सामने आई है। यह घटना नागपुर रेल मंडल के सिंधी और तुलजापुर स्टेशन के बीच किलोमीटर 784/07 के पास हुई। ट्रेन संख्या 12616 के रियर पार्सल वैन में आग लगते ही धुआं उठने लगा। चालक ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन रोककर डिब्बे को बाकी कोचों से अलग कर दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही रेलवे और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि पार्सल वैन में आग कैसे लगी। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। रेलवे के सुरक्षा विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेताओं के भाषणों पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी नसीहत, कहा

माहौल जहरीला हो रहा है, देश में भाईचारा बढ़ाएं

नई दिल्ली। देश में नेताओं के भाषणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। मंगलवार को एक सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं से राजनीतिक भाषणों पर दिशानिर्देश के लिए एक नई याचिका दाखिल करने को कहा है।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मौजूदा जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ नेताओं के भाषण भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं। याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने कहा कि देश में माहौल जहरीला होता जा रहा है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के कथित हेट स्पीच के संदर्भ में दायर की गई थी। सिब्बल ने दलील दी कि किसी एक नेता के खिलाफ राहत नहीं मांगी जा रही है, बल्कि भाषणों में जवाबदेही तय करने के लिए गाइडलाइन बनाने का अनुरोध किया गया है।

कोर्ट ने दी नई याचिका दाखिल करने की सलाह

हालांकि, बेंच कपिल सिब्बल की दलील से सहमत नहीं हुई। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह याचिका एक खास राजनीतिक दल के कुछ चुनिंदा व्यक्तियों के खिलाफ दिखती है। उन्होंने कहा कि इसे वापस लें। एक दूसरी याचिका दायर करें जिसमें यह बताया जाए कि राजनीतिक दल कैसे नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह एक निष्पक्ष याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार है।

जस्टिस नागरत्ना ने की अहम टिप्पणी

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर हम गाइडलाइन बना भी दें, तो उनका पालन कौन करेगा? भाषण की उत्पत्ति विचारों से होती है। आप विचारों को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? हमें संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप विचारों को बढ़ावा देना होगा। कपिल सिब्बल ने चुनाव आचार संहिता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होती है, लेकिन उससे पहले दिए गए भाषण सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उन्होंने पूछा कि ऐसे मामलों में मीडिया की क्या जिम्मेदारी है ताकि लोकतांत्रिक माहौल खराब न हो। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट केवल आदेश पारित कर सकता है, लेकिन उन्हें लागू करना एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले ही कई सिद्धांत तय कर चुका है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है, क्योंकि नेता पार्टी का ही सदस्य होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एआई से तैयार याचिकाओं में फर्जी केस-साइटेशन पेश किए जाने पर चिंता जताई

सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार याचिकाओं में फर्जी केस-साइटेशन पेश किए जाने पर गंभीर चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ये बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और सूर्यकांत बीवी नागरत्ना की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान आई। मुख्य न्यायाधीश ने एक मामले में पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से कहा, हमें यह जानकर चिंता हुई है कि कुछ वकीलों ने याचिका ड्राफ्ट करने के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू कर दिया है, यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है।

कोर्ट ने यह भी चिंता जताई कि कई बार फैसला सही होता है, लेकिन उसमें फर्जी उद्धरण जोड़ दिए जाते हैं, जिससे जजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

जस्टिस बागची ने कहा कि हाल के वर्षों में कानूनी ड्राफ्टिंग की कला को झटका लगा है और आज की विशेष अनुमति याचिकाएं अक्सर केवल फैसलों की मिसालों का संग्रह बनकर रह गई हैं। उन्होंने पूर्व पीढ़ी के वरिष्ठ वकीलों, जैसे अशोक कुमार सेन का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी दलीलें संक्षिप्त, सटीक और मौलिक होती थीं।

आज पेश होगा मप्र का बजट...लोगों को इस बार के बजट से बड़ी आस

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार 18 फरवरी को अपना पहला पेपरलेस बजट पेश करने जा रही है। बजट से पहले राजधानी भोपाल में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों से बातचीत में सामने आया कि लोगों की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, बेरोजगारी और पेंशन को लेकर है। हर वर्ग की नजर इस बजट पर टिकी है।

महंगाई, बेरोजगारी, पेंशन और बुनियादी सुविधाओं को लेकर लोगों की अपेक्षाएं साफ हैं। अब देखना होगा कि सरकार अपने पहले पेपरलेस बजट में आमजन की इन उम्मीदों पर कितना खरा उतर पाती है।

गृहिणी रमा कहती हैं कि रोजमर्रा का खर्च संभालना मुश्किल होता जा रहा है। राशन से लेकर सोने-चांदी तक हर चीज महंगी हो गई है। बच्चों की शादी-ब्याह और पालन-पोषण गरीब परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। उनका कहना है कि सरकार को महंगाई कम करने के ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि आम परिवारों को राहत मिल सके।

पेंशन के लिए भटकते बुजुर्ग

बुजुर्ग रामचंद्र बताते हैं कि कई बार आवेदन करने के बावजूद उन्हें पेंशन नहीं मिल पाई। फॉर्म बार-बार रिजेक्ट हो जाता है और वे मजदूरी कर घर चला रहे हैं। उनका कहना है कि हर बजट से उम्मीद रहती है, लेकिन हकीकत में लाभ नहीं मिलता। इसी तरह 70 वर्षीय आनंद गौतम ने भी पेंशन न मिलने पर नाराजगी जताई। वे कई बार कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अब तक स्वीकृति नहीं मिली। उनका कहना है कि चुनाव के समय घोषणाएं होती हैं, पर जमीनी स्तर पर राहत नहीं मिलती। वे चाहते हैं कि इस बार सरकार बुजुर्गों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करे।

पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी की दरकार

गोविंदपुर निवासी दीपावली ने बताया कि ग्रेजुएशन करने के बाद भी उन्हें नौकरी नहीं मिली। महंगाई के कारण घरेलू जरूरतें पूरी करना मुश्किल है। घर में शादी है, लेकिन खरीदारी करने से पहले कई बार सोचना पड़ता है। उनका कहना है कि शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। वहीं युवा प्रशांत सूर्यवंशी ने मांग की कि बजट में युवाओं के लिए अलग से प्रावधान हो। नियमित रूप से सरकारी भर्तियों का शेड्यूल जारी किया जाए और रिक्त पदों की समय-समय पर जानकारी दी जाए, ताकि बेरोजगारी कम हो सके।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को 'तुगलकी आयोग' कहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को 'तुगलकी आयोग' करार दिया है। साथ ही उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी हमला बोला है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा है कि इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को एक राजनीतिक दल चला रहा है। पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय नबान्न में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आईटी सेल की महिला पदाधिकारी ने एआई का इस्तेमाल करके बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटवाये।

ममता बनर्जी ने कहा कि इलेक्शन कमीशन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन मतदाताओं को निशाना बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। टीएमसी चीफ ने कहा है कि बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया की वजह से डरकर और काम के दबाव की वजह से 160 लोगों की जान चली गयी। टीएमसी चीफ ने आरोप लगाया है कि भाजपा के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के दौरान बंगाल के मतदाताओं के नाम हटाये। उन्होंने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग बंगाल सरकार के अधिकारियों को दंडित करता है, तो वह शत-प्रतिशत उनकी रक्षा करेंगी। कहा कि चुनाव आयोग ने जिन अधिकारियों को डिमोट किया है, उन सभी अफसरों को बंगाल सरकार प्रोमोशन देगी।

अप्रैल में हो सकता है बंगाल सहित चार राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा मार्च में संभव

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल समेत 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की घोषणा अगले महीने यानी मार्च में हो सकती है। अप्रैल में इन राज्यों में विधानसभा के चुनाव कराये जा सकते हैं। अप्रैल में पश्चिम बंगाल के अलावा असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में अलग-अलग तारीखों पर विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा 'मार्च के मध्य में किसी समय' एक साथ करेगा। चुनाव अप्रैल में अलग-अलग तारीखों पर हो सकते हैं। 5 विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तारीखों पर खत्म हो रहा है। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा का 5 साल का कार्यकाल 15 जून को खत्म होगा। असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल क्रमशः 20, 23, 10 और 7 मई को खत्म हो रहा है।

एमपी बोर्ड पेपर लीक : शिक्षिका ने व्हाट्सएप स्टेटस पर लगाया 10वीं का प्रश्न पत्र; केन्द्राध्यक्ष सहित तीन पर गिरी गाज

बुरहानपुर में बोर्ड परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली आरोपी राजकुमारी सोनी और केन्द्राध्यक्ष निलंबित; संभागायुक्त की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/बुरहानपुर । मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल परीक्षाओं के दौरान सुरक्षा और गोपनीयता में एक बड़ी चूक का मामला प्रकाश में आया है। बुरहानपुर जिले के तुकईधड परीक्षा केंद्र पर अंग्रेजी विषय का प्रश्न पत्र सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने वाली मुख्य आरोपी प्राथमिक शिक्षक राजकुमारी सोनी सहित केंद्र के वरिष्ठ प्रबंधन पर प्रशासन ने कठोर कार्रवाई की है। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि मुख्य आरोपी सोनी को जिला स्तर पर पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

घटनाक्रम के अनुसार मंगलवार, 17 फरवरी 2026 को कक्षा 10वीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा के दौरान तैनात प्राथमिक शिक्षक राजकुमारी सोनी ने नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रश्न पत्र का फोटो खींचा और उसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर अपलोड कर दिया। परीक्षा शुरू होने के कुछ ही समय बाद प्रश्न पत्र के इस प्रकार सार्वजनिक होने से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि यह न केवल शासकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही है, बल्कि परीक्षा की गोपनीयता को भंग करने का एक गंभीर प्रयास भी है।

लापरवाही के चलते केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष पर गिरी गाज

कलेक्टर बुरहानपुर के प्रतिवेदन के आधार पर संभागायुक्त ने केंद्र के प्रबंधन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी केन्द्राध्यक्ष जितेन्द्र कुमार कुलकर्णी (शाउमावि डोईफोडिया) और सहायक केन्द्राध्यक्ष अनीता दीक्षित (शाउमावि निम्बोला) को दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन अधिकारियों के नियंत्रण में रहते हुए मुख्य आरोपी राजकुमारी सोनी द्वारा मोबाइल का उपयोग किया जाना और गोपनीयता भंग करना उनके पर्यवेक्षण की विफलता को दर्शाता है। आरोपियों ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विभिन्न प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन किया है।

संभागायुक्त द्वारा यह निलंबन मध्य प्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9 के तहत किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान जितेन्द्र कुमार कुलकर्णी का मुख्यालय सहायक आयुक्त कार्यालय जनजातीय कार्य विभाग बुरहानपुर और अनीता दीक्षित का मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बुरहानपुर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार केवल जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

डिजिटल दौर में परीक्षा की शुचिता बनाए रखना बड़ी चुनौती

डिजिटल युग में बोर्ड परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखना शिक्षा विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा की गई यह त्वरित और कठोर कार्रवाई देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक संदेश है कि परीक्षा ड्यूटी में किसी भी प्रकार की डिजिटल लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस रद्द

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को रद्द कर दिया। यह मामला 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले 40 प्रतिशत कमीशन वाले कांग्रेस के विज्ञापनों को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। करप्शन रेट कार्ड वाले इस विज्ञापन को राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद भाजपा नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापनों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं पर सरकारी ठेकों से 40 प्रतिशत कमीशन लेने का झूठा आरोप लगाया। मामले में कर्नाटक की अदालत ने 23 फरवरी 2024 को सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी को समन जारी किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1 जून 2024 को सिद्धारमैया, शिवकुमार को और 7 जून 2024 को राहुल को जमानत दे दी थी।

कुछ ना कहना

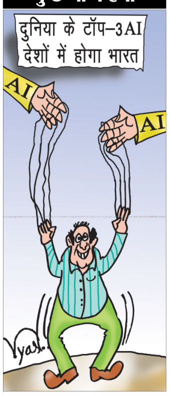

तीन-तीन कलेक्टर पत्निओं के पति आईएएस अवि प्रसाद चर्चा में हैं!

कहीं यह विवाह के बहाने कैडर बदलने की चाहत तो नहीं

विशेष
पदमेश न्यूज़।

एमपी कैडर के 2014 बैच के आईएएस अधिकारी अवि प्रसाद इन दिनों सोशल मीडिया में भारी चर्चा में हैं. हालाँकि उन्हें जानने वाले इनके काम करने के अंदाज़ से (अभी के चर्चित कामों से नहीं) काफ़ी प्रभावित थे . रूबरू नहीं भी मिले लेकिन सोशल मीडिया के ज़रिये संवाद करता थे , जब ये कटनी कलेक्टर थे..बहुत लायक अफसर थे. बालाघाट के कटंगी में वे एसडीएम भी रहे।

बेहद क़ाबिल हैं. सुदर्शन हैं. इस नौकरी से पहले भारतीय राजस्व सेवा में चयनित हुए. उन्हें संतोष नहीं हुआ. दोबारा बैठे यूपीएससी में.. फिर चयनित हुए भारतीय पुलिस सेवा में मगर इस बार भी संतुष्ट नहीं हुए. फिर बैठे परीक्षा में और उसके बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में टॉप की सूची में आए।

यानी उनकी संतुष्टि का पैमाना बड़ा ऊँचा है.. एक बार मिले अवसर से उन्हें संतोष नहीं होता और वे बेहतर मुक़ाम पाने के लिए 'तीन अटेम्प्ट' करते ही हैं..पेशे में ठीक भी है ये ज़िद लेकिन निज़ी जीवन में बेहतर मुक़ाम हासिल करने की ये ज़िद तीसरे अटेम्प्ट में थम जाए तो ही बेहतरज्

तकरीबन दस साल में तीन शादियाँ और तीनों आईएएस से. इनमें से दो एमपी के दो जिलों में कलेक्टर हैं. जो उनकी नववधु हैं, उनके भी किसी भी वक्त जिले में कलेक्टर बनने के ऑर्डर ज़ारी हो सकते हैं. इस कथा में गैर

अविप्रसाद : तीन प्रयास में आईएएस बने, विवाह के भी तीन प्रयास!!

कानूनी कुछ नहीं है..ये पत्नी से विधिवत तलाक लेकर ही अगली शादी करते हैं..हालाँकि इनकी कहानी में ये राहत इन्दौरी की ग़ज़ल के शेर की तरह नज़र आ ज़रूर रहे होंगे..वो कुछ यूँ है.

तूफ़ानों से आँख मिलाओ, सैलाबों पर वार करो
मल्लाहों का चक्कर छोड़ो, तैर के दरिया पार करो
और इश्क़ यदि ख़ता है तो,
ये ख़ता एक बार नहीं सौ बार करो..

मगर दाम्पत्य एक ऐसा मसला है, जिसे दंपत्ति के अलावा कोई माई का लाल नहीं समझ सकता कि यदि दाम्पत्य ख़तरे में आया, तो गलती किसकी थीजलिहाज़ा तीन अटेम्प्ट करना इनका शौक है, ज़िद है, जूनून है, बेहतर मुकाम हासिल करने की ललक है या मजबूरीज़ दूर बैठा कोई भी व्यक्ति इसका दायित्व निर्धारण कर ही नहीं सकता..यहाँ तक कि कई बार कोर्ट तक नहीं कर पाती.. कोई कह रहा है कि कुछ शादियाँ कैडर परिवर्तन के लिए भी परस्पर समझौते के तहत भी हुई हैं।

शादी करने से कैडर बदलने में आसानी हो जाती है..यानी दोनों पक्ष जानते थे कि ये शादी नहीं है, एक पेशेगत समझौता मात्र है.. ऐसे में सिर्फ़ कयास लगाकर अपनी सुविधा अनुसार जनता चटकारे ले सकती है लेकिन असल वज़ह नहीं तलाश सकती..बहरहाल, अभी तो सोशल मीडिया में ये ख़बर भारी सनसनी बनी हुई हैज्हमारे प्रदेश का मसला है तो हमने भी सिर्फ इसलिए लिख मारा।

यह मध्य प्रदेश के आईएएस ऑफिसर अवी प्रसाद है और 2014 बैच के अधिकारी हैं. हाल ही में उन्होंने तीसरी शादी किया है और उनकी तीनों पत्नियों आईएएस ऑफिसर है। उनकी पहली पत्नी रिजु बाफना थी जो इस वक्त शाहजहांपुर की कलेक्टर है। रिजु से तलाक लेने के बाद इन्होंने आईएएस मिशा सिंह से दूसरी शादी की जो रतलाम की कलेक्टर है।

यह रिश्ता भी चल नहीं पाया और अब इन्होंने आईएएस अधिकारी अंकिता धाकरे से की है. धाकरे राज्य मंत्रालय (प्रशासनिक सेवा) में डिप्टी सेक्रेटरी के रूप में कार्यरत हैं।

तारिक रहमान बने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

-25 कैबिनेट और 24 राज्य मंत्रियों ने भी ली शपथ, 18 महीने की अंतरिम सरकार का अंत

ढाका। तारिक रहमान ने मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में आयोजित एक सादे समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही देश में पिछले 18 महीनों से कार्यरत अंतरिम सरकार का कार्यकाल समाप्त हो गया। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री के साथ ही 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई गई। नई मंत्रिपरिषद में 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं, जबकि 24 राज्य मंत्रियों में अधिकांश पहली बार मंत्रिमंडल का हिस्सा बने हैं। मंत्रिमंडल में एक हिंदू मंत्री को भी शामिल किया गया है। स्वयं तारिक रहमान भी पहली बार किसी मंत्रिमंडल का हिस्सा बने हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले दिन में पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के पुत्र हैं। लगभग 17 वर्षों तक लंदन में रहने के बाद वे दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। गौरतलब है कि पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बीएनपी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। सरकार बनाने के लिए आवश्यक 150 सीटों के आंकड़े को पार्टी ने आसानी से पार कर लिया। इसके अलावा तीन सीटों पर उसकी सहयोगी दलों ने जीत दर्ज की, जिससे गठबंधन की स्थिति और मजबूत हुई। नई सरकार के गठन के साथ ही बांग्लादेश की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि नई सरकार आर्थिक सुधार, राजनीतिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मोर्चे पर किस तरह की प्राथमिकताएं तय करती है।

भूमिसूधार,पारिश्रमिक भुगतान,आधार कार्ड सुधार और धान का भुगतान की मांग को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे पीड़ित

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 125 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 17 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 125 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे। जनसुनवाई में तिरोडी तहसील के ग्राम चाकाहेटी निवसी रुपसिंह दशमेर शिकायत लेकर आए थे कि उनके पुत्र आकाश का तिरोडी तहसीलदार द्वारा श्वङ्क्षस्र प्रमाणपत्र नही दिया जा रहा है। उसके पुत्र का सीआईएसएफ में चयन हो चुका है। वर्ष 2022-23 एवं 2024-25 में उसका श्वङ्क्षस्र प्रमाणपत्र बन चुका है। लेकिन सीआईएसएफ अधिकारी द्वारा 2026-27 का श्वङ्क्षस्र प्रमाणपत्र मांगा जा रहा है। प्रमाण पत्र नही मिलने से उसके पुत्र का भविष्य खराब हो सकता है अत- उसे शीघ्र श्वङ्क्षस्र प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाए। इस पर कटंगी एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम सीतोखोह निवासी ओमकार जगने शासकीय भूमि का पट्टा दिये जाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि वह गरीब मजदूर है और 43 वर्षो से गांव की 1.50 एकड उबड-खाबड एवं अनउपजाऊ भूमि को सुधार कर उस पर खेती कर रहे है। इससे उसके परिवार के 08 सदस्यों का गुजारा हो रहा है। अत- उसे इस भूमि का पट्टा प्रदाय किया जाए। इस पर कटंगी तहसीलदार को शासन के नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में तिरोडी तहसील के बोनकट्टा निवासी जयरंजन बिंझोड़े मनरेगा कार्य का भुगतान दिलाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि मनरेगा योजना के तहत हरदोली जलाशय के किनारे ग्राम पंचायत हथौड़ा द्वारा ग्रेवल सड़क निर्माण के लिए उनसे करीब 2.5 वर्ष पूर्व कार्य कराया गया था, लेकिन अब तक उन्हें इस कार्य का भुगतान नहीं किया गया है। जयरंजन बिंझोड़े ने बताया कि उन्होंने सरपंच और सचिव से कई बार भुगतान के लिए अनुरोध किया, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने उपयंत्री से भी संपर्क किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंच, सचिव और उपयंत्री की मिलीभगत से उनका भुगतान लंबित रखा जा रहा है।जयरंजन बिंझोड़े की इस शिकायत पर जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील के ग्राम मंझारा निवासी रविशंकर नगपुरे अपने भाई की कृषि कार्य के दौरान स्क्रब टाईफस के काटने से मृत्यु होने के कारण सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आए थे। रविशंकर ने बताया कि उसके भाई उमाशंकर नगपुरे की 26 नवंबर 2025 को एम्स नागपुर में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है। भाई के उपचार में उनका 05 लाख रुपए खर्च हो गया है। यह राशि उसने अपने रिश्तेदारों से उधार लिया है। उसका परिवार गरीब होने के कारण उधारी चुकाने में असमर्थ है। अत: उसे शासन से आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। इस प्रकरण में राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में भटेरा चौकी वार्ड क्र. 01 के निवासी मानव गोस्वामी आधार कार्ड में नाम सुधरवाने की मांग कों लेकर आये थे। मानव गोस्वामी का कहना था की उसका वास्तविक नाम मानव गोस्वामी है जबकि आधार कार्ड में मीत गोस्वामी लिखा हुआ है। आधार कार्ड में गलत नाम होने के कारण उसे शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है व विभिन्न शासकीय कार्यों में समस्याओ का सामना करना प रहा है। इस प्रकरण में जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम चिखला निवासी कुँवरलाल रनगिरे अशासकीय शाला रानी अवन्तिबाई विद्या मंदिर चिखला की मान्यता समाप्त करने की मांग लेकर आये थे। कुंवरलाल का कहना था कि अशासकीय शाला रानी अवन्तिबाई विद्या मंदिर चिखला की अनियमितता की जाँच तीन प्रचार्यो की टीम के द्वारा की जा चुकी है, जिसमे अप्रशिक्षित शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित पाए गए। इसके साथ ही खेल का मैदान भी छोटा पाया गया। शाला में तीन शिक्षण कक्ष योग्य नहीं पाए गए हैं व शाला में छात्राओं की कुल दर्ज संख्या 323 है जबकि आरटीई के अंतर्गत 90 छात्राएं अध्ययनरत होने चाहिए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में ग्राम हट्टा के निवासी परमेश्वर कपुरिया रोजगार मिलने व बीएड में प्रवेश उपरांत 50 प्रतिशत फीस माफ होने की मांग लेकर आये थे। परमेश्वर का कहना था कि वह दोनों पैरो से विकलांग है व उसका विकलांगता का 60 प्रतिशत से सर्टिफिकेट बना हुआ है। उसने अपनी पढाई अत्यधिक परेशानियों के साथ पूरी की है व वह आगे अभी ओर पढना चाहता है। उसका बीएड में दो बार नाम आ चुका है लेकिन प्राइवेट संस्थानों की फीस लाखो रूपये की होने के कारण वह बीएड कॉलेज में प्रवेश नहीं ले पा रहा है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में वार्ड क्र. 10 भटेरा चौकी की निवासी जयमाला नामदेव नाली निर्माण की मांग लेकर आयी थीं। जयमाला का कहना था कि वार्ड क्र.10 भटेरा में अस्पताल के सामने वाली गली में नाली निकासी के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं है जिससे वार्ड के सभी घरो का निकासी पानी रोड में इकठ्ठा हो जाता है। पानी इकट्ठा होने से बीमारियों के फैलने का खतरा ब जाता है। इस प्रकरण में नगरपालिका अधिकारी कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

लांजी तहसील के ग्राम घोटी-घुसमारा निवासी रामलाल अगासे धान का भुगतान दिलाये जाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि कुम्हारीखुर्द सोसायटी में उसके द्वारा 360 बोरी धान विक्रय किया गया है। लेकिन उसका अब तक भुगतान नही मिला है। इस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा प्रत्यिक मंगलवार को सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का रेंडमली चयन कर उनकी समक्ष में सुनवाई की जा रही है। इसमें शिकायतकर्त्ता एवं निराकरण करने वाले विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी को समक्ष में बुलाकर दोनों पक्षों को सुना जाता है और निराकरण नहीं होने के कारणों पता लगाया जाता है तथा शिकायत का संतोषजनक ढंग से निराकरण कराया जाता है। जिन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पायी जाती है, उसमें जिम्मेदार कर्मचारी पर कार्यवाही भी की जाती है।

17 फरवरी को कलेक्टर श्री मीना ने 250 दिनों से अधिक की लंबित 05 शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, अधीक्षक भू-अभिलेख एवं लोक सेवा प्रबंधक अनिल लिल्हारे भी मौजूद थे। परसवाड़ा तहसील के ग्राम पोंगारझोड़ी के पुरूषोत्त्म द्वारा अपनी जमीन के नक्शा बटांकन नहीं किये जाने की शिकायत सीएम हेल्पलाईन में की थी। यह शिकायत 281 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पोंगारझोड़ी के पटवारी से प्रकरण की वस्तुस्थिति का पता लगाया गया। इसके बाद कलेक्टर श्री मीना ने पटवारी को निर्देशित किया कि वह दो दिनों के भीतर पुरूषोत्तम की जमीन का नक्शा बटांकन करने की कार्यवाही करें। दो दिनों के भीतर इस शिकायत का समाधान नहीं करने पर पटवारी के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

इसी प्रकार किरनापुर तहसील के ग्राम मुरकुड़ा के सादू खरे द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि उसके पड़ोसी बारेलाल कावरे द्वारा शासकीय सड़क पर मकान बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है। यह शिकायत 316 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। कलेक्टर श्री मीना मुरकुड़ा के पटवारी से वस्तुस्थिति जानने के बाद पटवारी को निर्देशित किया कि शासकीय सड़क पर किये गये अतिक्रमण का सीमांकन करें और ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जायेगी। शासकीय सड़क से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शीघ्र होना चाहिए। इसके पश्चाात को इस शिकायत का समाधान कर बंद कराया गया।

समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने लांजी के कुंजीलाल पिता गुजोबा के नक्शा बटांकन संबंधी आवेदन का संतुष्टि के साथ निराकरण कराया। कुंजीलाल की यह शिकायत 410 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। लांजी के पटवारी को निर्देशित किया गया कि कुंजीलाल के जमीन का नक्शा बटांकन शीघ्रता से कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। लालबर्रा तहसील के ददिया निवासी बंटी कारे द्वारा पोटियापाट का सीमांकन नही किये जाने की सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी, यह शिकायत 428 दिनों से निराकारण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सीमांकन कार्य को अनावश्यक रूप से लंबित रखने के लिए नाराजगी जाहिर की और पटवारी को निर्देशित किया कि 02 दिनों के भीतर सीमांकन कर सीमा विवाद का निराकरण करें और इस शिकायत को बंद कराया गया।

लामता निवासी ओमकार तिल्लासी द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई थी कि नहर की भूमि पर सरपंच द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। यह शिकायत 302 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने अपर कलेक्टर को मौके पर जाकर वस्तुस्थिति देखने एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने लामता के पटवारी को सख्त निर्देश दिये कि शासकीय भूमि पर किसी भी तरह की अतिक्रमण को हटाने के लिए तत्परता के साथ कार्य करें।

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती

योग्यता 10 वी 12वीं पास

सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,

पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा

सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)

संपर्क-7030497666, 9766188388

एमपीईबी एवं मॉयल एकादश भरवेली के बीच होगा पहला सेमीफाइनल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में खेले जा रहे स्व पत्रकार सुदेश पौराणिक स्व सुनील बिसेन ओम भारद्वाज मुकेश बढ़ई सुरेन्द्र शुक्ला अनीश खान स्मृति हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे दिन का पहला मैच डॉ बी आर अंबेडकर एजुकेशन सोसाइटी एवं मेडिकल एकादश के बीच खेला गया।जिसमें बतौर अतिथि राजेश नगपुरे युवा समाजसेवी एवं घनश्याम चौधरी एरिया मैनेजर मैनकाइंड नंदकिशोर लिल्हारे बालाघाट केसरी मौजूद रहे। जिसमें मेडिकल एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट

खोकर 146 रन बनाए जिसमें जीतू मंगलानी ने 24 रन,गौरव शर्मा ने 23 रन,अक्षय कांकरिया ने 21 रन का योगदान दिया। डॉ बी आर अंबेडकर एजुकेशन सोसाइटी की ओर से शादाब खान ने 3 विकेट,महेंद्र सोनवाने ने 2 विकेट,पंकज गिरी ने 1 विकेट प्राप्त किए।जवाबी पारी खेलने उतरी डॉ बी आर अंबेडकर एजुकेशन सोसाइटी ने 7 विकेट खोकर 145 रन ही बना सकी।जिसमें महेंद्र सोनवाने ने 46 रन पंकज गिरी 44 रन शादाब खान ने 20 रन का योगदान दिया।मेडिकल एकादश की ओर से महेंद्र अमूले व मोहित चौधरी ने दो दो विकेट एवं मोहित आचार्य,नदीम पटेल,गौरव शर्मा ने एक एक विकेट प्राप्त किया।इस रोमांचक मैच में 1 रन से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।महेंद्र अमूले को मैन ऑफ द मैच चुना गया। प्रतियोगिता का अंतिम क्वाटर फाइनल मैच मॉयल एकादश भरवेली एवं हॉक फोर्स कनकी के बीच खेला गया जिसमें बतौर अतिथि भारती ठाकुर अध्यक्ष नगरपालिका परिषद एवं योगेश बिसेन उपाध्यक्ष कमलेश पांचे सभापति ,मुकेश तिवारी मौजूद रहे। मॉयल एकादश भरवेली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 164 रन बनाए जिसमें धनपाल दुरयाम ने टूर्नामेंट में पहला शतक जड़ते हुए 102 बनाए। हॉक फोर्स कनकी की ओर से अजय मिश्रा एवं सचिन पटेल ने तीन तीन विकेट प्राप्त किए।निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी हॉक फोर्स कनकी ने 7 विकेट खोकर 132 रन बनाए। हॉक फोर्स कनकी की ओर से लक्की ने 48 रन,मुकेश सागर ने 36 रन,रविन्द्र परिहार ने 22 रन का योगदान दिया।मॉयल एकादश भरवेली की ओर से मोंटू ने 2 विकेट,जानसन,निजजु संजीत ने एक एक विकेट प्राप्त किए।मॉयल एकादश भरवेली ने 32 रन से मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। धनपाल दुरयाम को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका अजय शुक्ला,सोनू यादव एवं प्रदीप दानी,प्रमोद कनौजिया स्कोरिंग शुभम मेश्राम एवं संदीप भीमटे कमेंट्री रजनीश राहंगडाले,आकाश श्रीवास्तव अजय बिसेन, द्वारा की गई। प्रतियोगिता पहला का पहला सेमीफाइनल मैच एम पी ई बी एवं मॉयल एकादश भरवेली के बीच दोपहर 12 बजे खेला जाएगा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत भोज महासचिव ओमेंद्र,उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा,रजनीश राहंगडाले,रफी अहमद अंसारी,यमलेश बंजारी,महेंद्र अमूले, आकाश श्रीवास्तव,सुनील कोरे,नईम खान,अरविंद अग्निहोत्री,संजय बिसेन,अजय नारायण तिवारी योगेश देशमुख,संदीप आश्वले,योगेश गौतम,हितेश ठाकरे,अशोक शुक्ला,अखिलेश ठाकुर,मनीष जैन,अनुराग झा, माही चौहान,गुणेश्वर सहारे,प्रदीप सर्राटे,महेश दवने,गुड्डू गोंड,देवेंद्र रनगिरे गजोधर,कमल कोडले सहित समस्त साथियों ने खेलप्रेमी जनता से उपस्थिति का आग्रह किया है।

रेलवे स्टेशन में चोरी की नियत से रैकी करता युवक गिरफ्तार ?

रवि उर्फ छर्रा पर पहले से दर्ज है कई अपराध

सफाई कर्मचारी से विवाद करने पर रेलवे पुलिस ने की कार्यवाही, जेल भेजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट रेलवे स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर, चोरी के लिए रैकी करने और सफाई कर्मचारी के साथ गाली गलौज कर विवाद करने के आरोप में रेलवे पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस की गिरफ्तार में आए आरोपी युवक का नाम ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम कोसमी बंदरझिरिया वार्ड नंबर 9 निवासी 23 वर्षीय रवि उर्फ छर्रा पिता शैलेश बागडे बताया गया है।जिसके खिलाफ बीएनएस धारा 170 के तहत अपराध दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही के लिए उसे अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में पेश किया गया। जहां आरोपी युवक के पूर्व से लंबीत अपराधों की सूची भी उपलब्ध कराई गई।उधर मामले की सुनवाई करते हुए एसडीएम कोर्ट से आरोपी युवक को तीन दिनों के लिए जिला जेल भेज दिया गया है।

सन्देह के आधार पर की पूछताछ, तो समाने आया युवक का आपराधिक रिकार्ड

प्राप्त जानकारी मंगलवार को बालाघाट रेलवे स्टेशन परिसर में सहायक उप निरीक्षक डब्बल सिंह ककोडिया, आरक्षक योगेश मस्करे, आरपीएफ आरक्षक कृष्ण मुरारी के साथ स्टेशन चैकिंग कर रहे थे।उसी दौरान प्लेटफार्म न 1 पर ,स्टेशन मास्टर कार्यालय के सामने सफाईकर्मी रामदास मस्करे ने एक युवक को स्टेशन पर कचरा न फेंकने की बात कही, जिसपर युवक सफाईकर्मी से गाली गलौच कर लड़ाई झगड़ा कर रहा था।जिसपर वहां मौजूद पंचान विरेन्द्र कुमार, आरित रविद्र कुमार, आरपीआई गोंदिया की गठित टीम मंडल टास्क फोर्स के कृष्ण कुमार निकोडे एवं पुलिस के द्वारा समझाने की कोशिश की गई।जिसपर भी युवक नही माना और आवेश मे आकर सफाई कर्मी से मार पीट पर उतारू हो गया।जिसे उक्त टीम द्वारा मौके पर पकड़ा गया। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रवि उर्फ छर्रा बताया।जब युवक से पूछताछ की गई तो वहा संतोषप्रद जवाब नही दे सका।जिसपर सन्देह होने पर जब उसके आपराधिक रिकार्ड खंगाले गए तो पुलिस भी दंग रह गई।जिसे आदतन अपराधी मानते हुए, धारा 170 के तहत कार्यवाही कर उसे मौके से गिरफ्तार किया गया। जिसकी जिला अस्पताल में मेडिकल जांच कराकर एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे 03 दिनों के लिए जिला जेल भेज दिया गया है।

आरोपी युवक पर पहले से दर्ज हैं 8 से अधिक मामले

बताया गया कि जब आरोपी युवक का आपराधिक रिकार्ड खंगाला गया तो रेलवे पुलिस के भी बेहोश उड़ गए, आरोपी युवक रवि उर्फ छर्रा के ऊपर पहले से 8 से अधिक अपराध दर्ज मिले। बताया गया कि आरोपी रवि उर्फ छपरा के ऊपर पहले से अलग-अलग तिथियो में 379, 457, 380, 379,25 आर्म्स एक्ट, पुन: 25 आम एक्ट, 151, 107, 116(3), और 151 के अपराध दर्ज हैं। हाल ही में उक्त युवक के ऊपर 170 का आपराधिक मामला दर्ज कर एसडीएम न्यायालय से उसे जेल भेजा गया है।

अगर गिरफ्तार नही करते तो कुछ भी हो सकता था- राकेश गढ़पाल

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान रेलवे चौकी प्रधान आरक्षक राकेश गढ़पाल ने बताया कि युवक ने अनधिकृत रूप से रेलवे स्टेशन में प्रवेश किया था, वहा लोगों के पास जाकर सामानों की रैकी कर रहा था। वहीं सफाई कर्मी से गाली गलौज कर विवाद कर रहा था। समझाने पर भी वह नहीं मान रहा था जहां सफाई कर्मचारी के साथ विवाद इतना अधिक बढ़ गया था कि यदि उसे गिरफ्तार नहीं किया जाता तो कोई बड़ी घटना घट सकती थी।अपराध रोकने के लिये अन्य कोई चारा नही था।उन्होंने बताया कि जब युवक से स्टेशन पहुंचने को लेकर पूछताछ की गई तो वहां संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाया, सवालों के ,गोल-गोल घूमाकर जवाब दे रहा था, संदेह के आधार पर उसे पकड़ कर उसका आपराधिक रिकार्ड खंगाला गया, तो उसके ऊपर पहले से कई मामले दर्ज पाए गए। आदतन अपराधी होने पर उसे गिरफ्तार कर, एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया है जहां से उसे 03 दिनों की डिमांड पर जिला जेल भेजा गया है।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई-दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रेंगाटोला से दिनी रोड पर स्थित ग्राम भांडी के पास मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार दो लोग घायल हो गए दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। अत्यधिक चोट लगने से घायल जिनमे राजेंद्र पिता भेदु गोले 33 वर्ष ग्राम घोटी थाना लालबर्रा निवासी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया अन्य घायल अनिकेत पिता महेश उके 26 वर्ष ग्राम पानगांव थाना किरनापुर निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिकेत उके बालाघाट मोती नगर में रहकर बजाज अलायंस में काम करते हैं और राजेंद्र गोले सेलून का काम करते हैं ।जिनका ससुराल ग्राम दिनेरा का है। 16 फरवरी को अनिकेत उके अपने काम से खैरलांजी क्षेत्र में गए थे और अपना काम निपटाना के बाद मोटरसाइकिल में मोती नगर बालाघाट लौट रहे थे। इसी दौरान राजेंद्र गोले मोटरसाइकिल में घोटी लालबर्रा से अपने ससुराल दिनेरा जा रहे थे। शाम 6:00 बजे करीब ग्राम रेंगाटोला से दिनी रोड पर स्थित ग्राम भांडी के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में राजेंद्र गोले और अनिकेतन उके दोनों घायल हो गए। दोनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया जहां से अत्यधिक चोट लगने से घायल राजेंद्र गोले को नगर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं प्रमोद कुमार पिता लखनलाल लिल्हारे ग्राम बरबसपुर तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हूँ। मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम प्रमोद कुमार पिता लखनलाल दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक में मेरा नाम प्रमोद लिल्हारे पिता लखनलाल लिल्हारे दर्ज है जो सत्य है।

अत: मुझे प्रमोद लिल्हारे पिता लखनलाल लिल्हारे के नाम से ही जाना व पहचाना एवं पढ़ा जावें।

आवेदक
प्रमोद लिल्हारे
ग्राम बरबसपुर तह. वारासिवनी
जिला बालाघाट

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जितेन्द्र उपवंशी पिता रविन्द्र उपवंशी ग्राम लड़सड़ा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हूँ। मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम जितेन्द्र पिता रविन्द्र दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक में मेरा नाम जितेन्द्र उपवंशी पिता रविन्द्र उपवंशी दर्ज है जो सत्य है।

अत: मुझे जितेन्द्र उपवंशी पिता रविन्द्र उपवंशी के नाम से ही जाना व पहचाना एवं पढ़ा जावें।

आवेदक
जितेन्द्र उपवंशी
ग्राम लड़सड़ा तह. वारासिवनी
जिला बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 18 फरवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

खैरलांजी के गांधी चौक में मानसिक कमजोर नाबालिग से मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खैरलांजी के गांधी चौक में एक मानसिक रूप से कमजोर नाबालिग बालक के साथ बेवजह मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट में घायल बालक दानिश पिता ईश्वरी तितरमारे 15 वर्ष का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले मे आरोपी राउदास मेश्राम के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईश्वरी तीतरमारे, जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।उनका 15 वर्षीय पुत्र दानिश तीतरमारे बचपन से ही मानसिक रूप से कमजोर है। वह ठीक से बोल नहीं पाता तथा चलने-फिरने में भी असमर्थ है।बताया गया कि 14 फरवरी की शाम लगभग 5 बजे दानिश अपने घर से घूमते हुए गांधी चौक पहुंच गया। उसी समय चौक पर मौजूद राउदास मेश्राम ने बिना किसी कारण के दानिश को अश्लील गालियां दीं और उसके साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। मारपीट के दौरान दानिश जमीन पर गिर पड़ा और रोने लगा था। इसी दौरान दानिश के पिता ईश्वरी तीतरमारे ग्राम खरखड़ी से गांधी चौक पहुंचे थे। जिसने अपने बेटे दानिश को रोते हुए देखा। चौक में उपस्थित ग्रामीणों ने उन्हें घटना की जानकारी दी कि आपके बेटे दानिश को राउदास मेश्राम ने मारपीट किया है। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी दुर्गा तीतरमारे को मौके पर बुलाया और घायल अपने बेटे दानिश को तत्काल खैरलांजी के शासकीय अस्पताल लेकर गये। जहां उसका उपचार किया गया।

ईश्वरी तीतरमारे की रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने आरोपी राउदास मेश्राम खैरलांजी निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देने और मारपीट करने के आरोप में प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

लांजी के एक गांव की नाबालिग ने नवजात को रास्ते में दिया जन्म, नहीं दे पाई 10 वीं बोर्ड की परीक्षा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लांजी थाना क्षेत्र की नाबालिग ने शनिवार 14 फरवरी को एक नवजात (लड़का) को जन्म दिया है। जन्म के बाद जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं। दोनों को जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर के आईसीयू में भर्ती किया गया है।अस्पताल पुलिस ने नाबालिग के बयान आरोपित के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी में बताया गया कि पीड़िता को अपने बड़े भाई के सहयोग से घर में छोड़कर मजदूरी करने माता पिता हैदराबाद गए थे। यह नाबालिग घर में अकेली रहकर कक्षा 10वीं की पढ़ाई करने समीप के गांव में स्कूल जाती थी।

इस बारे में स्वजनों ने बताया कि रबी धान की रोपाई करने के लिए वे घर पहुंचे तो शनिवार सुबह गर्भवती लड़की को दर्द अधिक होने लगा। तभी इलाज करवाने माता पिता बाइक से लेकर लांजी अस्पताल के लिए जा रहे थे कि रास्ते में ही प्रसव हो गया।

पिता ने हिम्मत जताई और 108 एंबुलेंस को फोन कर जानकारी दी। मौके पहुंची एंबुलेंस की सहायता से दोनों को लांजी में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने देखकर पीड़िता और नवजात को तत्काल जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कक्षा 10वीं की है छात्रा

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता कक्षा 10वीं छात्रा है, पर वह वार्षिक परीक्षा में शामिल नहीं हो पा रही है। बताया गया कि आरोपित की बहन, पीड़िता की सहेली है।

बताया गया है कि दोनों के एक साथ पढ़ाई करने से उनके घर में आना जाना लगा रहता था। करीब एक साल से आरोपित को पहचान हुई थी। इसके बाद से दोनों की बातचीत फोन पर बढ़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपित युवक ने नाबालिग के साथ अपने घर में और कई बार स्कूल के पीछे दुष्कर्म किया। इससे नाबालिग गर्भवती हो गई। डर की वजह से घटना की जानकारी अपने स्वजनों को नहीं दे पाई।

उधर,15 फरवरी रविवार को बालाघाट अस्पताल पुलिस चौकी से मिली जानकारी के बाद महिला थाना पुलिस को पीड़िता 15 वर्षीय नाबालिग ने पूरे घटना क्रम से अवगत कराया।

पुलिस ने आरोपित के विरूद्ध प्रथम दृष्टया धारा 64(2), 65 (1), 137(2) 96 बीएनएस, 3(ए)/4, 51/6, 5/6 पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच के लिए लांजी थाना पुलिस को स्थानांतरण किया गया है।

इनका कहना है

जिला अस्पताल पुलिस चौकी से मिली तहरीर के बाद नाबालिग के बयान के आधार पर आरोपित के विरूद्ध मामला दर्ज कर लांजी पुलिस को भेजा गया है। आगे की कार्रवाई लांजी पुलिस के द्वारा की जाएगी।

किरण वटके
उपनिरीक्षक, महिला थाना प्रभारी।

महिला थाना से एक प्रकरण पहुंचा है, जो एक छात्रा के मां बनाने का मामला है। इस मामले में अपराध पंजीबद्ध है। मामले की विवेचना की जा रही है, जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा।

दीपसिंह परमार
थाना प्रभारी लांजी

पचामा दादर में बॉक्साईट ब्लॉक खनन की जनसुनवाई अब 7 मार्च को

प्रभावितग्रामों के आदिवासियों की सुनवाई आगे बढाने की मांग पर शासन तैयार, 18 फरवरी का आंदोलन की स्थगित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पचामा दादर की पहाडियों को खनन कार्य के लिए लीज पर दिए जाने के प्रस्ताव के विरोध में बैहर विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी समुदाय द्वारा 18 फरवरी को बैहर तहसील में प्रदर्शन की तैयारी की गई थी। आंदोलन को लेकर क्षेत्र में पहले से ही असंतोष का माहौल बना हुआ था। इसी बीच आदिवासी समाज के पदाधिकारी मंसाराम मडावी ने जारी वीडियों बयान बताया प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए संबंधित विभाग ने 18 फरवरी को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ा दी है। उनके अनुसार अब यह जनसुनवाई 7 मार्च को आयोजित की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाग की ओर से अभी तक उन्हें इस संबंध में कोई आधिकारिक पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इस विषय पर पुष्टि करते हुए फरहत जहां, उप संचालक खनिज विभाग बालाघाट ने बताया कि जनसुनवाई की तिथि स्थगित किए जाने की जानकारी सही है। विभाग द्वारा अब जनसुनवाई 7 मार्च को आयोजित की जाएगी।

बैहर विधानसभा क्षेत्र की पचामा दादर ग्राम की पहाड़ियों में प्रस्तावित खनन को लेकर चल रहा विवाद में एक राहत वाली खबर सामने आयी है। आदिवासी समाज के पदाधिकारी एवं जिला पंचायत सदस्य मंसाराम मडावी ने 17 फरवरी वीडियों बयान जारी कर स्पष्ट किया कि वे पहले से ही 18 फरवरी को निर्धारित जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वन अधिकार अधिनियम के तहत अपने दावे प्रस्तुत करने और आवश्यक आपत्तियां दर्ज कराने के लिए समाज को पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था। इसी कारण उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया था कि 18 फरवरी को प्रस्तावित जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ाई जाए, ताकि आदिवासी समुदाय विधिवत अपने अधिकारों से संबंधित दस्तावेज और दावे प्रस्तुत कर सके। किन्तु विभाग ने प्रारंभ में जनसुनवाई की तिथि यथावत रखी थी, जिसके विरोध में उन्होंने 18 फरवरी को बैहर तहसील मुख्यालय में बड़े जन आंदोलन का ऐलान किया था। साथ ही यह भी चेतावनी दी थी कि यदि मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को जिला मुख्यालय तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंदोलन को लेकर व्यापक रणनीति तैयार कर ली गई थी और ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी सूचना भी दे दी गई थी। बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के तहसील मुख्यालय पहुंचने की तैयारी थी। इसी बीच 17 फरवरी को उन्हें विभागीय सूत्रों से अनौपचारिक जानकारी मिली कि खनिज विभाग द्वारा एक पत्र जारी कर जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। बाद में इसकी पुष्टि करते हुए उपसंचालक खनिज बालाघाट ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई की तिथि 7 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। हालांकि श्री मडावी का कहना है कि उन्हें अब तक इस संबंध में कोई औपचारिक लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है ।

जनसुनवाई को आगे बढ़ा दिया गया है - फरहत जहां

18 फरवरी को प्रस्तावित जनसुनवाई के संबंध में खनिज विभाग द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस विषय पर सुश्री फरहत जहां उप संचालक खनिज बालाघाट ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए जानकारी दी कि 18 फरवरी को आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब यह जनसुनवाई 7 मार्च को आयोजित की जाएगी। साथ ही इस संबंध में एक लिखित आदेश भी जारी कर दिया गया है, जिसे बैहर एसडीएम को प्रेषित किया गया है।

प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है- संजय उइके

इसी विषय पर बैहर विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ने भी पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी को प्रस्तावित जनसुनवाई के संबंध में उन्हें विभाग का लिखित पत्र प्राप्त हो चुका है। 18 फरवरी को बैहर तहसील में प्रदर्शन करने की रणनीति तैयार कर ली गई थी, लेकिन विभाग द्वारा जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ाए जाने के आधिकारिक पत्र मिलने के बाद अब 18 फरवरी को होने वाला प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है।

333 परीक्षार्थियों ने नहीं दी, अंग्रेजी विषय की परीक्षा, कुल 21355 में से 21,022 विद्यार्थियों ने हाल किया पर्चा

किसी भी केंद्र पर नहीं बना नकल प्रकरण, उड़नदस्ता टीम ने 6 परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड की मंशानुरूप मंगलवार 17 फरवरी को कक्षा दसवीं की परीक्षा का आयोजन किया गया।जहा अंग्रेजी विषय की परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए जिले भर में बनाए गए 132 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कक्षा दसवीं की परीक्षा में कुल 21,355 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 21,022 परीक्षार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किया, जबकि इस परीक्षा से 333 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।वही जिले के किसी भी परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण नही बना।सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

उड़नदस्ता टीम ने इन केंद्रों का किया निरीक्षण

जिला शिक्षा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षा विभाग द्वारा गठित उड़नदस्ते ने 06 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इन केंद्रों में शासकीय हायर सेकेंडरी मॉडल बैहर, उत्कृष्ट बैहर, गुदमा, गढ़ी, परसमाऊ और जैतपुरी परीक्षा केंद्र शामिल रहे।जहा निरीक्षण के दौरान कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया।

परीक्षार्थियों ने दी मिलीजुली प्रतिक्रिया

परीक्षार्थियों ने पेपर में पूछे गए सवालों पर मिलीजुली राय दी। हालांकि, छात्रों ने बताया कि परीक्षा से पहले जो डर और घबराहट थी, वह प्रश्नपत्र हाथ में आने के बाद नहीं रही और पेपर अच्छा रहा है। परीक्षार्थियों को उम्मीद है कि वे अंग्रेजी विषय में अच्छे अंक हासिल कर लेंगे।परीक्षा देकर निकले छात्र-छात्राओं से औपचारिक चर्चा में प्रश्नपत्र को लेकर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी। कुछ के लिए पेपर सरल रहा, तो कुछ को यह सरल के साथ कठिन भी लगा। हालांकि ज्यादातर छात्रों ने मिला जिला पेपर होने की बात कहते हुए ,यह परीक्षा अच्छे अंकों के साथ पास करने की बात कही।

8 माह से लंबित 3 प्रतिशत मंहगाई राहत और स्वास्थ्य बीमा योजना को लागु करने की मांग

जिला पुलिस पेंशनर्स संघ ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से प्रदेश के सेवानिवृत्ति कर्मचारी प्रदेश सरकार से खासे नाराज हैं।जहां कई बार आवेदन निवेदन करने पर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं होने, और लंबित मांगे पूरी न किए जाने पर अपना एतराज जताते हुए जिला पुलिस पेंशनर्स संघ के बैनर तले मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा गया है। जिन्होंने ज्ञापन के माध्यम से अपनी विभिन्न परेशानियों बताते हुए जल्द से जल्द उनकी प्रमुख 2 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।जहां उन्होंने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते प्रमुख रूप से पिछले 08 माह से लंबित 3 प्रतिशत मंहगाई राहत और स्वास्थ्य बीमा योजना को लागु करने की मांग पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

आवेदन निवेदन पर भी नहीं हो रही सुनवाई

वर्षों से लंबी अपनी प्रमुख 2 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपे गए इस ज्ञापन में ,जिला पुलिस पेंशनर्स संघ द्वारा इस बात का उल्लेख किया गया कि म.प्र. में संघ से जुड़े करीब 5,50,000 पेंशनर्स कर्मचारी है। पिछले वर्ष केंद्र सरकार के द्वारा अपने पेंशनर्स को 01 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत महगांई राहत देकर कुल 58 प्रतिशत मंहगाई राहत कर दी गई है।परंतु म.प्र.सरकार के द्वारा केन्द्र के बराबर मंहगाई राहत अभी तक नही दी गई।जिससे पेंशनर्स को काफी आर्थिक हानी हो रही है। इसी प्रकार विगत दिनो म.प्र. सरकार के द्वारा स्वास्थय बीमा योजना बनाई गई थी, इस योजना पर विचार किया गया था और पेंसनर्स से कुछ राशि प्रिमियम के तौर ली जाकर 10 लाख रुपये तक का स्वास्थय बीमा भुगतान करने की योजना बनाई गई थी। इस योजना को केबिनेट में स्वीकृत कराकर लागु करने की बात कही जा रही थी।जो आज तक नही हुई है। हमारी मांग है कि शीघ्र ही स्वास्थय बीमा योजना को केबिनेट से स्वीकृत प्रदान की जाकर लागु किया जाए। ताकि बुजुर्ग पेंशनर्स को तमाम तरह की बिमारियों के ईलाज में सुविधा प्राप्त हो सके।वही लंबित 3 प्रतिशत मंहगाई राहत तत्काल दी जाए, जिसके उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आए।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक स्थगित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 18 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री बीएल उइके ने बताया कि बैठक की नई तिथि निर्धारित होने पर संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को सूचित किया जायेगा।

चलती ट्रेन में पैर फिसलने से आने से बुजुर्ग की मौत

रात्रि 11.30 बजे बालाघाट रेलवे स्टेशन की घटना, प्लेटफार्म नंबर 1 पर हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीती रात नगर के रेलवे स्टेशन परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात बुजुर्ग व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना सोमवार कि बीती रात करीब 11:30 बजे बालाघाट प्लेटफार्म नंबर 01 की बताई गई है।बताया गया कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब कटंगी से चलकर बालाघाट होकर गोंदिया की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन बालाघाट रेलवे स्टेशन पर आकर रुकी थी, जब वह ट्रेन अपने अगले गंतव्य की ओर गोंदिया के लिए आगे बढ़ी, उसी दरमियान यह अज्ञात बुजुर्ग भी चलती ट्रेन में सवार हो रहा था जहां सम्भवत: हाथ फिसलने से बुजुर्ग, चलती ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ही बुजुर्ग अज्ञात बताया जा रहा था।हालांकि घटना के दूसरे दिन मंगलवार की दोपहर बुजुर्ग की शिनाख्त, थाना भरवेली, ग्राम टवेझरी निवासी 60 वर्षीय धनलाल उर्फ पन्नालाल पिता झनकलाल लिल्हारे के रूप में की गई। जहां शव की शिनाख्त होने पर रेलवे पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर, जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही रेलवे पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नैतरा शादी में जाने के लिए निकला था धनलाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टवेझरी निवासी धनलाल लिल्हारे, खेती बाड़ी का काम करता था, वही भैंस चराकर अपना जीवन यापन करता था। बताया गया कि धनलाल की एक पुत्री है जिसका विवाह ग्राम जागपुर हो चुका था, लेकिन तलाक होने के चलते वह टवेझरी में ही रह रही थी।जबकि धनलाल अपनी पत्नी प्रमिला बाई लिल्हारे एक साथ टवेझरी में निवास कर खेती बा?ी का काम संभालता था।परिजनों के अनुसार धनलाल सोमवार की शाम ग्राम नैतरा में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था, जो लौटकर वापस घर नहीं आया। हालांकि बुजुर्ग गोंदिया के लिए ट्रेन पकड़ने बालाघाट रेलवे स्टेशन क्यों गया, और वहां गोंदिया क्यों जा रहा था।फिलहाल इसकी जानकारी परिजनों को भी नहीं है।जहां बालाघाट रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म न. 1 में, गोंदिया के लिए ट्रेन में सवार होते वक्त यहां हादसा हो गया। जहां ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जीवित अवस्था का फोटो

आरपीएफ पुलिस कर रही मामले की जांच

उधर घटना के बाद मौके पर मची चीख पुकार के बीच मामले की जानकारी मिलने पर आरपीएफ चौकी पुलिस ने पटरी से शव को बरामद कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की। जहां पूरी रात अज्ञात शव की पहचान नहीं हो पाई थी। इसके अगले दिन मंगलवार की दोपहर शव की शिनाख्त ग्राम टवेझरी निवासी धनलाल लिल्हारे के रूप में की गई। जिसके उपरांत पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। वहीं रेलवे पुलिस द्वारा इस मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि खबर लिखे जाने तक यहां स्पष्ट नहीं हो पाया कि धनलाल गोंदिया क्यो जा रहा था।

गोंदिया क्यो जा रहे थे, इसकी जानकारी नही है- प्रमिला बाई

मृतक धनलाल की पत्नी प्रमिलाबाई लिल्हारे ने बताया कि उनके पति ग्राम नैतरा में लगन लगाने के लिए गए हुए थे, जहां से वे रात में वापस घर नहीं आए। सुबह मालूम चला की बीती रात वे गोंदिया जा रही ट्रेन में सवार हो रहे थे।जिसकी चपेट में आने से उनकी मौत हो गई है। वह ट्रेन में सवार होकर गोंदिया क्यों जा रहे थे इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है।

मामले की जांच जारी है- गढ़पाल

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान रेलवे चौकी बालाघाट प्रधान आरक्षक,राकेश गढ़पाल ने बताया कि बीती रात बालाघाट रेलवे स्टेशन से गोंदिया के लिए लोकल ट्रेन 11:35 पर रवाना हुई थी।उसी चलती ट्रेन में बुजुर्ग सवार होने के लिए चढ़ रहे थे कि अचानक वह नीचे गिर गए और ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे उनकी मौत हो गई। आसपास जानकारी जुटाने पर भी बुजुर्ग की कोई जानकारी नहीं मिली।जब अज्ञात शव की जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई तो मृतक के परिजनों हमसे संपर्क किया जिला अस्पताल आ कर उन्होंने मृतक की शिनाख्त की, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी गई है।

13 परीक्षा केन्द्रों में 2061 विद्यार्थियों ने हल किया अंग्रेजी का पर्चा, 24 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार गत 14 फरवरी से ब्लाक अंतर्गत बनाये गये 13 परीक्षा केंद्रों में कक्षा दसवीं की बोर्ड की परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। 17 फरवरी को कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का द्वितीय प्रश्नपत्र का पर्चा शांतिपूर्वक हल किये। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 13 परीक्षा केन्द्रों में दर्ज 2085 विद्यार्थियों में से 2061 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय के द्वितीय प्रश्न पत्र का पर्चा हल किया, 24 विद्यार्थी अनुपस्थित रहें एवं अंग्रेजी विषय के पेपर में किसी भी केन्द्र में नकल प्रकरण नही बना है। इसी तरह नगर मुख्यालय में बनाये गये परीक्षा केन्द्र सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा में कक्षा दसवीं में दर्ज 360 विद्यार्थियों में से 354 एवं शास. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली में 236 में से 235 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया एवं 7 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा शुरू होने के पूर्व विद्यार्थी प्रातः 8 बजे परीक्षा केन्द्र पहुंचे जिन्हे परीक्षा शुरू होने के पूर्व सभी केन्द्रों में कक्ष में प्रवेश करने के पहले विद्यार्थियों को परीक्षा की गाईडलाईन के बारे में जानकारी देकर कक्ष में प्रवेश दिया गया और यह परीक्षा प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12 बजे संपन्न हुई। साथ ही हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा के निरीक्षण के लिए जिला प्रशासन के द्वारा उड़नदस्ता टीम गठित की गई है। जिनके द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर केन्द्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जा रहे है। साथ ही परीक्षा के दौरान नकल पर भी पैनी नजर बनाये रखा गया है जिसके चलते लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 13 केन्द्रों में अंग्रेजी के प्रश्नपत्र में एक भी नकल प्रकरण नही बना है। चर्चा में छात्रा आरूषी राजुरकर एवं गुलशन पटले ने बताया कि पाठ्यक्रम से ही प्रश्न पूछा गया एवं पेपर अच्छा आया था और ऐसा ही पेपर आयेगे तो सभी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जायेगें। लेकिन कमरों में दीवार घड़ी की व्यवस्था नही थी एवं एक कमरे में घड़ी थी किन्तु वह भी बंद थी। जिसके कारण समय का पता नही चल पाया इसलिए हमारी मांग है कि सभी कमरों में दीवार घड़ी की व्यवस्था की जाये।

इनका कहना है-

17 फरवरी को कक्षा 10 वीं के 235 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया है। 1 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे एवं किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है और बोर्ड के नियमानुसार परीक्षा संपन्न करवाई जा रही है।

गिरीश चौधरी
सहायक केन्द्राध्यक्ष
शासकीय कन्या उमावि. अमोली।

श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम 22 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग माँ सरस्वती सभामंच के सामने छत्रपति शिवाजी कुनबी समाज लालबर्रा के द्वारा श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित किया गया है। जिसका अनावरण कार्यक्रम आगामी 22 फरवरी को संपन्न होगा, जिसकी तैयारी जारी है। वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा अनावरण हेतु समिति के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं के द्वारा पुर्व में स्थापित की गई प्रतिमा का रंग-रोगन सहित टाईल्स लगाने का कार्य किया जा रहा है जो पूर्णतः की ओर है और प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम भव्य रूप में किया जायेगा जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। चर्चा में छत्रपति शिवाजी कुनबी समाज लालबर्रा अध्यक्ष दिनेश फुंडेकर ने बताया कि हाई स्कूल मार्ग पर श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा विराजित की गई है, जिसका अनावरण कार्यक्रम आगामी 22 फरवरी को किया जायेगा। इस अवसर पर पांढरवानी रोड़ स्थित लॉन से 22 फरवरी को प्रातः 10 बजे रैली निकाली जायेगी। यह रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए प्रतिमा स्थल पहुंचेगी जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा तत्पश्चात मंडी काम्पलेक्स परिसर में मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ होगा। उक्त कार्यक्रम पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, सांसद श्रीमती भारती पारधी, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट के कुलाधिपति दिवाकरसिंह पटेल, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार के मुख्य आतिथ्य एवं छत्रपति शिवाजी कुनबी समाज लालबर्रा अध्यक्ष दिनेश फुंडेकर की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रभर के स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील छत्रपति शिवाजी कुनबी समाज लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

किसानों को अब मात्र 5 रुपये में मिलेगा पांच हॉर्स पॉवर तक का स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपये के स्थान पर मात्र पाँच रुपये में रुपये में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिये आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है।

यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2 हजार 500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी।

अधीक्षण अभियंता अमित कुमार ने बताया कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की कार्यवाही नियमानुसार शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे किसानों को समय पर लाभ मिल सके।

किसान कांग्रेस कमेटी का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट मार्ग स्थित लॉन में 18 फरवरी को दोपहर 12 बजे से किसान कांग्रेस कमेटी ब्लाक लालबर्रा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि किसान कांग्रेस कमेटी का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत समारोह कार्यक्रम 18 फरवरी को दोपहर 12 बजे से बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रम अशोकसिंह सरस्वार पूर्व विधायक बालाघाट, विश्वेश्वर भगत पूर्व सांसद बालाघाट, सुश्री हिना कावरे पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष - म.प्र. शासन, संजय उइके अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट, श्रीमती अनुभा मुंजारे विधायक बालाघाट के मुख्य आतिथ्य एवं सम्राट सिंह सरस्वार अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। श्री ठाकरे ने बताया कि इस कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों की समस्याओं और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को लेकर किसान कांग्रेस लालबर्रा द्वारा एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसान कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करना है। साथ ही भाजपा शासन की कथित किसान विरोधी नीतियों के विरूध्द कार्यकर्ताओं को लामबंद करना और भविष्य की रणनीति तैयार करना है। इस अवसर पर क्षेत्रभर के कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील भुरू पटेल (जिलाध्यक्ष-जिला किसान कांग्रेस), मुनेन्द्र ठाकरे (अध्यक्ष- किसान कांग्रेस लालबर्रा) सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

पांढरवानी पंचायत की बैठक में बाजार नीलामी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सभाकक्ष में मंगलवार को पंचायत की मासिक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक पांढरवानी सरपंच अनीस खान, उपसरपंच राकेश अग्रवाल सहित पंचों एवं पंचायतकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में उपस्थित पंचों को पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण कार्य, स्वीकृत विकास कार्यों के बारे में अवगत करवाया गया। साथ ही पंचायत क्षेत्र की मूलभूत समस्या से वार्ड पंचों से सरपंच को अवगत करवाया गया और नियमित रूप से नालियों की सफाई करवाने सहित अन्य मांगे पूर्ण करवाने की बात कही गई। साथ ही मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी प्रक्रिया संपन्न करवाने पर चर्चा की गई और जल्द मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी किये जाने का निर्णय लिया गया। चर्चा में सरपंच अनीस खान ने बताया कि बैठक में पंचों की बैठक में पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण, विकास कार्यों और कौन-कौन से कार्य किया जाना है, बाजार व मवेशी बाजार नीलामी पर चर्चा की गई है। साथ ही पंचायत क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विकास कार्य किये जा रहे है और जल्द ही मवेशी एवं बैठकी बाजार की नीलामी जल्द की जायेगी। इस अवसर पर पंच एवं पंचायतकर्मी उपस्थित रहे।

करियादंड गांव के दिव्यांग पति-पत्नी सरकारी सहायता और समाज की सहानुभूति पर निर्भर

जनसुनवाई में कलेक्टर से मांगे रोजगार का साधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर क्षेत्र के ग्राम करियादंड से एक दिव्यांग दंपत्ति जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान उन्होंने मीडिया के सामने अपनी पीड़ा साझा की और प्रशासन को लिखित आवेदन सौंपा। दंपत्ति ने बताया कि वे दोनों ही शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं, जिसके कारण नियमित रोजगार नहीं मिल पा रहा है। वर्तमान में उनका जीवन यापन बेहद कठिन परिस्थितियों में चल रहा है। उनके परिवार में एक छोटी बच्ची भी है, जिसका पालन-पोषण केवल शासकीय पेंशन की राशि से कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि उनकी शारीरिक क्षमता और योग्यता के अनुरूप उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाए ।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह भी बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक के लोग अपनी शिकायतें और मांगें लेकर अधिकारियों के समक्ष उपस्थित हुए। इसी दौरान किरनापुर विकासखंड के करियादंड गांव से आए एक दिव्यांग दंपत्ति ने अपनी दयनीय स्थिति बयां कर सबको भावुक कर दिया। दंपत्ति में पति भजनलाल शरणागत शारीरिक रूप से चलने-फिरने में असमर्थ हैं और लंबे समय से बिस्तर पर हैं। उनकी पत्नी भूमेश्वरी शरणागत भी हाथ से दिव्यांग हैं। शारीरिक अक्षमता के कारण दोनों नियमित रोजगार करने में सक्षम नहीं हैं। आर्थिक संकट इतना गहरा गया है कि परिवार और रिश्तेदारों ने भी धीरे-धीरे दूरी बना ली है। वर्तमान में वे पूरी तरह सरकारी सहायता और समाज की सहानुभूति पर निर्भर हैं।

चाय के ठेले से चलता था घर

भजनलाल ने बताया कि उनका विवाह वर्ष 2017 में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हुआ था। विवाह के बाद उन्होंने मेहनत कर एक छोटा चाय का ठेला शुरू किया, जिससे परिवार का गुजारा चलता था। आय सीमित जरूर थी, लेकिन सम्मानपूर्वक जीवन चल रहा था। दंपत्ति की एक छोटी पुत्री भी है, जिसकी पढ़ाई को लेकर वे विशेष रूप से चिंतित हैं। समय के साथ भजनलाल की तबीयत बिगड़ती चली गई और वे पूर्णतः काम करने में असमर्थ हो गए। इसी बीच अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में उनका चाय का ठेला भी हटा दिया गया। इससे आय का एकमात्र साधन खत्म हो गया और परिवार आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट गया।

पेंशन से नहीं चल पा रहा गुजारा

वर्तमान में दोनों पति-पत्नी को शासन की ओर से 600-600 रुपये प्रतिमाह दिव्यांग पेंशन मिलती है। कुल 1200 रुपये में तीन लोगों का भरण-पोषण संभव नहीं है। पड़ोसियों की मदद से किसी तरह घर का खर्च चल रहा है, लेकिन यह व्यवस्था स्थायी नहीं है। भोजन, दवा और बच्ची की पढ़ाई जैसे बुनियादी खर्च भी पूरे करना मुश्किल हो रहा है।

योग्यता के अनुरूप काम की मांग

भूमेश्वरी शरणागत ने बताया कि उन्होंने डीएड और एमए तक शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने मांग किया कि उनकी शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए उन्हें गांव या फिर आसपास किसी स्कूल में रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि यदि उन्हें नियमित काम मिल जाए तो वे अपने परिवार को आत्मनिर्भर बना सकती हैं और अपनी बेटी का भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं।

विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के रसायन शास्त्र विभाग में 17 फरवरी को विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान महाविद्यालय में संचालित एड-ऑन कोर्स के अंतर्गत सर्टिफिकेट कोर्स के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं विषय समन्वयक डॉ. राकेश चैरे ने बताया कि इस प्रकार के व्याख्यान विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पी.एस. कातुलकर भी उपस्थित रहे। रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. उषा सिंह ने अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को विषय की गहराई से समझ विकसित करने के लिए ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस.के. अब्दुस समीम, सहायक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र, खैरलांजी महाविद्यालय ने विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र के विभिन्न आयामों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने विषय की आधुनिक तकनीकों, प्रयोगशाला में उपयोग होने वाली उन्नत विधियों तथा रसायन शास्त्र के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न एआई उपकरणों के उपयोग एवं उनके शैक्षणिक तथा अनुसंधान क्षेत्र में महत्व के बारे में भी अवगत कराया। कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र में नामांकित सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और व्याख्यान से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

शिव परिवार , शनि एवं नवग्रह प्रतिमाओं का कराया नगर भ्रमण

आज प्राण प्रतिष्ठा कर होगा विशाल भंडारे का आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे नव निर्मित किरणेश्वर शिव मंदिर धाम में परमपूज्य श्री 1008 श्री किरनाई माता जी की असीम अनुकम्पा से भगवान श्री भोलेनाथ, संकटमोचन श्री हनुमान जी महाराज एवं श्री शनि देव जी के साथ नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा की जा रही हैं। कार्यक्रमों की कड़ी मे मंगलवार को ग्राम मे इन प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।।17 फरवरी को सहस्त्रधारा स्नान, भव्य नगर भ्रमण एवं शयनाधिवास एवं 18 फरवरी को सम्पूर्ण मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा,महाहवन, पूर्णाहुति कर भंडारा आयोजित कर महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को शोभायात्रा नगर भ्रमण के दौरान डीजे की धुनों पर नाचते हुए युवाओं द्वारा हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय, बम बम भोले के जयघोष लगाते हुए ग्राम के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर किरणेश्वर शिव मंदिर धाम में रैली का समापन किया गया। तत्पश्चात् बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारों के बीच प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न कर भंडारे का आयोजन कर महाप्रसादी वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों से उपस्थित होकर पुण्यलाभ लेने की अपील अध्यक्ष अशोक जांगड़े, उपाध्यक्ष संतोष सिल्हारे, सचिव राहुल सारंगपुरे, कोषाध्यक्ष बी आर राउत, संरक्षक गौरी राकेश उपवंशी, सदस्य अमित असाटी, रतनलाल गट्टानी, मंगल प्रसाद रैकवार, राजेन्द्र श्रीवास्तव, डी.डी.मेश्राम, डीकाराम खुश्यालराम बहेकार, संजू पांचे, गोपी अग्रवाल, सुमित रहेकवार, अजय मर्सकोले, लाला सोनी, राजेश सिल्हारे, बेनी अग्रवाल, अंकुश पचभैया, नरेन्द्र अग्रवाल, मोनू तारन, राजेन्द्र बर्वे, उमेश राकड़े, राकेश यादव, पराग मोदी, आशीष सोनी, डी.डी. मेश्राम, कंचन लिल्हारे, बलिराम बर्वे, नन्दु पांचे, दीपक माने, पवन अग्रवाल, नन्दु राखड़े, मेघवेन्द्र शुक्ला, खुमेश नेवारे, नरेन्द्र मेश्राम, आशिष मेश्राम, विजय मानदाता, विष्णु ट्रेडर्स, शिवचरण अग्रवाल, थानसिंह बोपचे, अरूण पाराशर, लखन यादव, सिम्पी ताजर, अतुल अर्जुनवार, अंकित सारडा, एम.आर. बागड़े, गणपत भैया, नितीन मिश्रा, रोजश किसान, गुल्लु पटेल, अखिलेश राणा, पप्पू नेवारे, सहकारी मर्या. संस्था के समस्त कर्मचारी एवं समस्त ग्रामवासीयो द्वारा की गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कमी से बढ़ रहा मजदूरों का पलायन

पंचायतो में मनरेगा बनी स्वप्न, पुराने भुगतान के लिए परेशान मजदूर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा के कार्य ग्रामीण स्तर पर रोजगार उपलब्ध नहीं होने से पलायन तेज हो गया है। रोजगार की तलाश में ग्रामीण क्षेत्र से लोग महानगरों की तरफ जा रहे हैं। जबकि भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के पलायन को रोकने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने के लिए मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना लागू की गई थी। परन्तु बीते ६ महीने से ग्राम पंचायतों में मनरेगा के काम नहीं है और नाही पुरानी मजदूरी एवं सामग्री का भुगतान किया गया है। यही कारण है कि पंचायत के पास मनरेगा का कार्य नही होने के कारण मजदूर विहीन गांव होने लगे हैं। वर्तमान में पलायन पहले से ज्यादा बड़ा है मजदूरों पर आर्थिक संकट बन रहा हैं। ऐसे में ग्राम सरपंचों सहित ग्रामीणों के द्वारा मनरेगा कहे या गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण योजना में काम देने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है।

हैदराबाद ,नागपुर सहित अन्य प्रदेशो में पलायन कर रहे ग्रामीण

भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के पलायन को रोकने स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा लागू की गई थी। जिसमें प्रत्येक मजदूरो को १०० दिवस के कार्य की गारंटी दी गई थी जिसमें मजदूरों को कार्य भी दिया गया और कोरोना काल में यह योजना लोगों का सहारा बनी। परंतु वर्तमान में यह योजना वारासिवनी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत में हासिये पर नजर आ रही है। जहां पर पूर्व में मनरेगा योजना अंतर्गत पक्के निर्माण कार्य करवाए गए थे । उसमें कई मजदूरों की मजदूरी तो वहीं निर्माण सामग्री का भी भुगतान आज तक नहीं हो पाया है। तो वहीं बीते ६ महीना से अधिक का समय हो गया है पंचायतों को मनरेगा के तहत कोई कार्य भी स्वीकृत नहीं किया गया है। वहीं बीते १ वर्ष में १०० दिनों की रोजगार गारंटी का भी वादा पूरा नहीं किया गया है। ऐसे ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर बहुत ज्यादा परेशान है तो वहीं पंचायत में मनरेगा मजदूरी नही होने पर दैनिक कार्य अवरुद्ध पड़े हुए हैं। इसी के साथ ग्रामीणों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर कार्य की उपलब्धता नही होने के कारण पलायन का चलन बढ़ गया है। बड़ी संख्या में लोग हैदराबाद, नागपुर ,रायपुर सहित अन्य महानगरों में रोजगार की तलाश में जा रहे हैं। हालांकि बीते दिनों भारत सरकार के द्वारा मनरेगा योजना का नाम परिवर्तित कर गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण कर १०० दिन के रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर १२५ दिन कर दिया गया। परंतु यह सब होने के बाद भी मजदूरों के हाथ में काम नहीं

है जो एक चिंता का विषय है। ऐसे में अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर परिवार महिला पुरुष बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग महानगर की तरफ पलायन कर रहे हैं यह स्थिति बीते कुछ समय से बढ़ गई है। ऐसे में ग्राम पंचायत सहित ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से मनरेगा अंतर्गत कार्य पंचायत में स्वीकृत देने और हर हाथ को रोजगार गारंटी के तहत रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

मजदूरो को नही मिल रहा मनरेगा में काम इसलिये पलायन कर रहे है-अरविंद बावने

मजदूर अरविंद बावने ने बताया कि हम सीमेंट रोड और नाली में मनरेगा का काम करे थे पर अभी तक हमारा मजदूरी भुगतान नहीं हो पाया है। उसके बाद कोई काम भी मनरेगा का नहीं आ रहा है यही कारण है कि हम लोग नागपुर बाहर कमाने जा रहे हैं। ५ माह करीब हो गया है हमारा भुगतान हमें नहीं मिला है इस बात को हमने सरपंच को भी कहा तो वह कहते हैं कि आ जाएगा। यह भुगतान सीधे हमारे खाते में आता है परंतु अभी दिक्कत की स्थिति हमारे लिए बन गई है। यह मेरा अकेले का भुगतान नहीं है मेरे जैसे अन्य मजदूर है उनका भी भुगतान रुका हुआ है।

ग्राम पंचायतों में मजदूरों को काम नही मिलने से आक्रोश है- सुभाष झाड़ेकर

सरपंच सुभाष झाडेकर ने बताया कि हमारे यहां बहुत दिक्कत हो रही है मनरेगा में काम नहीं हो रहा है पेमेंट भी नहीं आ रहा है और काम भी नहीं मिल रहा है। गांव में २०० करीब लोगों का पलायन हो चुका है वह कमाने के लिए बाहर जा रहे हैं। क्योंकि मनरेगा में काम नहीं है पलायन अभी रुका नहीं है लगातार लोग बाहर जा रहे हैं वह बहुत परेशान हैं। जनता का पलायन रुक नहीं रहा है हैदराबाद ,नागपुर यह सब लोग कमाने जा रहे हैं आर्थिक संकट सबके सामने है। पंचायत में अभी ६ माह से कोई नया काम नहीं आया है और ना ही भुगतान हुआ है हम तो यही चाहते हैं कि मजदूरों को काम मिले जल्द भुगतान हो और यह जो पलायन हो रहा है उसे रोका जाए। जिसके लिए रोजगार गारंटी बनाई गई थी योजना तो है पर रोजगार की गारंटी समझ नहीं आ रही।

सरकार ने १०० दिन के बदले १२५ दिन कर दिये फिर भी काम नही दे रहे है-सुनील राणा

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने बताया कि एक वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है हमारी पंचायत में मनरेगा योजना का काम नहीं है। मजदूरों को भी काम नहीं मिल रहा है मनरेगा में जो पूर्व के कार्य थे उसकी सामग्री एवं मजदूरी का भुगतान भी सरकार नहीं कर पाई है। आज देश में मनरेगा योजना लागू हुई इतने साल हो गए जिसे नई सरकार ने भी यथावत रखा। परंतु उसका अब नाम बदलकर जी राम जी योजना कर दिए १०० दिन को १२५ दिन रोजगार की गारंटी कर दिए। इसमें बीते एक वर्ष में भी किसी मजदूर को १०० दिन का रोजगार नहीं मिला है और ना ही काम करें कुछ मजदूरों का भुगतान हुआ है। मनरेगा में काम नहीं मिलने के कारण गांव मजदूरों से खाली हो रहे हैं लोग हैदराबाद ,नागपुर और अन्य महानगरों की तरफ पलायन कर रहे हैं। सरकार को इस पर ध्यान देकर व्यवस्था बनानी चाहिए हर पंचायत में मनरेगा के काम देना चाहिए ताकि ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहे और पलायन उन्हें ना करना पड़े।

कक्षा १० वीं के २११३ परीक्षार्थियों ने अंग्रेजी का प्रश्नपत्र किया हल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के निर्देशानुसार माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की कक्षा १०वीं की परीक्षा १३ फ रवरी से प्रारंभ हो गई। जिसमें सभी परीक्षार्थियों ने पहली बार १७ फरवरी को अंग्रेजी का पेपर हल किया। इस परीक्षा के लिये वारासिवनी

विकासखंड अंतर्गत १० परीक्षा केंद्र का निर्माण किया गया । जहां पर सुबह ९ से १२ बजे तक यह परीक्षा चली जिसमें समस्त १० परीक्षा केंद्रों में कुल दर्ज २१३२ परीक्षार्थियों में से २११३ परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर अंग्रेजी का पेपर हल किया वही १९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस कक्षा १०वीं की वार्षिक परीक्षा में सांदीपनी टिहलीबाई शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में कुल दर्ज ४०.३ में से ३९६ उपस्थित ७ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कुल दर्ज ३५० में ३५० परीक्षार्थी उपस्थित हुए। कैरियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ९० में से ८९ उपस्थित १ अनुपस्थित रहा। शासकीय हाई स्कूल विद्यालय डोंगरमाली में कुल दर्ज ८८ में ८८ परीक्षार्थी उपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय झालीवाडा में कुल दर्ज २३७ में से २३५ उपस्थित २ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय गर्रा रामपायली में कुल दर्ज १८१ परीक्षार्थियों में १८१ उपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय आलेझरी में १९१ में से १८९ परीक्षार्थी उपस्थित २ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय मेंढकी में कुल दर्ज १७३ में से १७१ उपस्थित २ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बुदबूदा में २२३ में से २२० उपस्थित ३ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय कन्या शाला रामपायली में १९६ परीक्षार्थियों में से १९४ परीक्षार्थी उपस्थित २ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार २१३२ कुल दर्ज परीक्षार्थियों में से २११३ परीक्षार्थी उपस्थित रहे १९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस दौरान शांतिपूर्वक समस्त परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सम्पन्न की गई जहां किसी प्रकार का नकल प्रकरण नहीं बना। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के द्वारा बनाये गये उड़न दस्ते ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक आंदोलन है-निरंजन बिसेन

कोस्ते में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर प्रांरभ

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कोस्ते में कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. डूलेश्वरी टेंभरे जिला संगठक की अध्यक्षता,योगेश टेकाम सरपंच, दीवानचंद चौधरी उपसरपंच,संतोष कुमार उइके प्रधान अध्यापक ,कमल सिंह वल्के सचिव के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा मॉं सरस्वती एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिक पुरूष स्वामी विवेकानंद के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कु. खुशी गौतम, तनु ठाकरे , अदिति ठाकरे के द्वारा गायन किये गये। मॉं सरस्वती की वंदना गायन के उपरांत अतिथियों का स्वागत पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ से किया गया। इसके पश्चात् स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक आंदोलन है। जिसके स्वंय सेवकों को तैयार करने में कार्यक्रम अधिकारी की मेहनत नेतृत्व और मार्गदर्शन होता है। वहीं पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि स्वंय सेवकों सेविकाओं से अपील की गई कि वे भाईचारा का दायित्व देते हुए समाज की सेवा कर देश को प्रगति पथ पर अग्रसर करें। इसके अतिरिकत जिला संगठक डॉ. डूलेश्वरी टेंभरे के द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मार्गदर्शन दिया गया। अपने उद्बोधन में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी उल्लेखित की गई। इनके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस परेड में सम्मिलित हुए स्वंय सेवक राहुल पटले एवं झामेश्वर डाहरे के द्वारा भी समारोह को उद्बोधित किया गया। समारोह का सफल मंच संचालन शिविर संचालक कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। समारोह को सफल बनाने में स्वंय सेवकों एवं सेविकाओं के अतिरिक्त ग्राम पंचायत के कर्मचारियों एवं ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। उल्लेखनीय है कि २३ फरवरी तक आयोजित इस विशेष शिविर में पशु मेला, योगाभ्यास, धर्म एवं अध्यात्म के प्रति आस्था सहित अनेक कार्यक्रम संपन्न होगें तथा शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जावेगा।

झाड़गांव में पुलिस के सामने हुई चाकूबाजी, दिनेश नगपुरे घायल

१५०० रूपये लेनदेन का मामला, घायल जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत झाडगांव के पंचायत भवन के सामने १७ फरवरी की रात करीब ८ बजे १५०० रूपये के लेनदेन के विवाद को लेकर चाकू बाजी की घटना हो गयी। यह घटना डायल ११२ की उपस्थिति में दोनों पक्षों को समझाइस देने के दौरान हुई। मामले में घायल दिनेश पिता चैनलाल नगपुरे उम्र ४१ वर्ष को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष पिता हिरसिंह उइके के द्वारा मोटरसाइकिल खरीदने की बात दिनेश नगपुरे को बताई गई थी। जिस पर दिनेश के द्वारा प्रदीप माहुले की मोटरसाइकिल का सौदा मनीष से करवाया गया था। जिसमें यह सौदा ९००० में हुआ था तो मनीष के द्वारा १५०० रूपये गाड़ी के दिए गए थे। इसके बाद प्रदीप माहुले के द्वारा गाड़ी वापस ला ली गई। इसके बाद मनीष और उसका भाई आशीष लगातार अपने १५०० रूपये मांग रहे थे। परंतु उन्हें टलाया जा रहा था जिस पर १७ फरवरी की शाम दोनों भाई पंचायत भवन के पास पहुंचे और दिनेश नगपुरे को रुपये लाने के लिए कहा। जो टालमटोल कर रहा था जहां विवाद की स्थिति को देखते हुए किसी व्यक्ति के द्वारा डायल ११२ को सूचना दी गई। जिस पर पुलिस आरक्षक के साथ डायल ११२ मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइस दे ही रही थे। तभी मनीष उइके के द्वारा अचानक दिनेश पिता चैनलाल नागपुरे उम्र ४१ वर्ष की कमर के ऊपर पीठ वाले भाग में धारदार हथियार चाकू से हमला कर दिया गया। जिसमें चाकू मारने के बाद मनीष मौके से फरार हो गया वहीं पुलिस के द्वारा उसके भाई आशीष उइके को धर लिया गया। यह घटना के बाद

डायल ११२ के द्वारा घटना की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देकर घायल को सिविल अस्पताल में लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा घायल की जांच कर तत्काल वारासिवनी प्रभारी थाना प्रभारी पवन यादव एवं नायब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया को घटना की सूचना दी गई। जिन्होंने अस्पताल में पहुंचकर घायल के बयान दर्ज किया वही डॉक्टर के द्वारा आवश्यक उपचार करने के उपरांत उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। ग्रामीण संजय नगपुरे ने बताया कि मनीष उइके के द्वारा मोटरसाइकिल खरीदी गई थी जो प्रदीप माहुले की थी। जिसे दिनेश नगपुरे के द्वारा दीखवाया गया था जिसमें १५०० रूपये मनीष उइके के द्वारा देकर कहा गया था कि हैदराबाद से वापस आकर बाकी रुपये देंगे। इस बीच गाड़ी वापस ला ली गई थी इसके बाद वह १५०० मांगने को आए हुए थे और विवाद हो रहा था। तभी डायल ११२ भी मौके पर आई थी पुलिस समझाइस दे रही थी तो दिनेश नगपुरे को चाकू मार दिए।

रेडियो किसान दिवस का धपेरा मोहगांव में किया आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। रेडियो किसान दिवस के अवसर पर ग्राम धपेरा मोहगांव में आकाशवाणी बालाघाट के द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ वैज्ञानिकों बैंक प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उद्देश्य रेडियो के माध्यम से कृषि संबंधी जानकारी का व्यापक प्रसार करना रहा । इस अवसर पर कार्यक्रम में जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिलहारे ,कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक एस आर धुवारे, रमेश अमूले ,रेशम बोर्ड के डॉक्टर बावसकर, एसडीएम संजीव कुमार सहित अन्य मौजूद रहे। रेडियो किसान दिवस २०२६ के इस कार्यक्रम के अवसर पर कुंवर विक्रम सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाशवाणी बालाघाट के हस्ते प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया गया। जिसमें रामपायली के कृषक चैन सिंह बैस को भी आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

थानेगाव में संगीतमय शिव महापुराण कथा सम्पन्न

८ दिवसीय आयोजन में विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव के चोपन नगरी गर्रा रोड़ पर १६ फरवरी को आठ दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण का समापन किया गया। यह शिव महापुराण कथा ९ फरवरी से १६ फ रवरी आयोजित की गई थी। जिसमें वृंदावन धाम से पधारे आचार्य सच्चिदानंद महाराज के द्वारा व्यास आसन पर विराजित होकर प्रतिदिन शाम ७ बजे से रात्री ११ बजे तक संगीतमय प्रवचन के माध्यम से शिव महापुराण की कथा सुनाई गई। इसमें ९ फरवरी को ग्राम में भव्य कलश शोभायात्रा निकालकर शिव महापुराण कथा का प्रारंभ किया गया। जिसमें शोभायात्रा के द्वारा ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण कर आयोजन स्थल पहुंची जहां कथा महात्म् का वाचन किया गया। जिसके बाद प्रतिदिन शिवलिंग महिमा श्री सोमनाथ कथा एवं महाकाल मल्लिकार्जुन कथा नारद चरित्र विश्वनाथ एवं ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिगं कथा सती चरित्र शिव पार्वती विवाह कार्तिक जन्म केदारनाथ भिमाशंकर ज्योतिर्लिगं कथा श्री गणेश जन्म त्रिपुरासुर कथा, जलंधर कथा, बैधनाथ कथा त्र्यंबकेश्वर कथा, ज्योतिर्लिगं कथा का संगीतमय प्रवचन के माध्यम से कथा सुनाई गई। जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थित होकर कथा का श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया जाता रहा। इस दौरान १६ फ रवरी को शिव महापुराण की कथा का विश्राम कर हवन पूजन और महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। इस आयोजन में समाजसेवी मनीष मिश्रा के द्वारा उपस्थित होकर कथा का श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित कर क्षेत्र की सुख शांति समृद्धि की कामना की गई। मनीष मिश्रा ने बताया कि शिव महापुराण श्रीमद् भागवत जैसे धार्मिक पुराण के आयोजन होने चाहिए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में धर्ममई वातावरण का निर्माण होता है। श्री मिश्रा ने बताया कि रिषी दुर्वासा के श्राप से देवता शक्ति विहीन हो गये थे सभी देवता भगवान विष्णु के पास पहुंचे तो उन्होने उपाय बताया कि समुद्र मंथन कर उत्पन्न होने वाले अमृत पीने से ही उनकी शक्ति वापस आ सकती है। पर्वत को मथनी और सांप को रस्सी बनाकर समुद्र मंथन

किया । और उससे उत्पन्न अमृत को पीकर देवताओं ने अपनी शक्ति वापस प्राप्त की परंतु विष को पीने कोई तैयार नही हुआ इस विष से सृष्टि का विनाश संभव था। तो सृष्टि बचाने भगवान शिव ने विष पान किया और सृष्टि की रक्षा की। लोगों को धर्म और सतमार्ग का रास्ता मिलता है यह जो आयोजन किया गया है वह सराहनीय है। इस आयोजन में सकल समाज समस्त ग्रामवासी चोपन नगरी थानेगांव का सराहनीय योगदान रहा।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

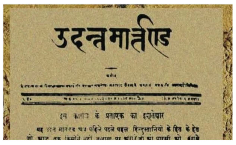

यह पहला अवसर है, जब वैश्विक दक्षिण का कोई देश एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत का संदेश साफ है कि वह एआई की दौड़ में सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय दावेदार बनना चाहता है।

एआई और भारत की भागीदारी

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत एआई इंपैक्ट सम्मेलन, जिसमें दुनिया भर के नेता, तकनीकी दिग्गज और नवोन्मेषक शामिल हुए हैं, ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक दौड़ में सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय दावेदार बनना चाहता है। इससे पहले यह आयोजन ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और पेरिस में हुआ है। इस लिहाज से देखें, तो यह पहला अवसर है, जब वैश्विक दक्षिण का कोई देश इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। दिल्ली सम्मेलन एआई इस मायने में भी अहम है कि यह पहली बार है, जब चर्चा का फोकस एआई के खतरों पर न होकर, इसके फायदों को सामान्य लोगों तक पहुंचाने पर है। पांच दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन एआई के क्षेत्र में सहयोग का एक साझा रोडमैप तैयार करने का उद्देश्य भी रखता है। जहां तक सवाल भारत का है, तो वह वैश्विक एआई परिदृश्य में एक भरोसेमंद ताकत बनना चाहता है। हालांकि, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल की ताजा रिपोर्ट में अमेरिका व चीन के बाद भारत तीसरे पायदान पर है, लेकिन फिलहाल वह शीर्ष दोनों देशों से काफी पीछे है। दरअसल, ये आंकड़ें पर आधारित संभावनाएं ही हैं, जिनकी वजह से आज दुनिया भारत से उम्मीदें लगा रही है। भारत में दस करोड़ साप्ताहिक सक्रिय एआई उपयोगकर्ता हैं और इस मामले में वह अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। यही वजह है कि तकनीकी दिग्गज कंपनियां भारत में निवेश को लेकर उत्साहित दिख रही हैं। अमेजन ने 2030 तक 35 अरब डॉलर से अधिक, माइक्रोसॉफ्ट ने चार वर्ष में 17.5 अरब डॉलर, तो गूगल ने 15 अरब डॉलर के निवेश की घोषणाएं की हैं। दरअसल, भारत की डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी संरचना और डिजिटल निजी डाटा संरक्षण अधिनियम के बाद नियामक स्थिरता ने निवेशकों को आश्वस्त किया है। यह देखते हुए कि तकरीबन 90 फीसदी एआई पेटेंट अमेरिका, यूरोप या चीन के होते हैं, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि एआई के लोकतंत्रीकरण के लिए भारत का आगे रहना जरूरी है। हालांकि यह भी सच है कि चैटजीपीटी और जेमिनी जैसे बुनियादी एआई मॉडल के निर्माण में फिलहाल भारत पिछड़ता दिख रहा है। इसके अतिरिक्त, शोध व विकास पर भारत अपने बजट का सिर्फ 0.65 फीसदी ही खर्च कर रहा है, जो चीन से काफी कम है। देश के डाटा सेंटर की क्षमता भी अभी वैश्विक मानकों से कम है। सैम ऑल्टमैन यह जरूर कह रहे हैं कि एआई भारत के और भारत एआई के भविष्य को निर्धारित करने के लिए अहम है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सम्मेलन के विमर्श सिर्फ घोषणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि ठोस नीतिगत बदलाव और क्रियान्वयन का मार्ग भी प्रशस्त हो।

जब आवंटन का बड़ा हिस्सा खर्च ही न हो

-पत्रलेखा चटर्जी(वरिष्ठ पत्रकार)

कई राज्यों में धन बांटने में नौकरशाही की देरी और विकेंद्रीकृत फैसले लेने की सीमित क्षमता की वजह से समय पर हस्तक्षेप करने में रुकावट आती है। कुशल श्रमिकों और बुनियादी ढांचों की कमी मिशन के लक्ष्यों को कमजोर करती है, जिससे सुधार की जरूरत पर बल पड़ता है।

केंद्रीय बजट 2026-27 पेश होने के करीब दो हफ्ते बाद, ज्यादातर लोग अपनी दिनचर्या में लौट आए हैं। दिल्ली, मुंबई और बंगलुरू जैसे शहरों में बजट पहले से ही पुरानी खबर जैसा लगता है। फिर भी इसके वित्तीय फैसलों का असर पूरे देश में लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। इसके पन्नों में लिखे विकल्प चुपचाप रोजमर्रा की असलियत को बदल रहे हैं-न सिर्फ दूर-दराज के आदिवासी इलाकों में, बल्कि शहरी झुग्गियों, निचले मध्यम वर्ग के मोहल्लों और देश भर में भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्कूलों और अस्पतालों में भी।

मिशन पोषण 2.0 कई राज्यों में हुई तरक्की की झलक दिखाता है। पोषण ट्रैकर बच्चों के विकास और कुपोषण की रियल टाइम निगरानी करता है, और डाटा के आधार पर बदलाव लाने में मदद करता है। फिर भी कमियां बनी हुई हैं। स्वीकृत कोष का कम इस्तेमाल होने का मतलब सिर्फ गरीब बच्चों को प्रोटीन की कमी वाला खाना देना ही नहीं है, बल्कि इसका मतलब है कि स्वास्थ्य क्लीनिक और बाल देखभाल केंद्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी वर्ष 2026-27 के बजट में, पूंजीगत खर्च को विकास का मुख्य इंजन माना गया है, जबकि राजस्व में धीमी वृद्धि हो रही है और ब्याज भुगतान कुल खर्च का लगभग एक-चौथाई और राजस्व प्राप्ति का 40 फीसदी हिस्सा ले रहा है। सामाजिक क्षेत्र का खर्च एक दशक से ज्यादा समय में जीडीपी के दूसरे सबसे निचले हिस्से पर आ गया है (मात्र 2.5 प्रतिशत), जो मोदी सरकार के 2014-15 के पहले बजट से भी कम है। जैसा कि अवनी कपूर और शरद पांडे जैसे विश्लेषकों ने पाया कि मामूली बढ़ोतरी अक्सर लंबे समय से कम इस्तेमाल को छिपा देती है, जिसमें खास मंत्रालय अक्सर आवंटन का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं कर पाते हैं। कोई भी बुनियादी ढांचों में निवेश के खिलाफ नहीं है। पर यह समझना जरूरी है कि अचानक आने वाले झटकों (आर्थिक मंदी, जलवायु से जुड़ी घटनाएं, स्वास्थ्य संकट) के दौर में स्वास्थ्य, शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में लगातार निवेश से मजबूती आती है और झटकों का असर कम होता है।

वाले पद खाली हैं। एक मार्च, 2025 के पोषण ट्रैकर डाटा के अनुसार, 13.99 लाख चालू आंगनवाड़ियों में से मात्र 12,47,334 केंद्रों में ही पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध है, और केवल 10,14,678 में शौचालय चालू हैं, जिससे लगभग 27.5 फीसदी केंद्र (3.85 लाख) में शौचालय काम नहीं करते। कई राज्यों में धन बांटने में नौकरशाही की देरी और विकेंद्रीकृत फैसले लेने की सीमित क्षमता की वजह से समय पर हस्तक्षेप करने में रुकावट आती है। कुशल श्रमिकों और बुनियादी ढांचों की कमी-जैसे कि ठीक से सुविधाएं नहीं मिलना, ठीक से काम न करने वाले शौचालय, और साफ पानी तक पहुंच न होना-मिशन के लक्ष्यों को

कमजोर करते हैं, जिससे सुधार की जरूरत पड़ती है।

जन स्वास्थ्य अभियान (जेएसए) के कार्यकर्ता अमूल्य निधि एक कड़वी सच्चाई बताते हैं: %जो राशि मंजूर होती है और जो खर्च हो रही है, उसमें बहुत फर्क है।% वह कहते हैं कि खराब पोषण से कुपोषण और टीबी जैसी बीमारियां बढ़ती हैं। जेएसए के एक बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग व स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा स्वीकृत प्रावधानों के इस्तेमाल पर ऑडिट की टिप्पणियों से पता चलता है कि कोई भी वित्त वर्ष ऐसा नहीं रहा, जिसमें पूरी राशि खर्च हुई हो। इस तरह लगातार कम खर्च सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को कमजोर करता है। वित्त वर्ष 2019-20 वित्त वर्ष 2023-24 तक के पांच साल में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 1,32,749 करोड़ रुपये लौटा दिए। वर्ष 2026-27 के बजट में स्वास्थ्य आवंटन में बढ़ोतरी का अनुमान है, जो नई प्रतिबद्धता का संकेत देता है। फिर भी, जीडीपी के हिस्से के तौर पर स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च लगभग 0.29 फीसदी (2024-25 और 2025-26) से 0.31 फीसदी (2023-24) पर स्थिर है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के 2.5 फीसदी के से लक्ष्य से बहुत कम है। इसने देश के बड़े हिस्सों में सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचों, मानव संसाधन और जरूरी सेवाओं को खत्म कर दिया है।

अब विकास के दूसरे स्तंभ शिक्षा की बात करते हैं। ताजा आर्थिक सर्वे में साक्षरता दर में बढ़ोतरी, स्कूलों एवं उच्च शिक्षा में नामांकन में वृद्धि और व्यावसायिक मौके देने जैसी उपलब्धियों का जिक्र है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) ने अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाई है और समता एवं नवाचार को बढ़ावा दिया है। इसमें इस बात पर बल दिया गया है कि स्कूली शिक्षा को मजबूत करना भारत के भविष्य की खुशहाली, उत्पादकता और नेतृत्व में निवेश है। भारत को एक मजबूत जनसांख्यिकी का लाभ मिला हुआ है- वर्ष 2024 में, लगभग 27 फीसदी आबादी स्कूल जाने वाले आयु वर्ग (3-18 वर्ष) में, और 2047 तक यह समूह 20 फीसदी से भी अधिक होगा। पर इसके बावजूद, भारत का शिक्षा सूचकांक (संयुक्त राष्ट्र के मानव विकास सूचकांक का हिस्सा) मामूली बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण दुनिया भर के देशों की तुलना में भारत में कम समय तक स्कूली पढ़ाई होती है। हालांकि, शुरुआती स्तर पर नामांकन में सुधार हुआ है, लेकिन सेकेंडरी एज-स्पेसिफिक नेट एनरोलमेंट रेट (एनईआर) 52.2 फीसदी पर बना हुआ है, जो कम है और आठवीं के बाद छात्रों को बनाए रखने की जरूरत को दर्शाता है। एक मुख्य मुद्दा स्कूलों का असमान वितरण है: 54 फीसदी स्कूल सिर्फ आधारभूत-प्रारंभिक शिक्षा देते हैं, जबकि सिर्फ 17.1 फीसदी ग्रामीण इलाकों में माध्यमिक शिक्षा देते हैं (शहरी इलाकों में 38.1 फीसदी की तुलना में)। यह असमानता ग्रामीण छात्रों की उच्च-स्तरीय कक्षाओं तक पहुंच को सीमित करती है, जिसके कारण, संक्रमण हानि, यात्रा समय में वृद्धि, और उच्चतर स्कूल छोड़ने की दर बढ़ती है।

भारत ने अपनी मातृत्व मृत्यु दर (एमएमआर) को 86 फीसदी तक कम किया है, जो दुनिया के औसत 48 फीसदी से कहीं अधिक है। इसी तरह, इसने पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में 78 फीसदी की कमी हासिल की, जो दुनिया के औसत 61 फीसदी से अधिक है, और नवजात मृत्यु दर में 70 फीसदी की कमी आई है, जबकि 1990-2023 के दौरान दुनिया भर में यह 54 फीसदी थी, जैसा कि इकनॉमिक सर्वे में बताया गया है।

लेकिन मां और बच्चे की सेहत में इन फायदों को मजबूत करना, साथ ही बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों की देखभाल के लिए कोशिशें बढ़ाना, जनसांख्यिकीय वास्तविकता से मेल खाने के लिए बहुत जरूरी होगा। दिल की बीमारियों का अधिक होना, लैंगिक जोखिम और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच पर ध्यान देते हुए, लक्षित रोकथाम व प्रबंधन की जरूरत को भी दर्शाता है।

जन्मदिन पर विशेष

राजनीति में कम बोलकर ज्यादा असर छोड़ने वाला नाम

प्रफुल्ल पटेल

सत्ता, संगठन और साइलेंट पॉवर के राजनेता प्रफुल्ल पटेल भारतीय राजनीति के उन नेताओं में गिने जाते हैं, जो मंच से ज्यादा सिस्टम के भीतर काम करने के लिए जाने जाते हैं। नाटकीय भाषणों से दूर, संयमित शैली और रणनीतिक चुप्पी के साथ सत्ता के गलियारों में अपनी पकड़ बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी पहचान रही है। केंद्र से लेकर महाराष्ट्र की सियासत तक, वे सत्ता के आसपास हमेशा मौजूद रहे।

पारिवारिक पृष्ठभूमिः राजनीति की विरासत

प्रफुल्ल पटेल का जन्म 17 फरवरी 1957 को महाराष्ट्र के गोंदिया क्षेत्र से जुड़े एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता खुशालभाऊ पटेल महाराष्ट्र की राजनीति के प्रभावशाली नेता रहे और कई बार सांसद चुने गए। महुआ पिता की राजनीतिक विरासत ने प्रफुल्ल पटेल को बहुत जल्दी यह समझा दिया कि राजनीति सिर्फ जनसभा नहीं, बल्कि संतुलन, संवाद और संगठन का खेल है।

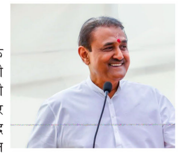

राज्यसभा और राष्ट्रीय राजनीति

लोकसभा चुनाव लड़ने के बजाय राज्यसभा के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहना भी उनकी रणनीतिक पसंद रही। इससे उन्हें मीडिया की चकाचौंध से दूर रहते हुए नीति और संगठन पर फोकस करने का अवसर मिला। राज्यसभा सांसद के तौर पर उन्होंने संसद के भीतर सक्रिय लेकिन संयमित भूमिका निभाई। वे बहस में कम दिखाई देते थे, लेकिन नीति निर्माण और गठबंधन प्रबंधन में उनकी मौजूदगी हमेशा महसूस की गई।

केंद्र की राजनीति और मंत्री पद

2004 में यूपीए सरकार के गठन के बाद प्रफुल्ल पटेल को नागरिक उड्डयन मंत्री बनाया गया। यह वह दौर था जब भारतीय एविएशन सेक्टर बड़े बदलावों से गुजर रहा था। एयरलाइन सेक्टर में निजी कंपनियों की भूमिका बढ़ना, छोटे शहरों को हवाई नक्शे से जोड़ने की कोशिश और एयरपोर्ट आधुनिकीकरण की शुरुआत उनके कार्यकाल की प्रमुख विशेषताएं रहीं। एयर इंडिया के विलय, घाटे और विमान खरीद जैसे फैसलों पर उनकी आलोचना हुई। समर्थकों का तर्क था कि वे वैश्विक मानकों के अनुरूप सिस्टम बनाना चाहते थे।

व्यक्तित्व और कार्यशैली

प्रफुल्ल पटेल का व्यक्तित्व सादा लेकिन प्रभावी माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषक उन्हें लो-प्रोफाइल, हाई-इन्फ्लुएंस नेता कहते हैं। कम बोलना, फाइल वर्क में पकड़, ब्यूरोक्रेसी व कॉरपोरेट जगत से संवाद और संकट के समय बैकडोर डिप्लोमेसी उनकी पहचान हैं।

शुरुआती राजनीतिः तेजी से उभरता चेहरा

प्रफुल्ल पटेल ने अपेक्षाकृत कम उम्र में राजनीति में प्रवेश किया और जल्दी ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गए। शरद पवार के करीबी माने जाने वाले पटेल ने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनको शरद पवार का साइलेंट ट्रबलशूटर कहा जाता है। कई बार जब महाराष्ट्र या दिल्ली की राजनीति में गठबंधन टूटने के कगार पर होता था, तब मीडिया को भनक लगने से पहले प्रफुल्ल पटेल बैकडोर मीटिंग कर चुके होते थे। वे न तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करते, न बयानबाजी, लेकिन जब समाधान निकलता, तो अंदरूनी हलकों में कहा जाता- पटेल ने बात संभाल ली।

मुद्दा

पर्यटन के साथ कचरा निष्पादन भी जरूरी हो!!

हिमालयी राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देना अच्छी बात है, पर पर्यटकों द्वारा फैलाए कचरे के निष्पादन पर भी बल दिया जाना चाहिए।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य बना, तो उस समय गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एसपी सिंह जलवायु परिवर्तन के अनुसार शीतकालीन पर्यटन पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। तब तक हिमालय की चोटियों पर बर्फ भी खूब दिखाई देती थी। अब तेजी से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। अप्रैल से ही भारी बारिश की शुरुआत हो रही है, जो अक्तूबर तक भीषण तबाही की स्थिति पैदा कर देती है। ऐसे में, पर्यटन व्यवसाय पर खतरा बढ़ जाता है, जिसके लिए शीतकालीन पर्यटन पर जोर दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत वर्ष छह मार्च, 2025 को हर्षिल में एक ट्रैक और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाते हुए शीतकालीन पर्यटन के लिए 'घाम तापो' (धूप सेंको) पर्यटन का आह्वान किया है। 2025 के अंत तक का आंकड़ा है कि उत्तराखंड में छह करोड़ तीन लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे हैं, जिनमें 1.92 लाख विदेशी सैलानी थे। टिहरी

झील को देखने वालों की संख्या भी पांच लाख तक बढ़ गई है। यही आकर्षण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल की खूबसूरत वादियों में पहले से मौजूद है। %घाम तापो% पर्यटन के संदेश का महत्व इसलिए भी ज्यादा है कि ऊंचाई के क्षेत्रों में बर्फ लगभग कम हो रही है। शीतकाल की कंपकंपाती ठंड के दौरान जिन पहाड़ों पर बर्फ चमकती थी, वे अब धूप में काले दिखाई दे रहे हैं और पर्यटकों को निश्चित ही घाम सेंकने का मौका मिल गया है।

जलवायु संकट में यह सबसे चिंताजनक स्थिति है कि मैदानी क्षेत्रों के लोग ठंडी हवा, शुद्ध पर्यावरण की उम्मीद में हिमालय की ओर रुख कर रहे हैं। यह देखते हुए उत्तराखंड में 5,700-7,756 मीटर तक की ऊंची से ऊंची विश्व प्रसिद्ध 83 अन्य चोटियों तक भी पर्यटकों को पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। इसमें मुख्य रूप से कामेट, नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, नीलकंठ, पंचाचूली जैसे ऊंचे पर्वत शामिल हैं। अकेले उत्तराखंड को लगभग चौबीस हजार करोड़ रुपये तक का राजस्व मिल रहा है, जिसका यहां की जीडीपी में 23 प्रतिशत योगदान है। भारतीय पर्वतारोहियों के लिए शुल्क लगभग खत्म कर दिया गया है। विदेशी पर्यटकों को भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना पड़ता है। राज्य में लगभग पांच हजार होमस्टे हैं, जिसके लिए 20 लाख रुपये तक का मुद्रा लोन भी दिया जाता है और इसी वजह से हर रोज नए-नए होमस्टे का निर्माण हो रहा है।

देश को भी पर्यटन व्यवसाय से 15.73 लाख करोड़ रुपये की आय हो रही है, जो जीडीपी का 5.22 प्रतिशत है, जिसे 2030 तक सात प्रतिशत तक पहुंचाने का प्रयास है। केंद्र सरकार ने 2026-27 के बजट में उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर में %पर्यावरण अनुकूल माउंटेन ट्रेल्स% विकसित करने की घोषणा की है, जिसका सही रोडमैप आना शेष है। हालांकि, पर्यटन व्यवसाय में सुधार की भी बहुत आवश्यकता है। आंकड़े बताते हैं कि हिमालय के 11 राज्यों के शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन 6,346 मीट्रिक टन ठोस कचरा जमा हो रहा है, जिससे गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियां प्रदूषित हो रही हैं। नतीजतन, 1.9 अरब लोगों के पीने के पानी पर संकट खड़ा हो गया है। जम्मू-कश्मीर में सर्वाधिक 1,992 मीट्रिक टन और उत्तराखंड में 1,528 मीट्रिक टन कचरा पैदा होता है, जिसकी बड़ी वजह पर्यटन है। हिमालय क्षेत्र में जमा हो रहे कुल कचरे में से 75 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा है, जिसमें से 85 प्रतिशत इकट्ठा ही नहीं हो पाता है। यहां प्लास्टिक कचरे को हटाने की कोई व्यवस्था नहीं होने से नदियों और ग्लेशियरों के आसपास प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। यही नहीं, तीस हजार से अधिक वन प्रजातियों के अस्तित्व के लिए भी यह खतरा बन गया है।

-सुरेश भाई

दूसरा पहलू

देश के सैकड़ों सपूत फटे-पुराने तिरंगे को सहेजकर उसे जिम्मेदार अफसरों को सौंपते हैं, ताकि उनका ससम्मान निस्तारण हो सके।

खंडित झंडे सहेजकर बढ़ा रहे तिरंगे की शान

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर फहराए गए हजारों तिरंगे तेज हवा या बारिश में खराब होने के बाद कहां गए? यह जगह-जगह नहीं दिख रहे, तो इसका कारण यह है कि देश के सैकड़ों सपूत फटे-पुराने राष्ट्रध्वज को सहेजकर उसे किसी की नजर में नहीं आने दे रहे। वे खंडित झंडे जिम्मेदार अफसरों को सौंपते हैं, ताकि उनका शहीद के मानिंद ससम्मान निस्तारण संभव हो सके। %तिरंगा सम्मान संकल्प% और %मेरा झंडा-मेरी शान% ऐसे ही दो अभियान हैं। सोनीपत के सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम गौतम ने तिरंगे के सम्मान का संकल्प 15 जून, 2021 को एक ऑटो रिक्शे में खंडित तिरंगा देखकर लिया। उन्होंने ऐसे कई झंडे इकट्ठा किए। उन्हें तह (फोल्ड) करना यूट्यूब से सीखा। %तिरंगा सम्मान संकल्प% से जुड़े दिल्ली-हरियाणा के 250 से अधिक देशभक्त अब तक 11,000 पुराने झंडे सोनीपत नगर निगम को सौंप चुके हैं। इनमें से 8,000 झंडों का दो माह पूर्व ससम्मान निस्तारण भी कराया गया। रैलियों और सामाजिक आयोजनों में राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल से क्षुब्ध प्रेम गौतम कहते हैं कि कार्यक्रम होने तक तो खूब झंडे लहराते हैं, फिर जहां-तहां डाल दिए जाते हैं। 90 फीसदी लोगों को पता भी नहीं है कि इन्हें कहां रखें या किसे दें। विडंबना ही है कि जिले में तैनात नोडल अधिकारी भी झंडे के सम्मानपूर्वक निस्तारण के बारे में कभी कुछ नहीं बताते। चार साल से %मेरा झंडा-मेरी शान% अभियान चला रहे रोहतक के सामाजिक कार्यकर्ता सुंदर जेटली बताते हैं कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रधानमंत्री के आह्वान पर लोगों ने घर-घर तिरंगा फहराया। खाली भवनों, पेड़ों या खंभों में बांधे गए झंडे बारिश और तेज हवाओं से क्षतिग्रस्त हो गए। इनकी किसी ने चिंता नहीं की। कई झंडे झाड़ियों, खाली प्लॉट और टॉयलेट के पास मिले। साथियों संग गली-गली अभियान चलाया। टीम अभी तक 7,100 झंडे रोहतक नगर निगम को सौंप चुकी है। वह बताते हैं कि हम जीर्ण-शीर्ण झंडों की फोटो भी नहीं खींचते, ताकि अपमानजनक हाल में मिले प्यारे तिरंगे पर किसी की नजर न पड़े। यों आम लोगों के लिए झंडा फहराना कभी आम न था, लेकिन 26 जनवरी, 2002 को भारतीय ध्वज संहिता लागू होने के बाद कोई भी चौबीसों घंटे तिरंगा फहरा सकता है। शर्त बस एक है कि ध्वज पर कोई अक्षर, नारा या लोगो न हो। इसकी शान में गुस्ताखी पर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत तीन साल की सजा, जुर्माना या दोनों संभव है। यह सख्ती बेहद जरूरी भी है, क्योंकि राष्ट्रध्वज के गौरव में ही हर हिंदुस्तानी की बुलंदी संरक्षित है। 'तिरंगा सम्मान संकल्प' से जुड़े 250 से अधिक देशभक्त अब तक 11,000 पुराने झंडे सोनीपत नगर निगम को सौंप चुके हैं। आम लोगों के लिए झंडा फहराना कभी आम न था, पर 26 जनवरी, 2002 को भारतीय ध्वज संहिता लागू होने के बाद कोई भी चौबीसों घंटे तिरंगा फहरा सकता है। बशर्ते ध्वज पर कोई अक्षर, नारा या लोगो न हो।

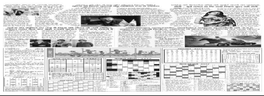

यूपीआई से लेन-देन में बढ़त. फिर भी तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन

मुंबई। एजेंसी। देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि बीते साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक,देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, देश का कैश-टू-जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है। सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है। वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों की परिसंपत्ति वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025 तक जीडीपी के 77 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गई, जो वित्तीय सुदृढ़ीकरण में सुधार को दर्शाती है।

भारत का कुल निर्यात 860 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 860 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसमें सेवा निर्यात 410 अरब डॉलर के स्तर पर रहने का अनुमान है। अप्रैल-जनवरी 2025-26 में कुल निर्यात 720.76 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष के समान अवधि के 679.02 अरब डॉलर की तुलना में 6.15 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2026 में वस्तु निर्यात 36.56 अरब डॉलर रहा, जो साल-दर-साल 0.6 प्रतिशत बढ़ा। प्रमुख बढ़त देने वाले उत्पादों में इंजीनियरिंग उत्पाद (10.40 अरब डॉलर, प्लस 10.37 फीसदी), पेट्रोलियम उत्पाद (3.77 अरब डॉलर, प्लस 8.55 फीसदी), मीट, डेयरी और पोल्ट्री (0.61 अरब डॉलर, प्लस 17.92 फीसदी), समुद्री उत्पाद (0.61 अरब डॉलर, प्लस 13.29 फीसदी) और लोहा एवं लौह अयस्क (0.21 अरब डॉलर, प्लस 31.54 फीसदी) शामिल हैं। अप्रैल-जनवरी 2025-26 में कुल आयात 823.41 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। जनवरी में आयात में तेज़ी मुख्य रूप से सोना और चांदी की कीमतों बढ़ने से हुई। इसी दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 102.65 अरब डॉलर हो गया। जनवरी में अमेरिका को वाणिज्यिक निर्यात 6.58 अरब डॉलर तक पहुंचा, मासिक आधार पर 4.5 फीसदी की गिरावट के साथ। 7 फरवरी से अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क घटा दिया।

एनएचएआई ने दो राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए 6,220 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में फैले 310.35 किलोमीटर लंबी दो राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट (एनएचआईटी)के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसमें महाराष्ट्र में एनएच-53 का 255.97 किमी अमरावती-चिखली-तार्सोद खंड और आंध्र प्रदेश में एनएच-16 का 54.38 किमी गुंडुगोलानु-चिन्ना-अवुतापल्ली खंड शामिल हैं। प्रस्ताव की स्वीकृत राशि 6,220.90 करोड़ रुपये। 'प्राधिकरण के चेयरमैन ने कहा ?कि देश भर में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के आगे विकास के लिए वित्तीय पूंजी जुटाने में आईएनवीआईटी (अवसंरचना निवेश ट्रस्ट) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस ठेके के साथ एनएचआईटी के माध्यम से मुद्रीकृत कुल परिसंपत्तियां 49,858 करोड़ रुपये होंगी। ष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित एक निवेश (आईएनवीआईटी) राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट ने अब तक सीपीपीआईबी, ओटीपीपी, ईपीएफओ, एनएचएआई और एसबीआई समूह जैसे प्रमुख निवेशकों से चार दौर में पूंजी जुटाई हैं। 700 से अधिक निवेशकों के साथ, एनएचआईटी की इकाइयों का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 28,000 करोड़ रुपये है। एनएचआईटी की इकाइयां एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा मौजूदा परिसंपत्तियों के मूल्य को बढ़ाने और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने के प्रयासों में परिसंपत्ति मुद्रीकरण एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उभरा है। टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर (टीओटी) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनवीआईटी) जैसे मॉडलों का लाभ उठाकर, एनएचएआई ने सफलतापूर्वक धन जुटाया है। इस राशि को नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पुनर्निवेश किया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मुद्रीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग परिसंपत्तियों की कुल राशि लगभग 28,077 करोड़ रुपये है।राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की गुणवत्ता एवं दीर्घावधि में वृद्धि के लिए यह दृष्टिकोण न केवल वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है बल्कि निजी क्षेत्र की कार्यकुशलता तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों को भी शामिल करता है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इस कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 173.81 अंक बढ़कर 83,450.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 42.65 अंक उछलकर 25,725.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ही लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224.90 अंक बढ़कर 59,881.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95.80 अंक उछलकर 17,146.70 पर बंद हुआ। आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में आये उछाल से बाहर ऊपर आया है। वहीं एफएमसीजी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, फार्मा,

पीएसई, हेल्थकेयर, इन्फ्रा लाभ में रहे । दूसरी ओर कमोडिटीज, रियल्टी, ऑयलएंडगैस और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एलएंडटी, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाइटन, एचसीएल टेक, सन फार्मा, इंडिगो, एसबीआई, टीसीएस, पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे। टाटा स्टील, ट्रेंट, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक के शेयर गिरावट पर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में मुनाफावसूली के चलते बाजार नीचे आया। सेंसेक्स 83,197 अंक कीगिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 165.35 अंक की गिरावट के साथ 83,111.80 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 25,637 पर खुला और कुछ ही मिनटों में 25,600 के नीचे फिसल गया। बाजार सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ। मंगलवार को एशियाई शेयरों में मामूली बढ़त हुई।

भारत में जनवरी में बेरोजगारी दर पांच फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में जनवरी, 2026 में बेरोजगारी दर बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई, जबकि दिसंबर, 2025 में यह 4.8 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बताया कि यह वृद्धि मुख्यत: ग्रामीण क्षेत्रों में फसल कटाई के बाद आई मौसमी सुस्ती और कुछ श्रमिकों द्वारा अस्थायी रूप से काम की तलाश न करने के कारण हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर दिसंबर के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में यह 6.7 प्रतिशत से बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई। एनएसओ ने कहा कि शहरी श्रम बाजार की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही। पुरुषों में बेरोजगारी दर लगभग स्थिर रही, जबकि महिलाओं में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। एनएसओ ने इसे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव बताया, न कि श्रम बाजार की संरचनात्मक कमजोरी। जनवरी में कुल एलएफपीआर 55.9 प्रतिशत रही, ग्रामीण में 58.7 प्रतिशत और शहरी में 50.3 प्रतिशत। महिला एफएफपीआर जनवरी में 35.1 प्रतिशत रही, ग्रामीण में 39.7 फीसदी और शहरी में 25.5 फीसदी रही। कुल डब्ल्यूपीआर जनवरी में स्थिर रही। ग्रामीण क्षेत्र में यह 56.2 प्रतिशत, शहरी में 46.8 प्रतिशत। पुरुष और महिला डब्ल्यूपीआर में ग्रामीण क्षेत्रों में मामूली गिरावट, शहरी क्षेत्रों में स्थिरता रही। एनएसओ ने बताया कि यह आंकड़ा 3,73,158 व्यक्तियों से संकलित किया गया है। जनवरी, 2025 से पीएलएफएस की पद्धति में संशोधन के बाद अब मासिक और तिमाही अनुमान जारी किए जाते हैं।

भारत में बिजली क्षेत्र में एआई से स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को मिलेगा बढ़ावा- आईईए विशेषज्ञ

नई दिल्ली। एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए)के ऊर्जा विशेषज्ञ सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि भारत में बिजली प्रणालियों की जटिलताएँ तेजी से बढ़ रही हैं। उनका कहना था कि बिजलीकरण बढ़ने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर और पवन—की हिस्सेदारी बढ़ी है। इससे बिजली प्रणाली में अस्थिरता और उतार-चढ़ाव बढ़ गए हैं, क्योंकि पहले ज्यादातर बिजली स्रोत स्थिर थे। सिंह ने बताया कि इन जटिलताओं को संभालने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) अहम हो सकती है। एआई बिजली उत्पादन और खपत का वास्तविक समय में विश्लेषण कर सकता है, जिससे नेटवर्क अधिक स्वचालित और स्थिर बन सके। विशेष रूप से, बैटरी और ऊर्जा भंडारण का प्रबंधन एआई द्वारा बेहतर तरीके से किया जा सकता है, ताकि सौर और पवन ऊर्जा के उतार-चढ़ाव को संतुलित किया जा सके। भारत में परिवर्तनीय बिजली उत्पादन का सटीक पूर्वानुमान बेहद जरूरी है। सौर और पवन ऊर्जा के लिए हर मिनट मौसम और बादलों की स्थिति पर निगरानी आवश्यक है। एआई सिस्टम इन डेटा को प्रोसेस करके उत्पादन और मांग का संतुलन बनाए रख सकते हैं। सिंह ने बताया कि अब दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य हैं, जो पहले नहीं थे। इसके लिए सिस्टम को अधिक स्वचालित बनाने की जरूरत है। नए बाजार मॉडल और स्मार्ट ग्रिड में एआई तेजी से निर्णय लेने में मदद करेगा।

मेष- आज का दिन प्यार करने वालों के लिए बेहतर रहने वाला है, उन्हें अपने प्यार को इजहार करने का एक अच्छा मौका मिलेगा और उनके लिए वह कुछ गिफ्ट भी लेकर आ सकते हैं। आप अपने कामों पर भी फोकस बनाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इस चक्कर में आपका ध्यान काम से हट सकता है, जिससे आपसे कोई गड़बड़ी होने की संभावना है। आपके परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भी आपको थोड़ा ध्यान देना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप किसी काम को पूरे साहस से करेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों की छवि निखरेगी और उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा। आप अपने लिए कुछ नए कपड़े और परफ्यूम आदि की भी खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण परिवार के सदस्यों से बेवजह के क्रोध करेंगे, जिसके कारण वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपकी लिए कशमकश भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगेंगे, जिससे आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। पद- प्रतिष्ठा का भाव भी आपके मन में बना रहेगा। आपको अपनी माताजी से भी यदि किसी काम को सलाह को लेकर सलाह लेनी पड़े, तो समझदारी दिखाएं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही दिखाएंगे, तो बाद में वह उनके लिए कोई नई समस्या खड़ी कर सकते हैं। धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी ठिकाना नहीं रहेगा। आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो उसके भी पूरे होने की संभावना है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग करेंगे और जीवनसाथी को शॉपिंग आदि भी करा सकते हैं। आज आप रोमांटिक मूड में लगे रहेंगे और अच्छे खानपान का आनंद लेंगे, लेकिन आपको धन संबंधित समस्याओं पर भी खास ध्यान देना होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा बढ़ सकता है। किसी काम को लेकर आप दूसरों पर डिपेंड ना रहे हैं, क्योंकि आपका वह काम समय से पूरा नहीं होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में कमजोर रहने वाला है। आपकी सेहत कमजोर रहने से आपका मन काम करने में थोड़ा कम लगेगा, लेकिन आपको परिवार के सदस्यों का प्रेम और स्नेह बना रहेगा। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। आपकी किसी बात से माताजी आपसे नाराज हो सकते हैं। यदि ऐसा हो, तो आपको उन्हें मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आज आपको किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा और आपको कुछ अपने विरोधियों को भी धूल चटाने की कोशिश में लगे रहेंगे, क्योंकि आप चतुर बुद्धि का प्रयोग करके आप किसी भी मामले मे आसानी से बाहर निकल जाएंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी और आपकी दोस्ती और गहरी होगी। यदि आपको किसी काम को पूरा करने में समस्या आ रही थी, तो उसमें आपके भाई आपकी पूरी मदद करेंगे। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको काम को लेकर मेहनत अधिक रहेगी, लेकिन फिर भी आप उनसे घबराएंगे नहीं और यदि आपने कोई लोन अप्लाई किया था, तो उसके मिलने में भी आपको आसानी होगी। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे।

मकर- आज आपकी आय तो सीमित होगी, लेकिन खर्चों की अधिकता हो सकती है, जिसके लिए आपको अपने बेफिजूल के खर्चों को कंट्रोल करके चलना होगा। किसी शारीरिक समस्या को आप नजरअंदाज ना करें, नहीं तो बाद में वह आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती है। आपकी किसी काम को लेकर लापरवाही अधिक रहेगी।

कुंभ- आज के दिन आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपको अपने किसी काम को कल पर टालने से बचना होगा, नहीं तो इससे आपका बाद में कोई भारी नुकसान हो सकता है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहेगा, क्योंकि आपके ऊपर जिम्मेदारी अधिक रहेगी। संतान के मनमाने व्यवहार को लेकर आप परेशान रहेंगे, जिसके लिए आप उनके गुरुजनों से भी बातचीत कर सकते हैं। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, नहीं तो कोई दुर्घटना होती दिख रही

शब्दजाल - 8174

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'करण' लगा हो.शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

नागरीकरण, श्रेणीकरण, प्रकरण, अभिकरण, शमीकरण, वाष्पीकरण, अधिकरण, अनुकरण, शहरीकरण, विद्युतीकरण

शब्दजाल - 8173 का हल

म	अ	मु	क्रि	मी	न	ल	ज	ग	ल	व
रा	वि	ली	प्रे	क	व्या	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	न	बा	दी	छ	मि	आ	ब	सौ	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	से	ल	ल	दा	क
डि	आ	यु	ल	य	चा	न	क्रो	न	ग	च
या	ल	ग	र	रा	ल	ली	ती	ण	र	र
द	सिं	पु	ग	ट्रे	न	गा	स	बा	व	दु
क	ह	रु	ई	द	ब	क	र	चो	श	हिं
रा	म	ष	ला	रा	म	स	या	औ	र	दु
बो	गॉ	ल	प	लि	खा	मो	शी	म	प	स्ता
बे	ड	क	र्क	या	क	र्त	य	दु	श्म	नी

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	कुंभ	06.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मीन	07.50 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.21 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.01 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	12.59 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.13 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	19.41 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	21.51 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.06 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	02.22 बजे से
बजे तक		मकर	04.27 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 49 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 16.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 21.16 बजे को समाप्त।
योग शिव 22.45 बजे को समाप्त।
करण बव 16.58 बजे तदनन्तर बालव 04.32 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 0.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872624
जूलियन दिन 2461089.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान
तारीख 29
विशेष चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7118

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7117

उ	म्मी	द	■	छ	लि	या	■	मे	ला
त्स	■	डॉ	न	■	बा	रा	द	री	■
व	च	न	■	वा	स	ना	■	जं	ग
■	र	■	सौ	दा	■	■	आ	ग	■
आ	स	रा	■	■	पा	की	जा	■	ग
रा	■	जा	नू	■	ल	■	द	रा	र
ध	र्मा	■	त	र	की	ब	■	■	म
ना	■	जी	न	त	■	ना	च	■	म
■	■	ने	■	न	ज	र	■	प्या	सा
खा	न	दो	स्त	■	■	स	नी	■	ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दुख के साथ

एक व्यक्ति हर समय परेशान रहता था। उसे लगता था कि वह दुनिया का सबसे दुखी इंसान है। बाकी सारे लोग सुखी है , एक अकेला वही दुखी है। एक दिन उसने परमात्मा से प्रार्थना की, ' मेरे सिवा सभी खुश नजर आते हैं। यह तो नहीं कहता कि तू मुझे दुख मत दे, पर इतना तो मत दे कि सह ही न सकूं। एक कृपा कर, तू मुझे किसी और का दुख दे दे। मेरा दुख किसी और को दे दे। ' रात में उसने एक स्वप्न देखा। देखा कि एक बहुत बड़े कमरे में हर जगह खूटियां ही खूटियां लगी हैं। उस कमरे में जो भी आता है उसकी पीठ पर दुखों की गठरी बंधी है। सभी आकर अपनी गठरी वहां किसी खूंटी पर टांग देते हैं ओर बैठ जाते हैं। उसे कमरे में जो भी दिखा वह उसका परिचित था। थोड़ी देर में वह खुद भी अपने दुख की गठरी लेकर पहुंचा और उसने भी अपनी गठरी एक खूंटी पर टांग दी। देखने में सभी गठरियां बराबर थीं। थोड़ी देर बाद एक आवाज गूंजी, 'जिसे भी अपनी गठरी बदलनी है बदल सकता है। चलो एक-एक गठरी उठा लो। ' सभी गठरियां उठाने दौड़े। पर सभी ने अपनी-अपनी गठरी ही उठाई। किसी ने दूसरे की गठरी को हाथ नहीं लगाया। उसी समय उस व्यक्ति की नींद टूट गई। वह स्वप्न का आशय समझ गया। उसे समझ में आ गया कि दुखी रहने का कोई अर्थ नहीं है। दुनिया में हर कोई दुखी है। बेहतर है कि दुखों से संघर्ष करके सुख की खोज की जाए।

सूडोकु नवताल- 7427

★★★☆☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7426 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 8642

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8641 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
वा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	रो	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	रा
का	म	■	न	■	र	■	शा	र
■	द	म	न	■	म	हा	व	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार पिकअप की ठोकर से येशुराम मुरकुटे की मौत, पत्नी मंजुड़ा मुरकुटे गंभीर रूप से घायल

वाहन की टक्कर से 33 केवी विद्युत पोल टूटा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी ।

लांजी बालाघाट मार्ग पर ग्राम ककोड़ी एवं घोटी घुसमारा के मध्य 17 फरवरी शाम करीब 4 बजे एक हृदय विदारक सड़क हादसा घटित हुआ जहां मोटर सायकल में सवार बुजूर्ग पति पत्नि मे से पति की मृत्यू हो गई वहीं महिला गंभीर रूप से घायल है। इस घटना में तेज रफतार पीक अप वाहन चालक की लापरवाही सामने आई है जिसने तेज गति से लापरवाही एवं खतरनाक ढंग से वाहन चलाते हुये पहले ते बुजूर्ग दंपत्ति को टक्कर मार कर घायल किया तथा बाद में एक 11 केव्ही विद्युत पोल से जा टकराया इस घटना के चलते घंटो विद्युत प्रवाह भी बंद रहा गनिमत रहा कि विद्युत खंबे के टूटने से और कोई हादसा घटित नही हुआ। घटना के संबध में अधिक जानकारी के अनुसार मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर ककोड़ी और घोटी के बीच श्री रामकृष्ण हरि मंदिर के समीप एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें मोटरसाइकिल सवार दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी को गंभीर हालत में उच्च उपचार के लिए रेफर किया गया है। घटना की जानकारी के अनुसार, 17 फरवरी की शाम करीब 4 बजे घोटी घुसमारा निवासी येशुराम मुरकुटे पिता- खिन्नीराम मुरकुटे, उम्र लगभग 65 वर्ष अपनी पत्नी मंजुड़ा मुरकुटे उम्र लगभग 60 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड एच 6864 से लांजी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान वे ककोड़ी निवासी अपने समधी विद्यानंद सोनवाने के घर (श्री रामकृष्ण हरि मंदिर के सामने) की ओर मुड़ रहे थे। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन क्रमांक- एमपी 28 जेडएफ 2416 ने ओवरटेक करते हुए मोटर सायकल को कट मारी, जिससे वाहन का पिछला हिस्सा मोटरसाइकिल से टकरा गया। टक्कर की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि दोनों पति-पत्नी सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोटें आईं। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया और फिर 33 केवी विद्युत लाइन के पोल से जा टकराया, जिससे पोल टूट गया। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। घायलों को निजी वाहन से तुरंत सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद येशुराम मुरकुटे को मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी मंजुड़ा मुरकुटे की हालत गंभीर बताई गई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया है। पिकअप वाहन छिंदवाड़ा जिले के चौरई का बताया जा रहा है, जो सब्जी लेकर रायपुर गया था और खाली लौट रहा था। इसमें दो भाई विजय सतनामी और अजय सतनामी सवार थे। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाने और वाहन को विद्युत पोल से हटवाने के दौरान दोनों चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिलने पर मामला दर्ज किया गया है। मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस फरार चालकों की तलाश कर रही है।

खेडुले कुनबी समाज की बैठक सम्पन्न, नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्र के खेडुले कुनबी समाज के संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से दिनांक 14 फरवरी 2026, दिन शनिवार को समस्त सामाजिक गणों के द्वारा में संगठन विस्तार को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं स्वजाति बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज की एकता को मजबूत करना, संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करना तथा सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करना रहा। सर्वप्रथम सर्वसम्मति से संरक्षक समिति का गठन किया गया, जिसमें अनुभवी एवं वरिष्ठ सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई। संरक्षक समिति में सीताराम रावते संरक्षक प्रमुख, लक्ष्मण नाकतोड़े, प्रकाश आठोडे, योगेश्वर खरखटे, रवि दोनांडकर, अशोक ठाकरे, जागेश्वर रावते, राधेश्याम नखाते, संरक्षक समिति के गठन उपरांत उनके मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से मंडल कार्यकारिणी का गठन किया गया।मंडल कार्यकारिणी अध्यक्ष लक्ष्मण नाकतोड़े, उपाध्यक्ष दिनेश चोरनेले यशवंत सिह्लारे, विजय ठाकरे, मदन लाल बेदरे, तानुलाल दोनाडकर, कोषाध्यक्ष प्रकाश आठोडे, सचिव जागेश्वर रावते, सह सचिव योगेश्वर खरखटे सदस्य रुपेश कुथे, दिनेश बेदरे, यशवंत दोनाडकर, घनश्याम आठोडे, धर्मेन्द्र कार, धिरेन्द्र बुराडे आदि सदस्य शामिल है। बैठक में समाज के वरिष्ठ स्वजाति बंधुओं की विशेष उपस्थिति रही, जिनमें भुनेश्वर रावते, झनक लाल कुथे, देवराम दानी, रुशीराम रावते, मुरलीधर नखाते, सेवकराम ठाकरे, महेश चोरनेले, मनीराम रावते, सदाराम रावते, मिताबाई बेदरे एवं राधनबाई नखाते प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में समाज के विकास, युवाओं को संगठन से जोडने, शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने समाज की एकजुटता बनाए रखते हुए संगठन को मजबूत करने और सामूहिक प्रयासों से समाज को नई दिशा देने का संकल्प लिया। बैठक का समापन आभार व्यक्त करते हुए समाज हित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ किया गया।

महाशिवरात्रि पर्व पर बाघाटोला के शिव मंदिर में किया अभिषेक पूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्र के भाडरा अंचल के ग्राम बाघाटोला बम्हनवाड़ा के गांधी चौक स्थित शिव मंदिर में 16 फरवरी को विधि विधान से महाशिवरात्री पर्व का भव्य आयोजन स्थानीय समिति एवं समस्त ग्राम वासियों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के तहत प्रात- बेला से शिवलिंग पूजन रूद्राभिषेक किया गया। 11 बजे से शोभा यात्रा जो कि संपूर्ण ग्राम का भ्रमण कर दोबारा शिव मंदिर पहुंची जहा दोपहर 2 बजे से जय माता दी भजन मण्डली के द्वारा जस कीर्तन भजन आदि का गायन किया गया। इसी कड़ी में रात्रि 09 से दुय्यम शायरी का आयोजन शिव मंदिर प्रांगण में किया जिसमें न्यू अंबिका शायरी मण्डल की गायिका श्रीमती कामिनी दिगोरे कायदी वारासिवनी एवं जय बजरंग महिला मण्डल की गायिका श्रीमती ओमेश्वरी लिल्हारे बेनी वारासिवनी के मध्य देखने को मिला जिसका भरपूर आनंद ग्राम वासियों के द्वारा लिया गया। बतादे कि शिव मंदिर में विधि पूर्वक पूजन अर्चन एवं अभिषेक पंडित आकाश मिश्रा द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान समिति से गणेश खोंगल, मधुकर हाथीमारे, ईश्वर डोये, माधोराव फुण्डे, पांडूरंग डोये, प्रेमलाल खरोले, व्यंकट बहेकार, कुंवर फुण्डे, हंसाराम ब्राम्हणकर, रामाजी महारवाड़े, तेजरात फुण्डे, जितेन्द्र यादव, गोपीचंद फुण्डे, लेखचंद महारवाड़े, प्रमोद महारवाड़े, सुरेश डहारे, मुलचंद हाथीमारे, अमर पन्द्रे, मेतुलाल उइके, भागचंद उइके, नीलचंद नेवारे, चमन फुल्झारे, भागवत बसेना, देवा बारसागड़े, चरण दास शिवणकर, खेमराज मस्करे, बाल्या पिछोड़े, सुरेश कामड़े, रजवंती उपराड़े, शांति महारवाड़े, मनीषा भलावी, राधिका नेवारे, कुलवंती लिल्हारे, यशवंती महारवाड़े, ममता शिवणकर, उषा डोये आदि समिति के सदस्य एवं ग्राम वासी संपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत हवन पूजन कर महाप्रसादी का वितरण ग्राम में किया गया जहां बडी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

रबी फसल के लिए पर्याप्त पानी की मांग को लेकर सिंगोला व दहेगांव के किसानों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी । वर्तमान में रबी फसलों का समय प्रारंभ है जहां किसानों के द्वारा अपने अपने खेतो में धान की फसलें लगाई गई है साथ ही विदित है धान की फसलों मे अधिक पानी की आवश्यकता होती है ऐसे में सिंचाई विभाग से नहरों के द्वारा पानी पहुंचाये जाने को लेकर किसानो की मांग रहती है ताकि सभी किसानों को अपनी फसलों के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी मिल सके। लेकिन वर्तमान में क्षेत्र के ग्राम सिंगोला स्थित किसानों को अपनी फसलों के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी नही मिल पा रहा है जिसको लेकर किसानों के द्वारा कलेक्टर कार्यालय बालाघाट पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। जिसमें लेख है कि हमारे द्वारा 11 फरवरी को कलेक्टर महादेय एवं सिंचाई विभाग को ग्राम सिंगोला में आज तक रबी फसल हेतु पानी नही दिये जाने को लेकर आवेदन प्रेषित किया गया था। किन्तु सिंचाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा अनदेखी कर हमारी बातों पर ध्यान नही दिया गया। जबकि ग्राम मीरिया तक 2 बार पानी छोड़ा जा चुका है। यह कि ग्राम सिंगोला देवलगांव के कृषको को इसके पूर्व रोटेशन पद्धति से हमेशा पानी मिलता रहा है वैसे भी ग्राम सिंगोला के कृषक बाढ पीडित से परेशान रहते है तथा नहर के पानी से पकी हुई फसले नष्ट हो जाती है। यह कि इसके पूर्व जब जल उपभोक्ता संथा थी तब कृषकों को रबी एवं खरीफ फसल हेतु पानी बराबर मिलता था। जब से उक्त संस्थाऐं भंग की गई है। सिंचाई विभाग के कर्मचारी अपनी मन मर्जी से काम करते है। जबकि नहरों की स्थिती अच्छी है। सिंचाई विभाग के द्वारा जल शुल्क भी लिया जाता है। किन्तु सिंचाई विभाग किसानों को समय पर पानी उपलब्ध नही करा पाता। इस प्रकार सिंचाई विभाग के द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है। इस बार तीसरा पानी भी ग्राम सिंगोला के टेल तक नही पंहुचा तो हम सभी किसान बहेला, सिंगोला वितरक नहर पर पीडब्ल्यूडी मार्ग मीरिया के पास नहर बांधने पर विवश हो जायेंगे। जिसकी जवाबदारी सिंचाई विभाग की होगी। रोटेशन पद्धति के बावजूद भी ग्राम सिंगोला एवं देवलगांव के कृषकों रबी फसल के लिये पानी नही मिलता तो हम कृषकों का सिंचाई विभाग से अनुबंध समाप्त कर दिया जाये एवं नहर ही हटा दिया जाये। कलेक्टर महोदय हमारे इस निवेदन को संज्ञान मे लेवे तथा हमे सही समय पर पानी की उपलब्धता करवाये यदि 5 दिवस के भीतर समाधान नही हुआ तो हम सभी कृषकों को आंदोलन धरना प्रदर्शन हेतु विवश होना पड़ेगा। इस दौरान भुमेश्वर सिहोरे, छत्रपाल मचिया, यशन लाल सिहोरे, डूडेश्वर ढेकवारे, गंभीर दास टेकेंश्वर, रोहित सिहोरे, संतोष लिल्हारे, कन्हैयालाल, राजू बसेना, शिवचरण, गंभीर दास लिल्हारे, मोतीदास लिल्हारे आदि कृषक गण उपस्थित रहे।

दुल्हापुर में ग्राम देवी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का कलश शोभायात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी । क्षेत्र के ग्राम दुलापुर पंचायत में माँ जगतारिणी ग्राम देवी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 17 फरवरी से 22 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है। जिसको लेकर आयोजक समिति के अध्यक्ष ताराचंद कुचलाहे एवं उपाध्यक्ष भुपेन्द्र रहमतकर सहित सदस्यों ने बताया कि हमारे ग्राम दुलापुर में नव निर्मित देवी मंदिर में माँ नव दुर्गा, श्री विग्रह एवं श्री शिव पंचायतन प्राण प्रतिष्ठा मंगल महोत्सव यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 17 फरवरी को प्रात- 8-30 बजे जल यात्रा, कलश शोभा यात्रा, दशविद्य स्नान, पंचांग पूजन, प्राश्चित संकल्प, पंचानन पूजन, इन्द्रध्वज पूजन, नंदीमुख, श्राद्ध देव दर्शन मंडप प्रवेश का आयोजन संपन्न हुआ। 18 फरवी को प्रात- देव आव्हान, मंडप पूजन, श्री विग्रह जलाधिवास, अग्रि स्थापन। गुरूवार 19 फरवरी को प्रात- बेला में मण्डल पूजन, श्री विग्रह अन्नाधिवासी, फलाधिवास एवं पूष्पा धिवास, अग्रिहोत्र, फलाधिवास। शुक्रवार 20 फरवरी को प्रात- बेला में देव पूजन, श्री गणपति सहच्रार्चन, अंबा सहस्त्रार्चन, अग्रिहोत्र शय्याधिवास। शनिवार 21 फरवरी को प्रात- देव पूजन, श्री विग्रह मंगला शासन देव, अंगदिलेपन, औषधी लेपन, अभृत्य स्नान, श्री विग्रह न्यामर्चन, शंत कुमादि महाभिषेक, अग्रिहोत्र आरती। दिन रविवार 22 फरवरी को प्रात- बेला में देव पूजन, शिखर पूजन, ध्वजा पूजन, प्राण प्रतिष्ठा सर्व उपचार पूजन, आदित्य दर्शन, नेत्रोमिलान, देव दीक्षा अग्रिहोत्र महाआरती, यज्ञ पूर्णाहूति विप्रदक्षिणा, देव मण्डल विसर्जन एवं महाप्रसाद का आयोजन शाम 4 बजे से किया जायेगा। कार्यक्रम के यज्ञाचार्य जनार्दन भाई द्विवेदी जी है। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत आयोजक समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित सदस्यो ने यह भी जानकारी दी की 20 फरवरी को संभावित माँ कौशल्या जन्म भूमि तीर्थ श्री जामड़ी पाटेश्वर धाम छत्तीसगढ़ के पीठाधिश्वर श्री रामबालक दास महात्यागी संत बाल योगेश्वर जी का आगमन ग्राम दुलापुर होने जा रहा है जहां सभी श्रृद्धालु गणो को श्री बालकदास जी महाराज का सान्निध्य प्राप्त होगा। आयोजक समिति के द्वारा क्षेत्र के समस्त धर्म प्रेमी गणो से उक्त सभी कार्यक्रमो मे तथा बालकदास जी महाराज के सान्निध्य प्राप्त करने हेतु आयोजन स्थल पर पंहुचने की अपील की है।

अकोला में गिट्टी का अवैध परिवहन करने पर डम्पर जब्त

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 फरवरी को खनिज अमले ने किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम अकोला में औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक डम्पर वाहन क्रमांक एमपी 50 जी 7731 को खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उक्त वाहन को मौके पर ही जब्त कर पुलिस थाना किरनापुर की अभिरक्षा में रखा गया।उपसंचालक खनिज सुश्री फरहज जहां ने बताया कि गिट्टी का अवैध परिवहन मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 का स्पष्ट उल्लंघन है। इस पर प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्ती से निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में गणित विषय पर एआई के उपयोग पर व्याख्यान आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार मासुलकर के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय गणित में कंप्यूटर साइंस तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रयोग एवं महत्व रहा। व्याख्यान के मुख्य वक्ता साईं कंप्यूटर सेंटर, बालाघाट से श्री अमन कौशल रहे। उन्होंने एआई की मूल अवधारणा, उसके कार्य करने की प्रक्रिया तथा गणितीय समीकरणों को हल करने में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई एल्गोरिद्म के माध्यम से गणित के असाइनमेंट तैयार करना, परीक्षाओं का स्वत: मूल्यांकन करना तथा जटिल समस्याओं का सरल समाधान संभव हो रहा है। श्री कौशल ने बीजगणित, कलन और सांख्यिकी से संबंधित कठिन समीकरणों को एआई टूल्स की सहायता से हल करने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही डेटा प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग तथा आधुनिक टूल्स जैसे नोटबुक एलएम के उपयोग की जानकारी भी दी। व्याख्यान के दौरान छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एस.के. मासुलकर, गणित विभाग की प्राध्यापक डॉ. दीपरत्ना मासुलकर, श्रीमती बबली शेण्डे, डॉ. स्वाती खोब्रागड़े, श्रीमती सीमा मिश्रा, डॉ. दीप्ति गड़पाले सहित बीएससी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष (पीसीएम) संकाय की छात्राएं उपस्थित रहीं। विद्यार्थियों ने व्याख्यान को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विधानसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में दिखी राज्य की तरक्की की नई इबारत,

मप्र में प्रति व्यक्ति आय 1,69,000 के पार

राज्य की जीडीपी 11.14 प्रतिशत की छलांग, सकल घरेलू उत्पाद 16,69,750 करोड़ तक पहुंचा

भोपाल। मप्र सरकार ने विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया है, जो राज्य के बजट से ठीक पहले प्रदेश की आर्थिक स्थिति का पूरा ब्यौरा देता है। आम आदमी के लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि राज्य की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय में भारी उछाल आया है। यह बढ़कर 1,69,050 रुपए(अग्रिम अनुमान 2025-26) हो गई है। वर्ष 2024-25 में व्यक्ति आय 152615 रूपए थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों ग्रामीण और शहरी घर बने हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए आयुष्मान भारत और बुनियादी ढांचे पर निवेश बढ़ा है। इसका लक्ष्य औसत जीवन प्रत्याशा को 67 वर्ष से बढ़ाकर 84 वर्ष करना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था अधिक संतुलित और गतिशील बनी है। वित्तीय प्रबंधन में अनुशासन, पारदर्शी शासन और व्यवस्थित नीति क्रियान्वयन ने राज्य को स्थिर वृद्धि की राह पर स्थापित किया है।

यह रिपोर्ट विकसित मध्यप्रदेश 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। सरकार ने अपनी विकास योजनाओं में गरीब, युवा, किसान और महिलाओं को प्राथमिकता दी है। यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे खेती से लेकर उद्योगों तक, हर क्षेत्र में प्रदेश आगे बढ़ रहा है। सर्वेक्षण के अनुसार राज्य की आर्थिक संरचना संतुलित, योजनाबद्ध और दीर्घकालिक परिणाम देने वाली है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मध्यप्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद प्रचलित मूल्यों पर 16,69,750 करोड़ आंका गया है, जो पिछले वर्ष के 15,02,428 करोड़ की तुलना में 11.14 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत देता है। स्थिर (2011-12) मूल्यों पर यह वृद्धि 8.04 प्रतिशत दर्ज की गई। लगातार बढ़ता उत्पादन, सुदृढ़ निवेश वातावरण और अनुकूल नीतियों ने राज्य की वास्तविक वृद्धि क्षमता को मजबूत किया है।

खेती किसानी और आय में बढ़ोतरी

सर्वेक्षण के अनुसार, खेती-किसानी मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र, जिसमें फसलें मुख्य हैं, का राज्य की अर्थव्यवस्था में 43.09 प्रतिशत योगदान है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए भावांतर भुगतान योजना एक अहम मॉडल है। यह योजना सीधे बैंक खातों के जरिए किसानों को मंडी मूल्य और तय मूल्य के अंतर की भरपाई करती है। पशुपालन क्षेत्र में 10.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो किसानों के लिए कमाई का एक नया जरिया बना है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक मछली उत्पादन को 10 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचाना है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नारी सशक्तिकरण पर खास जोर दिया गया है। आर्थिक सर्वेक्षण में महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में आए बदलावों को दिखाया गया है। भोपाल में हुए महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन और ओडीओपी प्रदर्शनी से महिला उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, सरकार मातृ मृत्यु दर को वर्तमान 142 से घटाकर 20 से भी कम करने का लक्ष्य रखती है।

युवाओं के नौकरी के लिए तैयारी करेगी सरकार

युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन और शिक्षा एवं कौशल विकास जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। तकनीकी शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए 14 शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते हुए हैं। इससे युवाओं को उद्योगों की जरूरत के हिसाब से ट्रेनिंग मिलेगी। सर्वेक्षण के अनुसार, विभिन्न औद्योगिक आयोजनों से राज्य में 9.29 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। खेल के क्षेत्र में भी युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए निवेश बढ़ाया जा रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र में भी भारी निवेश

छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए सरकार क्षमता निर्माण और तकनीकी सुधार पर ध्यान दे रही है। 2025 में लगभग 8,000 एमएसएमई ने प्रशिक्षण कार्यशालाओं में भाग लिया। व्यापार को आसान बनाने के लिए, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई-मंडी जैसी योजनाओं का विस्तार हो रहा है। राज्य को निर्यात के क्षेत्र में चैलेंजर श्रेणी में 9वां स्थान मिला है। औद्योगिक क्षेत्रों में 11.71 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर काम चल रहा है।

जीएसडीपी में क्षेत्रवार बढ़ोतरी

आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, फसलों के क्षेत्र में 6.38 प्रतिशत वृद्धि हुई है। पशुधन क्षेत्र में 10 प्रतिशत, वानिकी में 2.53 प्रतिशत और मत्स्य पालन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खनन क्षेत्र में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। व्यापार, मरम्मत, होटल और रेस्टोरेंट क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं पर्यटन क्षेत्र में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि परिवहन, भंडारण और रेलवे में 2.80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

दलहन उत्पादन में गिरावट

हालांकि, कृषि क्षेत्र में समग्र वृद्धि के बीच दलहन उत्पादन में गिरावट चिंता का विषय बनी है। वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में दलहन उत्पादन 7,296 हजार टन से घटकर 5,698 हजार टन रह गया, यानी 21 प्रतिशत की कमी आई। चना उत्पादन में 38 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। उड़द में 37 प्रतिशत, मूंग में 26 प्रतिशत और अरहर में 7.30 प्रतिशत की कमी आई। दलहन का रकबा घटकर 4,492 हजार हेक्टेयर रह गया, जो 17 प्रतिशत कम है। चना के क्षेत्रफल में 33 प्रतिशत और उड़द में 37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मूंग के क्षेत्रफल में 6 प्रतिशत और मटर में 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे इन फसलों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा।

डेयरी उत्पादों में बढ़ोतरी

पिछले वर्ष की तुलना में घी उत्पादन में 7 प्रतिशत वृद्धि हुई। दूध विक्रय में 13 प्रतिशत, पनीर में 18 प्रतिशत, सादा दही में 11 प्रतिशत, पेड़ा में 10 प्रतिशत, छेना-रबड़ी में 7.5 प्रतिशत और मावा में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मिल्क केक में 17 प्रतिशत और पेड़ा में 44 प्रतिशत तक की वृद्धि बताई गई।

प्रदेश में पर्यटन क्षेत्रों की स्थिति

मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में 94 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उज्जैन में 42 प्रतिशत से अधिक पर्यटक आए, जबकि वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों में 26 प्रतिशत वृद्धि हुई। इंदौर में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 30 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई। भोपाल में विदेशी पर्यटकों में 6 प्रतिशत वृद्धि हुई, हालांकि घरेलू पर्यटकों की संख्या में 0.6 प्रतिशत की कमी आई। ग्वालियर में 16.3 प्रतिशत और खजुराहो में 45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कुपोषण के आंकड़े

सर्वेक्षण में कुपोषण से जुड़े आंकड़े भी सामने आए। वर्ष 2023-24 में 4.51 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को लाभ मिला था, जो 2025-26 में घटकर 4.12 प्रतिशत रह गया। 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों में 2024-25 में 26 प्रतिशत लाभार्थी थे, जो 2025-26 में घटकर 24 प्रतिशत रह गए। आर्थिक सर्वेक्षण में जहां आय, पर्यटन और डेयरी क्षेत्र में सकारात्मक संकेत मिले हैं, वहीं दलहन उत्पादन और पोषण संबंधी आंकड़े सरकार के लिए चुनौती बने हुए हैं।

करों के बटवारें में मप्र को होने वाले नुकसान को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

भोपाल। करों के बंटवारे की नई नीति से मध्य प्रदेश को होने वाले संभावित आर्थिक नुकसान एवं राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है।

पटवारी ने पत्र में लिखा है कि मध्य प्रदेश वर्तमान में गंभीर आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 7.85 से घटाकर 7.35 कर दी गई है। इस 0.50 प्रतिशत की कटौती के परिणामस्वरूप आगामी पाँच वर्षों (2026-2031) के दौरान प्रदेश को लगभग रू50,000 करोड़ के संभावित राजस्व नुकसान का अनुमान है।

यह कटौती राज्य की विकास योजनाओं, अधोसंरचना परियोजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, विशेषकर उस समय जब राज्य की वित्तीय स्थिति पहले से ही दबाव में है।

वर्तमान में राज्य पर कुल सार्वजनिक ऋण लगभग रू 5.31 लाख करोड़ तक पहुँच चुका है, जो राज्य के वार्षिक बजट से भी अधिक है। केवल फरवरी माह में ही राज्य सरकार द्वारा तीन बार रू 5,000 करोड़ से अधिक की उधारी ली जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश की कुल उधारी लगभग रू 72,900 करोड़ तक पहुँच चुकी है। ये तथ्य स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश लगातार बढ़ते ऋण-जाल की ओर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त यह अत्यंत चिंताजनक है कि पिछले वित्तीय वर्ष में स्वीकृत बजटीय प्रावधानों का पूर्ण उपयोग भी नहीं किया जा सका। पटवारी ने इसका उदाहरणा देते हुए कहताया है कि अधोसंरचना एवं विकास से संबंधित लगभग रू 1000 करोड़ के प्रावधानों में से लगभग 70 राशि वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक व्यय नहीं हो पाई। अनेक विभागों में आवंटित धनराशि अव्ययित रह गई, जबकि समानांतर रूप से राज्य सरकार बढ़ती उधारी पर निर्भर रही। जब पूर्व स्वीकृत संसाधनों का ही प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित नहीं हो पाया, तब नई घोषणाओं एवं अतिरिक्त ऋण आधारित वित्तीय प्रबंधन की विश्वसनीयता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न खड़े होते हैं। यह स्थिति वित्तीय अनुशासन एवं प्रशासनिक दक्षता की गंभीर कमी को दर्शाती है।

इन्हीं परिस्थितियों के बीच 18 फरवरी को राज्य का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया जाना है। बजट से पूर्व कर-वितरण के नए फार्मूले के कारण संभावित राजस्व हानि की सूचना ने प्रदेश की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। पहले से ही ऋण दबाव झेल रहे राज्य के लिए यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ विकास की गति को प्रभावित कर सकता है।

माननीय प्रधानमंत्री जी, हम राजनीति से ऊपर उठकर यह निवेदन कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश की वर्तमान वित्तीय स्थिति गंभीर संकेत दे रही है। राज्य स्तर पर वित्तीय प्रबंधन में स्पष्ट चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि केंद्र सरकार मुख्य सचिव के माध्यम से प्रदेश की वित्तीय स्थिति की निगरानी सुनिश्चित करे तथा ऋण प्रबंधन और राजकोषीय अनुशासन को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करे।

उन्होंने पीएम मोदी से आग्रह किया है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस विधायक दल के प्रतिनिधिमंडल को समय प्रदान करें, ताकि प्रदेश के हितों, कर-वितरण के पुनर्विचार एवं वित्तीय संतुलन के संबंध में सकारात्मक एवं रचनात्मक संवाद किया जा सके।

गलत जानकारी देने के आरोप पर भड़के मंत्री बोले- साबित करें तो माफी मांगने को तैयार हूं

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के आज दूसरे दिन सदन में गलत जानकारी देने के आरोप पर पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भड़क गए। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान सदन को जवाब देते हुए कहा कि जिस तरह से बार बार कहा जा रहा है कि जानकारी गलत है इस पर मैं स्पष्ट राय रखता हूं। उन्होंने कहा कि यदि जॉब कार्ड है और उसे रोजगार नहीं मिल रहा है ऐसे लोग मेरे सामने लाएं तो मैं सदन से माफी मांगने को तैयार हूं।

दरअसल हुआ यूं कि आज मंगलवार को राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा ने मामले को उठाते हुए कहा कि श्योपुर जिले में 50 प्रतिशत से अधिक सहरिया आदिवासी परिवार राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में रोजगार की तलाश में चले गए हैं। इसका समर्थन करते हुए विधायक पंकज उपाध्याय ने भी कहा कि जौरा में भी अमूमन यही स्थिति है। यहां गांव के गांव खाली हो रहे हैं, घरों में ताले लगे हैं लोग रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की तरफ पलायन कर रहे हैं। इस पर पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जवाब देते हुए कहा कि लोग पलायन के कई कारण हो सकते हैं। जीरामजी(मनरेगा) का जॉब कार्ड है और रोजगार नहीं मिल रहा है इसलिए दूसरे राज्यों के लिए पलायन कर रहे है ये संभव नहीं है।

कुत्तों की नसबंदी को लेकर विस में हुई नोकझोंक

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत अतीक अकील ने उठाया था मुद्दा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में आज कुत्तों की नसबंदी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्षी सदस्यों के मध्य तीखी नोकझोंक हुई। यह मामला ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत विधायक अतीक अकील ने उठाया था। विधायक अतीक अकील ने आरोप लगाया कि शहर में कुत्तों की नसबंदी को लेकर केवल शोर मचाया गया, जबकि इसके लिए आवंटित राशि का सही उपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कुत्तों की नसबंदी के लिए 2 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की, लेकिन कुत्ते कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों के हमलों से छोटे-छोटे बच्चों की मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना 40-50 लोगों को आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं हो रही है, इनमें बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे शामिल है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा रोजाना पकड़कर कुत्तों का वेक्सीनेशन किया जा रहा है लेकिन आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। उनका यह भी कहना था कि श्मशान घाट और कब्रिस्तान जैसे स्थान आवारा कुत्तों के अड्डे बन गए हैं। उन्होंने भोपाल के पास शेल्टर होम बनाने की घोषणा का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं विधायक बजवर सिंह शेखावत ने कहा कि आवारा कुत्तों के मामलों की जिम्मेदारी नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पास है, लेकिन इस दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि ऽहमारे कुत्ता मंत्री सुन ही नहीं रहे हैं।ऽ इस पर आपत्ति जताते हुए, विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि इंसान आतंकवादी होते हैं, लेकिन यहां कुत्तों को आतंकवादी बताया जा रहा है, जो उचित नहीं है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन को बताया कि इस मामले में चार विभाग शामिल हैं और सभी मिलकर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि कुत्तों की नसबंदी के राजधानी में 30 नसबंदी केंद्र स्थापित किए है। साथ ही कुत्तों को 80 हजार 7 सौ से ज्यादा एंटी रैबीज इंजेक्शन भी लगाए गए है। उन्होंने कहा कि उनके पास आई स्वास्थ्य रिपोर्ट में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि कुत्ते के काटने से किसी की मौत हुई हो। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नसबंदी करने वाले डॉक्टरों की संख्या कम है और संसाधनों की कमी के कारण काम प्रभावित हो रहा है। विपक्ष की ओर से बजट और भ्रष्टाचार को लेकर भी सवाल उठाए गए। इस बीच मंत्री प्रहलाद पटेल ने आपत्तिजनक शब्दों को कार्यवाही से हटाने की मांग करते हुए कहा कि यदि कोई आरोप है तो उसके प्रमाण सदन के पटल पर रखे जाएं, केवल हवाई आरोप नहीं लगाए जा सकते।

पांचवें वेतनमान के लिए सरकार न्यायालय के आदेश का कर रही पालन- विजयवर्गीय

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन विधायक केशव देसाई ने न्यायालय के आदेश के बाद भी तिलहन संघ के कर्मचारियों को पांचवें वेतनमान का लाभ नहीं दिए जाने का मामला उठाया। इस सवाल के जवाब में नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जैसे-जैसे कोर्ट के आदेश जारी हो रहे हैं, वैसे-वैसे सरकार कार्रवाई कर रही है। शासन के विभिन्न विभागों में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ तिलहन संघ के कर्मचारियों के वेतनमान निर्धारण के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग और वित्त विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। कर्मचारियों को छठा वेतनमान दिए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। अपील और अवमानना के प्रकरण लंबित हैं, इसलिए कोर्ट का फैसला आने के बाद ही इस मामले में आगे कुछ कहा जा सकेगा। एक अन्य प्रश्न में उज्जैन के तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि इंदौर प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पूरे विश्व में शर्मसार किया है। दूषित पानी पीने से लगभग 35 से 40 लोगों की मौत हो गई। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें पदोन्नति देकर ऊपर भेज दिया गया। इन मासूम लोगों की मौत के लिए जो भी दोषी हैं, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए। बीजेपी को शर्म आना चाहिए।

नगर पालिका का एकांउटेंट ले रहा था पॉच हजार की घूस

- ईओडब्ल्यू जबलपुर टीम ने रंगे हाथ दबोचा,
- रिटायर्ड कर्मचारी से ग्रेच्युटी भुगतान के लिये मांगी थी रकम

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर टीम ने नगर पालिका परासिया(छिंदवाड़ा)के एकांउटेंट शैलेन्द्र शर्मा को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया है। आरोपी ने रिटायर्ड कर्मचारी से ग्रेच्युटी भुगतान के लिये 25 हजार की रिश्वत की मांग की थी। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार परासिया, जिला छिंदवाड़ा निवासी फरियादी लाल जी पिता सुन्दर लाल पिंडपारोची ने 13 फरवरी को ईओडब्ल्यू अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर में लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह सफाई कर्मी के पद से अगस्त 2025 में रिटायर्ड हुआ है। सेवा निवृत्त होने के बाद विभाग से मिलने वाली ग्रेच्युटी फंड नही मिले है, और पेंशन भी नही बनी है। ग्रेच्युटी फंड व पेंशन के लिये नगर पालिका डोंगर परासिया के एकांउटेंट शैलेन्द्र शर्मा से संपर्क करने पर उन्होंने ग्रेच्युटी फंड व पेंशन जारी करने के एवज में 25 हजार रुपये की मांग की। फरियादी से आरोपी ने 20 हजार रुपये ले लिये थे। बाकी की रकम न मिलने पर आरोपी शैलेन्द्र शर्मा रिटायर्ड सफाई कर्मी के फंड और पेंशन का भुगतान रोक कर परेशान कर रहा था। शुरुआती जाँच में आरोपी एकांउटेंट रिश्वत की मांग सही पाये जाने पर विभाग ने उसे दबोचने के लिये योजना तैयार की। प्लानिंग के तहत 17 फरवरी को ईओडब्ल्यू टीम ने आरोपी शैलेन्द्र शर्मा एकांउटेंड को कार्यालय नगर पालिका डोंगर परासिया जिला छिंदवाड़ा में उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया जब वह फरियादी से रिश्वत की रकम ले रहा था। आरोपी के खिलाफ विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तत कार्यवाही की गई है।

पार्टी की हर संपत्ति का दस्तावेजी ब्योरा उपलब्ध कराया जाए

मप्र कांग्रेस ने सभी जिलाअध्यक्षों से खाली जमीनों का ब्योरा मांगा

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में नए सिरे से सक्रियता दिखाने की कोशिश कर रही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अब अपनी आर्थिक सेहत सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र लिखकर कांग्रेस के नाम दर्ज जमीन, भवन और अन्य अचल संपत्तियों की विस्तृत जानकारी मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि संगठन अपनी निष्क्रिय या कम उपयोग में आ रही संपत्तियों को किराए पर देकर स्थायी फंड जुटाने की रणनीति पर काम कर रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, लंबे समय से कई जिलों में कांग्रेस की जमीन और भवनों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से अपडेट नहीं हुआ था। कई जगह पुराने कार्यालय जर्जर हालत में हैं, तो कुछ संपत्तियां वर्षों से बंद पड़ी हैं। ऐसे में मुख्यालय ने सभी इकाइयों को स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी की हर संपत्ति का दस्तावेजी ब्योरा उपलब्ध कराया जाए, चाहें वह उपयोग में हो, खाली हो या विवादित स्थिति में हो।

एक हजार करोड़ से ज्यादा संपति का अनुमान

आंतरिक आकलन के मुताबिक, मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नाम पर दर्ज संपत्तियों का कुल मूल्य करीब एक हजार करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। हालांकि यह अनुमानित आंकड़ा है और वास्तविक स्थिति जिला इकाइयों से मिलने वाली रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी। संगठन का मानना है कि यदि इन संपत्तियों का पेशेवर प्रबंधन किया जाए, तो पार्टी को नियमित आय का बड़ा स्रोत मिल सकता है, जिससे चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा सके।

कब्जों और विवादों की शिकायत

कई जिला अध्यक्षों ने यह भी संकेत दिया है कि कुछ स्थानों पर कांग्रेस की पुरानी जमीनों और भवनों पर अवैध कब्जे हैं। आरोप हैं कि स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों या राजनीतिक विरोधियों ने संपत्तियों पर नियंत्रण जमा रखा है। मुख्यालय ने ऐसे मामलों में पूरी जानकारी मांगी है, ताकि कानूनी कार्रवाई कर संपत्तियों को मुक्त कराया जा सके। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संपत्ति का संरक्षण संगठन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भोपाल मॉडल से प्रेरणा- हर महीने 25 से 30 लाख की आय

राजधानी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस के नाम दर्ज भवन को एक सफल उदाहरण माना जा रहा है। यहां स्थित दुकानों को किराए पर देकर हर महीने करीब 20 से 25 लाख रुपये की आय पार्टी को होती है। इसी राशि से प्रदेश कार्यालय का संचालन, नेताओं के दौरे और विभिन्न कार्यक्रमों का खर्च वहन किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि इसी मॉडल को अन्य जिलों में भी लागू करने पर विचार हो रहा है।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में दलों के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण है। कांग्रेस का यह कदम ना केवल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की कोशिश है, बल्कि संगठन को आर्थिक रूप से मजबूत करने की रणनीति भी है। यदि जिला इकाइयां समय पर सटीक जानकारी देती हैं और विवादित संपत्तियों को मुक्त कराया जाता है, तो पार्टी के लिए यह अभियान दीर्घकालिक लाभ का आधार बन सकता है। अब देखना यह है कि संपत्तियों का पूरा लेखा-जोखा सामने आने के बाद कांग्रेस किस तरह का वित्तीय मॉडल अपनाती है और क्या यह पहल संगठन को नई ऊर्जा देने में सफल हो पाती है।

बोर्ड एग्जाम के नाम पर डिजिटल लूट!

टेलीग्राम पर 500 से 1000 में बिक रहे फर्जी पेपर

भोपाल। बोर्ड परीक्षाएं शुरू होते ही एक बार फिर साइबर ठगों का नेटवर्क सक्रिय हो गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं-12वीं परीक्षाओं के बीच सोशल मीडिया, खासकर टेलीग्राम पर एग्जाम से पहले असली पेपर देने का दावा कर छात्रों को जाल में फंसाया जा रहा है। सैकड़ों छात्रों को लिंक के जरिए जोड़कर उनसे 500 से 1000 रुपये में पेपर देने का दावा किया जा रहा है।

जांच में सामने आया है कि टेलीग्राम पर फर्जी चैनल बनाए जाते हैं। पहले छात्रों को लिंक भेजा जाता है और लीक पेपर का लालच दिया जाता है। जैसे ही छात्र लिंक पर क्लिक करता है, उसे दूसरे रूप में जोड़ा जाता है जहां क्यूआर स्कैनर या पेमेंट लिंक भेजकर तय रकम जमा करने को कहा जाता है। पैसे मिलते ही या तो फर्जी प्रश्नपत्र थमा दिया जाता है या फिर एडमिन गायब हो जाते हैं। सोशल मीडिया पर वसूली के स्क्रीनशॉट भी वायरल हो रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल वही है, क्या वाकई पेपर लीक हुआ है? जवाब साफ है, नहीं। असल में यह छात्रों की घबराहट और जल्दबाजी का फायदा उठाने की सुनियोजित साजिश है। मध्यप्रदेश पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस पूरे नेटवर्क को रडार पर ले लिया है। एडीएसपी शैलेंद्र सिंह चौहान के मुताबिक, परीक्षा से पहले नकली पेपर के नाम पर यह नया साइबर फ्रॉड तेजी से फैल रहा है। अभिभावकों और शिक्षकों को भी बच्चों पर नजर रखने और संदिग्ध व्हाट्सऐप/टेलीग्राम लिंक से दूर रहने की सलाह दी गई है। पिछले साल भी ऐसे मामलों में कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने भी अभिभावकों और छात्रों से अपील की है कि किसी भी तरह के पेपर लीक के दावों पर भरोसा न करें।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई-मंत्री से इस्तीफे की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस ने इंदौर के भागीरथपुरा के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक हाथों में दूषित पानी और तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के साथ ही मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। वहीं इस पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने पलटवार भी किया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार टैक्स लेती है तो क्या स्वच्छ पानी पिलाने की जवाबदारी नहीं है। राज्यपाल के अभिभाषण में कहते है मेरी सरकार स्वच्छ पानी पिला रही है, तो कहां स्वच्छ पानी मिल रहा है ? सरकार क्यों बहस से डर रही है। इंदौर की जनता श्मशान घाट जा रही है और मंत्री कुर्सी पर बैठे हुए है। तत्काल मुख्यमंत्री को मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए।

आज नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद। भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप मैच में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह पहले ही सुपर आठ में पहुंच गयी है। ऐसे में उसके खिलाड़ियों का लक्ष्य इस मैच से अपनी लय को और बेहतर करना होगा। वहीं अब तक रन नहीं बना पाये सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का भी लक्ष्य बड़ी पारी खेलकर फार्म हासिल करना रहेगा। अभिषेक अभी तक खेले दोनो ही मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाये थे। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ अपनी तैयारियों का और पक्का करना चाहेंगे। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर छाये हुए ईशान किशन इस बार भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

ईशान के अच्छे प्रदर्शन के कारण ही अब तक इस टूर्नामेंट में अभिषेक के असफल होने के बाद भी भारतीय टीम हर मैच जीती है। वहीं तिलक वर्मा भी

अपने नाम के अनुरुप खेलते आये हैं। पाक के खिलाफ शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने ईशान के साथ मिलकर पारी संभाली थी। दोनो के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। ऑलराउडर शिवम दुबे और रिंकू सिंह ने भी पाकिस्तान के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी की। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर गेंदबाज में उन्होंने शुरुआती विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। पाक के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाये कप्तान सूर्यकुमार यादव भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव का प्रदर्शन प्रभावी रहा है जो ये इस मैच में भी बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ मैच में भारतीय बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये थे ऐसे में भारतीय टीम नीदरलैंड को कम आंकने की भूल नहीं करेगी। नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं पर फिर भी भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। नीदरलैंड की स्पिन आक्रमण में आर्यन दत्त और रोएलॉफ वैन डेर मेरवे शामिल है जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने परेशानी खड़ी करने का प्रयास करेंगे। भारत इस मैच सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम दे सकता है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं इस मैच में भारत दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को के अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऐसे में स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल के पास रहेगीहैं। नीदरलैंड की टीम इस मैच में बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना चाहेगी। नामीबिया पर जीत के बाद पिछले मैच में उसे अमेरिका से करारी हार मिली थी जिससे वह उबरना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रिंकू सिंह।

नीदरलैंड- स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), कॉलिन एकरमैन, नोआ क्रोज्, बास डी लीडे, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, माइकल लेविट, ज़ैक लायन-कैशेट, मैक्स ओडोब्ड, लोगान वैन बीक, टिम वैन डेर गुगटेन, रूलॉफ वैन डेर मेरवे, पॉल वैन मीकेरेन, साकिब ज़ुल्फिकार।

ग्रीन पार्क स्टेडियम में फिर देखने को मिलेंगे बड़े मुकाबले

कानपुर। अब आने वाले समय में कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम को एक बार फिर बड़े क्रिकेट मुकाबले देखने को मिलेंगे। अभी यहां किराया अधिक होने से आयोजक मैच के आयोजनों से बचते रहे हैं पर अब सरकार ने स्टेडियम का किराया कम करने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले समय में यहां अंतरराष्ट्रीय मैच, आईपीएल और यूपी टी-20 लीग जैसे बड़े टूर्नामेंट ज्यादा संख्या में आयोजित किये जा सकेंगे।

पिछले कुछ साल में ग्रीन पार्क स्टेडियम में बड़े मुकाबले काफी कम हुए हैं जबकि पहले यहां काफी मैच खेले जाते थे। इसका कारण यहां का किराया अधिक होना रहा है। यहां अंतरराष्ट्रीय टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 मैचों के लिए प्रति मैच करीब 15 लाख रुपये तक किराया है। इसके अलावा अनऑफिशियल और लिस्ट-ए मैचों के लिए भी प्रतिदिन करीब पांच लाख रुपये किराया है। इसी कारण यहां आयोजक आने से कतराने लगे थे। वहीं अब यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन और खेल से जुड़े अधिकारियों ने इस मामले को समझकर राज्य सरकार से किराया कम करने की मांग की है। उनका कहना था कि किराया होन पर आयोजक यहां के मैच बाहर नहीं करायेंगे। प्रदेश सरकार ने स्टेडियम के रखरखाव और सुधार के लिए पहले ही 45 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। अब किराया कम होने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल जाने से खेल उत्साहित हैं। अधिकारियों का मानना है कि किराया कम होने से आयोजन की राह आसान हो जाएगी और बड़े टूर्नामेंट यहां खेले जाएंगे। यूपी टी-20 लीग के एक मुकाबले के लिए अब करीब एक लाख रुपये प्रतिदिन किराया तय किया गय है। इससे स्थानीय और राज्य स्तर के मैचों का आयोजन भी बढ़ेगा। इसके साथ ही अभ्यास मैच और छोटे टूर्नामेंट भी यहां आसानी से कराए जा सकेंगे। ज्यादा मैच होने से जहां स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्वकप से बाहर हुई, जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंची

पल्लेकेले। जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच बारिश के कारण मुकाबला रद्द होने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट से बाहर हो गयी है। ये इस विश्वकप का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर है। ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के साथ ही ग्रुप बी से श्रीलंका के बाद जिम्बाब्वे सुपर-8 में पहुंच गयी है। जिम्बाब्वे-आयरलैंड के बीच मैच नहीं हेने से एक-एक अंक बंट गया जिसके कारण ऑस्ट्रेलिया जहां बाहर हो गयी। वहीं जिम्बाब्वे इस ग्रप बी से क्वालीफाई करने वालद दूसरी टीम बनी।

श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। वहीं जिम्बाब्वे को सुपर-8 राउंड में पहुंचने के लिए सिर्फ एक अंक की जरुरत थी और कैंडी में वह उसे मिल गया। आज यहां सुबह से मौसम खराब था। जिससे ऑस्ट्रेलिया की सभी उम्मीदें टूट गयीं।

साल 2021 में विजेता रही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम पिछले तीन टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई है। वहीं साल 2009 के बाद से ये ऑस्ट्रेलिया का सबसे खराब

प्रदर्शन भी है। इस बार ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज से भी हार का सामना करना पड़ा था। जिम्बाब्वे से अपना पहला ही मैच हारने के बाद, श्रीलंका से हारना ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा झटका रहा।

जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच बारिश के कारण मैच शुरु ही नहीं हो पाया। ऐसे में शाम 5:30 बजे बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया। वहीं ये पहला अवसर है जब जिम्बाब्वे टी-20 विश्व कप इतिहास में दूसरे दौर तक पहुंची है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में हुए 2022 टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे सुपर-12 ग्रुप में सबसे अंत में रही थी।जिम्बाब्वे अब क्रिकेट विश्व कप के किसी भी प्रारुप में सबसे आगे पहुंच गयी है, इससे पहले 1999 के एकदिवसीय विश्व कप में वह पांचवें स्थान पर थी और नेट रन-रेट के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंचने से रह गई थी। जिम्बाब्वे अब सुपर-8 राउंड के ग्रुप 1 में ऑस्ट्रेलिया की जगह उतरेगी। यहां उसका सामना भारत, वेस्टइंडीज या 2024 के फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका से होगा। पिछले टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे क्वालीफाई तक नहीं कर पाई थी।

तो टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में फिर हो सकता है भारत-पाकिस्तान मुकाबला

कोलंबो । टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने आसानी से लीग मैच में पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी है। वहीं इस हार से पाक टीम को करारा झटका लगा है और उसे सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदें कम हुई है पर समाप्त नहीं हुई हैं। वहीं अब पाक टीम को सुपर आठ में पहुंचने के लिए बुधवार को सुपर आठ में नामीबिया के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शीर्ष टीमो को ग्रुप में वरीयता दी है जिससे ये शीर्ष दो में रहने की स्थित में सेमीफाइनल में फिर टकरा सकती हैं। इसी के तहत ही आईसीसी ने सुपर 8 में दो ग्रुप बनाए, बनाये हैं। ग्रुप 1 को चार टीमों को आपस में मुकाबले खेलने होंगे, जबकि दूसरे ग्रुप में भी ऐसा ही करना होगा। भारतीय टीम) ग्रुप 1 में होगी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका होगी। वहीं, ग्रुप 2 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को रखा जाएगा पर इसके लिए इन टीमों को क्वालीफाई करना होगा। अगर कोई टीम सुपर 8 में नहीं पहुंचती है तो उस टीम को जगह पर उस ग्रुप को दूसरी टीम उतरेगी। सुपर 8 में भारत और पाक टीम का मुकाबला संभव नहीं है पर अगर दोनो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचती हैं तो इनके बीच टक्कर हो सकती है।

ये सेमीफाइनल मैच तभी हो सकता है। जब ग्रुप 1 में भारतीय टीम शीर्ष टॉप पर रहे और ग्रुप 2 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर रहे या फिर पाकिस्तान ग्रुप 2 में पहले स्थान पर रहे और ग्रुप 1 में भारत दूसरे स्थान पर रहे। वहीं अगर ऐसा नहीं होता तो दोनो के बीच सेमीफाइनल मैच नहीं होगा।। अगर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो उसका सेमीफाइनल कोलंबो में होगा। अगर भारत और पाक सेमीफाइनल होता है तो यह भी कोलंबो में होगा। ऐसा नहीं होने पर भारतीय टीम किसी अन्य टीम से सेमीफाइनल में खेलेगी तो ये मैच मुंबई में हो सकता है। अगर पाकिस्तान की टीम ने सेमीफाइनल के लिए में प्रवेश नहीं किया तो दूसरा सेमीफाइनल कोलकाता के ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। फाइनल में अगर पाकिस्तान की टीम पहुंची तो फिर फाइनल कोलंबो में होगा।

कनेरिया ने पाक टीम को दी नसीहत, बयानबाजी की जगह खेल पर ध्यान दें

लाहौर। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर रहे दानिश कनेरिया ने टी20 विश्वकप कप में पाक टीम के लचर प्रदर्शन पर नाराजगी जतायी है। कनेरिया ने कहा कि खिलाड़ियों को आपसी बयानबाजी छोड़कर अब खेल पर ध्यान देना चाहिये। साथ ही कहा कि इस जिस प्रकार लक्ष्य का पीछा करते समय टीम असफल हुई है उससे ये साफ है कि वह दवाब में बिखर जाती है।

कनेरिया ने ??कहा, टीम ने सभी को निराश किया है। अब उन्हें गंभीरता से खेल पर ध्यान देना चाहिये। पाक के उस्मान तारिक ने दावा किया था कि वह अकेले ही टीम को जीत दिलाएंगे। वहीं भारतीय खिलाड़ियों ने इन बातों का जवाब अपने खेल से दिया।

कनेरिया ने कहा, पाक टीम जानती थी कि उसके लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं है फिर भी उसने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। क्या उन्हें सच में भरोसा था कि वह मजबूत भारतीय बल्लेबाज आक्रमण को करीब 100 रनों पर समेट सकते हैं। भारतीय टीम ने काफी समय से श्रीलंका में नहीं खेला है, जबकि पाकिस्तान पहले ही वहां कई मैच खेल चुका है फिर भी वह असफल रहा। इससे साफ है कि टीम की रणनीति नहीं तकनीक में भी कमी रही। पूरी मैच में लगा कि उसके पास कोई योजना नहीं नहीं थी।

साथ ही कहा , सभी को पता है कि टीम लक्ष्य हासिल करते समय संघर्ष करती है फिर भी कोई रणनीति नहीं बनायी गया। अगर वह पहले बल्लेबाज भी करती तो भी उसके लिए 100 रन बनाने कठिन होते। केवल कमजोर टीमों

के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर जीत का दावा करना गलत है।

उन्होंने कहा, एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर बाबर आजम को मुश्किल समय में टीम को आगे बढ़ाना चाहिये थे पर वह स्वयं आउट हो गये। कनेरिया ने कहा, कोई साफ गेम प्लान नहीं था और टीम प्रबंधन को शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने के लिए संदेश देना चाहिए था कि बल्लेबाजों को कम से कम 10-12 ओवर तक टिके रहने की जरूरत है।

कनेरिया ने कहा, केवल उस्मान खाने ने अच्छी बल्लेबाजी कर जज्बा दिखाया प जब पूरी टीम खराब प्रदर्शन कर रही हो तो एक बल्लेबाज क्या कर सकता है। कर रही थी, तो वह अकेले सब कुछ नहीं कर सकते थे।

वहीं बाबर और शाहीन अफरीदी के खराब फॉर्म और हार के बाद टीम प्रबंधन के रुख को लेकर कनेरिया ने जवाब दिया, जब आप नेशनल टीम के लिए खेलते हैं तो प्रदर्शन ही देखा जाता है इसलिए, इनकी जगह टीम में नहीं बनती। साथ ही कहा कि टीम के पास बैकअप विकल्प नहीं है। मीडिया में बाबर को हटाने को लेकर बहुत शोर है, लेकिन अगर उसे हटा दिया जाता है और उनकी जगह शामिल खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है, तो टीम शायद उसे फिर से वापस ले आएगी, जो चयन में अस्थिरता को दिखाता है। कनेरिया ने यह भी कहा कि शाहीन हाल के दिनों में अपने बेस्ट फॉर्म में नहीं दिखे हैं, उनकी लय खराब हो गयी है पर अभी उनका विकल्प टीम के पास नहीं है।कनेरिया ने कहा, अंडर-19 सेटअप में होनहार बॉलर हैं, लेकिन उन्हें सही ट्रेनिंग और सीनियर टीम में जाने का एक साफ रास्ता चाहिए।

कनाडा के युवराज टी20 विश्वकप में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

चेन्नई । कनाडा के युवराज सामरा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप में आक्रामक शतक के साथ ही एक नया रिकार्ड बना दिया है। भारतीय मूल के 19 वर्षीय युवराज अब टी20 विश्वकप में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये है। युवराज ने इस मैच में 65 गेंद में ही 6 छक्के और 11 चौके लगाकर 110 रन बना दिये। युवराज ने 58 गेंदें अपने 100 रन पूरे किये। इससे अब युवराज टी-20 विश्व कप में शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये हैं, उन्होंने 19 साल और 141 दिन की उम्र में ये रिकार्ड बनाया। ये किसी भी एसोसिएट देश के खिलाड़ी का टी-20 विश्व कप में सबसे बड़ा स्कोर भी है। ये पहली बार है जब युवराज ने इतना बड़ा स्कोर बनाया है।

युवराज अब पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप में किसी एसोसिएट देश की ओर से शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बन गए हैं। 19 साल और 141 दिन की उम्र में वह टूर्नामेंट के इतिहास में 50 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने बांग्लादेश के जुनैद सिद्दीकी के 19 साल 325 दिन में साल 2007 में शतक लगाने का रिकॉर्ड तोड़ा है। .

वहीं पाकिस्तान के अहमद शहजाद ने 22 साल 127 दिन जबकि भारत के सुरेश रैना ने 23 साल 156 दिन में शतक लगाया था।

प्रतिका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल

मुम्बई। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में 24 फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई है। प्रतीका टखने की चोट के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर चल रही थीं। उन्हें ये चोट पिछले साल अक्टूबर में हुए एकदिवसीय विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग करते समय लगी थी। इसके बाद उनकी जगह पर शेफाली वर्मा को शामिल किया गया था। भारतीय टीम ने तब विश्वकप जीता था। विश्वकप में प्रतिका ने जबरदस्त प्रदर्शन कर 300 से अधिक रन बनाये थे।

बीसीसीआई के अनुसार

'महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के लिए प्रतिका को टीम में शामिल किया है क्योंकि इस बल्लेबाज ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और वह अब पूरी तरह से फिट हैं।' ब्रिसबेन में पहले मैच के बाद एकदिवसीय सीरीज के अन्य दो मैच 27 फरवरी और एक मार्च को होबार्ट में खेले जाएंगे। वह पहले से ही पर्थ में छह मार्च से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल है।

टीम इस प्रकार है - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल और प्रतिका रावल।

मंधाना को 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर 2025' अवॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को यहां एक कार्यक्रम में 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर 2025' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मंधाना को ये अवार्ड एकदिवसीय विश्व कप 2025 में भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया है। मंधाना ने साल का सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिये जाने पर खुशी जतायी है। मंधाना भारतीय टीम की उपकप्तान हैं और साल 2025 में उन्होंने काफी रन बनाये थे। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में दूसरी सबसे अधिक शतक लगाने वाली खिलाड़ी हैं। वहीं युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला विश्व कप जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई खिलाड़ी जबकि पैरा एथलीट प्रीति पाल को 2024 पेरिस पैरालंपिक में ट्रैक एवं फील्ड में दो कांस्य पदक जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा पूर्व निशानेबाज अंजलि भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंजलि ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला निशानेबाज रही हैं। पुरस्कार विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज की जूरी ने किया।

अभिषेक शीघ्र ही वापसी करेंगे- शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि खराब फार्म से गुजर रहे आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शीघ्र ही वापसी करेंगे पर इसके लिए उन्हें धैर्य रखते हुए क्रीज पर समय बिताना होगा। शास्त्री ने कहा कि इस प्रकार का दौर आता है पर इसमें अपने पर भरोसा बनाये रखने की जरुरत है। अभिषेक अभी तक इस सत्र में असफल रहे हैं। विश्वकप में अब तक उन्होंने दो मैच खेले हैं जिसमें वह शून्य पर ही आउट हुए हैं। यहां तक पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह खाता नहीं खोल पाये। वह चार गेंद पर एक भी रन नहीं बना पाये। विश्वकप के पहले मैच में वह अमेरिका के खिलाफ भी खाता नहीं खोल पाये थे। विश्वकप से पहले वह न्यूजीलैंड टी20 सीरीज में दो बार खाता नहीं खोल पाये थे। इस प्रकार देखा जाये तो वह इस आल अब तक रन नहीं बना पाये हैं।

नामीबिया ने पाकिस्तान से मुकाबले के पहले किया बदलाव, वोल्सेंक को शामिल किया

कोलंबो। नामीबिया ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार को होने वाले अहम मुकाबले के लिए अपनी टीम में बदलाव करते हए युवा ऑलराउंडर एलेक्स बुसिंग-वोल्सेंक को शामिल किया है। वोल्सेंक चोटिल तेज गेंदबाज बेन शिकोंगो की जगह शामिल किये गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी इसे मंजूर कर लिया है। गौरतलब है कि शिकोंगो को भारत के खिलाफ मुकाबले के दौरान जांघ में चोट लगी थी और उन्हें फिट होने में अभी समय लगेगा। वहीं उनकी जगह टीम में शामिल एलेक्स पहले टीम के साथ ट्रैवलिंग रिजर्व थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में अमेरिका के खिलाफ टी20

डेब्यू किया था। अब तक खेले गए 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम चार विकेट हैं। उन्होंने 13.50 के औसत से 4 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 7.71 है। बल्लेबाजी में उन्होंने 26 रन बनाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट 152.94 रहा है। वह आक्रामक बल्लेबाज है और ऐसे में टीम के लिए और भी फायदेमंद रहेंगे। नामीबिया से ये मुकाबला पाक के लिए बेहद अहम है। अगर इस मैच में पाक टीम नहीं जीती तो वह सुपर आठ से बाहर हो जाएगी। भारत से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट काफी नीचे है। ऐसे में अगर नामीबिया जीतता है तो बेहतर रन औसत के आधार का लाभ अमेरिका को मिलेगा।

नामीबिया टीम - लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्रायलिंक, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन, (कप्तान), जेजे स्मिट, ज़ेन ग्रीन (विकेटकीपर), मलान क्रूगर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, मैक्स हेइंगो, डिलन लीचर, जैक ब्रासेल, जान बाल्ट, विलेम म्यबर्ग और एलेक्स बुसिंग-

भारतीय महिला ए टीम नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय महिला ए टीम एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय महिलाओं ने बैंकॉक में खेले गए अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय टीम ने नेपाल को केवल 18 ओवर में ही 78 रनों पर समेट दिया। भारतीय टीम की ओर से तानुजा कंवर ने 12 रन देकर चार विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को भारतीय बल्लेबाजों ने 7.5 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ही भारत ए टीम तीन मैचों में चार अंकों और 3.042 के नेट रन रेट के साथ ही ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। पहले मैच में यूएई से हारने के

बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए पाकिस्तान ए और नेपाल के खिलाफ जीत हासिल की। वही यूएई दो मैचों में चार अंकों और +0.611 के नेट रन रेट के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान ए दो मैचों में दो अंकों और -1.012 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल बिना किसी अंक के ग्रुप में सबसे नीचे है। इस मैच में पहले पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों के सामने नेपाल के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सबसे ज्यादा 22 रन संजना खड़का ने बनाए। भारतीय स्पिनरों ने 10 में से 9 विकेट लिए। मिन्नू मणि ने 3 जबकि कप्तान राधा यादव ने 2 विकेट लिए। एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में एक विकेट खो दिया पर इसके बाद वृंदा दिनेश ने नाबाद 39 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

शमी ने रणजी में आठ विकेट लेकर टीम इंडिया में वापसी के लिए दावेदारी की

नई दिल्ली । पिछले काफी समय से भारतीय टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं को करारा जवाब दिया है। शमी ने हाथ में पट्टी बांधकर जिस प्रकार 22.1 ओवर में 90 रन देकर आठ विकेट लिए। उससे उनका फार्म और फिटनेस दोनो ही साबित हुए हैं। ये उनके प्रथम श्रेणी करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शमी की इस गेंदबाजी से ही बंगाल को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ सेमीफाइनल में पहली पारी में 26 रन की बढ़त मिली। अब फाइनल में बंगाल और कर्नाटक का मुकाबला होने की संभावना है। दूसरे और तीसरे दिन शमी ने जबरदस्त गेंदबाजी की। शमी ने पांच विकेट लेने के बाद सटीक लाइन-लेंथ के साथ तीन विकेट और निकाले। इस प्रकार कुल आठ विकेट झटके। इस दौरान उनकी तेज गेंदबाजी में धार देखी गयी। 35 साल की उम्र में, बिना किसी बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद भी शमी ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को उनकी ओर ध्यान देने मजबूर किया है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर और शमी के बीच पिछले एक साल में फिटनेस को लेकर मतभेद रहे हैं। आगरकर का मानना है कि शमी पांच दिवसीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं पर शमी हर बार अपने प्रदर्शन से जवाब देते आए हैं।

छात्रावास में दाल मेन्यू से गायब, रोजाना परोसी जा रही पानी वाली सब्जी, खीर पुड़ी महीनों से नहीं बनी!!

शासकीय जूनियर बालक छात्रावास नवेगांव के छात्रों ने सौपा ज्ञापन : छात्रावास अधीक्षक संदीप मढ़के को हटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दूर दराज में रहने वाले बच्चों को बेहतर पढ़ाई के साथ-साथ सर्व सुविधा युक्त आवास की सुविधा देने की मंशा से शासन द्वारा छात्रावास की व्यवस्था की गई है।जिसके तहत बच्चों को आवासीय सुविधा के साथ-साथ,भोजन, व्यायाम, खेलकूद आदि की व्यवस्था बनाई गई है ताकि हर क्षेत्र में बच्चों का विकास हो सके और उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो। इसके लिए सरकार द्वारा प्रतिवर्ष छात्रावासों पर लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। बावजूद उसके भी जिले के कुछ छात्रावास ऐसे हैं जहां नियमों के मुताबिक काम नहीं हो रहा है,जिसके चलते बच्चों को ना तो अच्छा भोजन मिल पा रहा है और ना ही आराम करने के लिए अब तक उनके बिस्तर की सुविधा उपलब्ध हो पाई है इसके अलावा खेलकूद आदि के इंतजाम भी नहीं है। ऐसा आरोप नवेगांव के शासकीय जूनियर बालक

छात्रावास में पढ़ाई करने वाले छात्रों ने लगाया है। जहां उन्होंने मेन्यू के आधार पर भोजन न मिलने, लंबे समय से खीर पुरी और दाल ना बनाने, अक्सर पानी वाली सब्जी परोसे जाने और आराम करने के लिए बै ? की व्यवस्था न होने और खेलकूद की सामग्री ना मिलने की शिकायत करते हुए मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से उन्हें मेंहरूम रखने वाले छात्रावास अधीक्षक को हटाकर , तत्काल छात्रावास में नए अधीक्षक की नियुक्ति की जाने की मांग की है।

दाल मेन्यू से गायब, रोजाना परोसी जा रही पानी वाली सब्जी

छात्रों ने आरोप लगाया कि छात्रावास में निर्धारित मीनू के अनुरूप भोजन नहीं दिया जा रहा है।उन्होंने अधिकारियों को बताया कि लंबे समय से उन्हें खीर-पूड़ी जैसे व्यंजन नहीं परोसे गए हैं। उन्होंने कहा कि दाल और अन्य बेहतर भोजन तभी बनाया जाता है, जब किसी अधिकारी के निरीक्षण या मीडिया के आने की सूचना मिलती है। सामान्य दिनों में भोजन की गुणवत्ता बेहद साधारण रहती है। वही रोजाना बरबटी के बीज, गोभी, अन्य बीजे वाली पतली सब्जी पड़ोसी जाती है और रोजाना सभी सब्जी में पानी भरा रहता है।जिसका बिलकुल भी स्वाद नही आता।

बिस्तर तक कि नही मिल रही सुविधा

शिकायत करने पहुंचे छात्रों का आरोप है कि छात्रावास अधीक्षक संदीप मडके द्वारा बेहतर बिस्तर उपलब्ध कराने के नाम पर छात्रों से 800- 800 रुपये लिए गए थे, लेकिन सुविधा के नाम पर अपेक्षित व्यवस्था नहीं की गई। बच्चों से राशि तो ले ली गई, परंतु न तो बिस्तर संतोषजनक हैं और न ही अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार हुआ है। यहां तक की खेलने के लिए, खेल सामग्री भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है

अधीक्षक को तत्काल हटाकर जाए- निहाल

छात्रावास के अन्य छात्रों के साथ शिकायत लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुचे छात्र निहाल तिलगाम ने बताया कि ना तो नियम के मुताबिक उन्हें सुविधाएं मिल रही है और ना ही मेन्यू के हिसाब से भोजन मिल रहा है। हमारी मांग है कि छात्रावास में उपलब्ध होने वाली संपूर्ण व्यवस्थाओ की निष्पक्ष जांच कराई जाए और तत्काल छात्रावास के अधीक्षक को हटाकर नए अधीक्षक की नियुक्ति की जाए। ताकि नियम के मुताबिक हमें सुविधाए और मेन्यू के आधार पर भोजन प्राप्त हो सके। उन्होंने आगे बताया कि यदि नियमित रूप से निगरानी हो और जिम्मेदार अधिकारी बदले जाएं, तो उन्हें बेहतर भोजन और अन्य सुविधाएं मिल सकती हैं। ज्ञापन के माध्यम से उक्त शिकायत करते हुए छात्रों ने मामले का तत्काल संज्ञान लिए जाने की गुहार लगाई है।

रामपायली में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रामपायली में महाशिवरात्रि पर्व के पावन पर्व पर नगर एवं क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। जहां पर प्रात: से भगवान भोलेनाथ का शिव अभिषेक उपरांत दिनभर शिव उपासना भक्तों के द्वारा की गई । अनेक स्थानों में मेलों का भी आयोजन किया गया जहां देर रात तक भगवान भोलेनाथ की भजन संध्या चलती रही। इस अवसर पर नगर के वार्ड नंबर एक में भगवान महादेव का शिव मंदिर है जहां से भगवान शिव पार्वती विवाह हेतु भक्त जनों ने भगवान भोलेनाथ के विवाह का आयोजन किया गया और यह शिव बारात वार्ड नंबर १ से निकालकर मंदिर श्री राम मंदिर प्रांगण में पहुंची। जहां भगवान भोलेनाथ माता पार्वती का शुभ लग्न सानंद संपन्न हुआ। तत्पश्चात महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसको आम श्रद्धालु जनों ने ग्रहण किया। इसी तरह वार्ड नंबर ११ में शिव मंदिर में भगवान का पूजन पाठ और देर रात भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महिला पुरुष बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भजन संध्या का आनंद लिया । इसी तरह भगवान कैलाशपति का स्थानीय श्री राम मंदिर में शिवलिंग का प्रात: काल से अभिषेक पूजन और दिनभर मंत्र उपचार से भगवान की उपासना भक्तजनों के द्वारा की गई। संध्या काल महा आरती के उपरांत भगवान के जयकारे लगाने के उपरांत भगवान की शिव आराधना भक्तजन भक्तजनों के द्वारा रात्रि कालीन तक की गई।

कक्षा 10वीं अंग्रेजी परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न, 21,022 विद्यार्थी रहे उपस्थित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 17 फरवरी को जिले के 132 परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। इसमें कुल 21 हजार 355 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 21 हजार 22 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 333 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में किसी भी परीक्षा केंद्र से नकल प्रकरण की सूचना नहीं मिली।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि बोर्ड परीक्षा की पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए उनके दल द्वारा 17 फरवरी को 06 परीक्षा केंद्रों का सतत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासकीय हायर सेकेंडरी मॉडल बैहर, उत्कृष्ट विद्यालय बैहर, गुदमा, गढ़ी, परसमाऊ एवं जैतपुरी परीक्षा केंद्रों का अवलोकन किया गया। निरीक्षण दल ने परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए केंद्राध्यक्षों को आवश्यक निर्देश दिए तथा सुनिश्चित किया कि परीक्षा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न हो। संपूर्ण जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न होने पर शिक्षा विभाग ने संतोष व्यक्त किया है।

सिंगोला के किसानों ने कलेक्टर को सौंपा आवेदन, धान का रोपा सूखने की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी क्षेत्र के किसानों ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर अपनी समस्या प्रशासन के सामने रखी। किसानों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि रबी सीजन में उन्होंने धान की फसल बोई है। फसल की सिंचाई के लिए संबंधित विभाग द्वारा पहले पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक पानी नहीं मिल पाया है। किसानों का कहना है कि समय पर पानी नहीं मिलने के कारण धान की का रोपा अब सूखने लगा है और पौधे

नष्ट होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। यदि जल्द पानी उपलब्ध नहीं कराया गया तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जाए। लांजी क्षेत्र के ग्राम सिंगोला के एक दर्जन से अधिक किसान मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिला मुख्यालय पहुंचे और सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत दर्ज कराई। किसानों ने कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए मांग की कि उनके गांव तक तत्काल नहर का पानी पहुंचाया जाए, अन्यथा रबी सीजन की धान के लिये लगाया गया रोपा चौपट हो जायेगा है। किसान मोरेश्वर एवं भुवनेश्वर सीहोरे सहित अन्य किसानों ने बताया कि रबी सीजन में धान की फसल के लिए सिंचाई विभाग द्वारा पानी उपलब्ध कराने की पूर्व सूचना दी गई थी। इस संबंध में गांव में मुनादी भी कराई गई थी, जिससे किसानों को भरोसा हुआ कि इस बार उन्हें समय पर पानी मिल जाएगा। इसी भरोसे पर किसानों ने अपने स्तर पर धान का रोपा तैयार की जा रहा है। किसानों का आरोप है कि आश्वासन के बावजूद अब तक उनके गांव की नहर में पानी नहीं छोड़ा गया है। जबकि उनसे पहले आने वाले गांवों में दो बार नहर के माध्यम से सिंचाई की जा चुकी है। ऐसे में सिंगोला के किसानों को खुद को उपेक्षित महसूस हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि खरीफ सीजन में अतिवृष्टि के कारण उनकी फसल को भारी नुकसान हुआ था, जिससे वे पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अब रबी में धान की फसल से उन्हें कुछ उम्मीद थी कि वे पिछला घाटा पूरा कर सकेंगे। लेकिन समय पर पानी नहीं मिलने से फिर नुकसान उठान बढ़ेगा। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र नहर में नियमित रूप से पानी नहीं छोड़ा गया तो उन्हें दोहरी मार झेलनी पड़ेगी पहले अतिवृष्टि और अब सिंचाई अभाव। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल सिंचाई विभाग को निर्देशित कर गांव तक पानी पहुंचाया जाए, ताकि वह दोहरे नुकसान से बच सके ।

जल्द से जल्द लागू की जाए यूजीसी, जातिगत जनगणना करायी जाऐं

मूलनिवासी संघ ने धरना प्रदर्शन कर की जमकर नारेबाजी: राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, मांग पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार द्वारा हाल ही में यूजीसी का नियम लाया गया था,जिसका पूरे देश में स्वर्ण समाज द्वारा पुरजोर विरोध किया गया था।वही यूजीसी का यहां मामला कोर्ट में जाने पर कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए फिलहाल इसपर रोक लगा दी थी।तब से यूजीसी का यह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा था। लेकिन अब एक बार फिर यूजीसी के इस मामले को लेकर मूल निवासी संघ मैदान पर उतर चुका है। जहां उन्होंने इस कानून का समर्थन करते हुए सम्पूर्ण देश मे यूजीसी कानून को तत्काल लागू किए जाने की मांग की है।जहां यूजीसी नियम को लागू करने और जातिगत जनगणना कराई जाने की प्रमुख मांग को लेकर मूल निवासी संघ द्वारा मंगलवार को नगर के अंबेडकर चौक में धरना प्रदर्शन का जमकर नारेबाजी की गई।जहा अपनी प्रमुख 2 सूत्रीय मांगो को लेकर संगठन द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौपा गया है।जिसमें उन्होंने इन दोनों ही मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। जहां मांग पूरी न होने पर उन्होंने उग्र आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

यूजीसी कानून पर रोक अनुचित है,

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन के लिए, यूजीसी विनियम 2026 को, पूर्ण रूप से लागू करने की मांग को लेकर मूलनिवासी संघ द्वारा मंगलवार को आम्बेडकर चौक समीप धरना आंदोलन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान मूलनिवासी संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा एससी/एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक वर्ग पर उच्च शिक्षा संस्थानों में हो रहे भेदभाव व अत्याचार को रोके जाने यूजीसी लागू किया जा रहा है जिसका सवर्ण समाज के द्वारा विरोध प्रदर्शन करने पर उच्च न्यायालय द्वारा इस पर रोक लगा दी गई है, जो पूरी तरह अनुचित है।उन्होंने यूजीसी कानून का समर्थन करते हुए इस कानून को तत्काल लागू किया जाए और वर्ष 2027 में देश में अनिवार्य रूप से जातिगत जनगणना कराया जाने की मांग की है।

तो होंगे बड़े आंदोलन

प्रदर्शनकारियो ने स्पष्ट कर दिया कि आज प्रमुख 2 सूत्रीय मांगों को लेकर मूलनिवासी संघ द्वारा देशव्यापी जन आंदोलन किया जा रहा है।यदि सरकार द्वारा इन 2 सूत्रीय मांगों को जल्द से जल्द पूरा नहीं किया गया तो फिर संपूर्ण देश में संगठन द्वारा बड़े आंदोलन किए जाएंगे।जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से मूलनिवासी संघ जिला इकाई बालाघाट के पदाधिकारी रमेश पंचे, एस.डी तिरपुड़े, बी.एल पंचे, सुरेश जामरे, देवेन्द्र उके, मदन बारेकर, डी.के खोब्रागढ़े, राजेश कौशले, कल्पना वासनिक, सुनिता भलावी, सोनिया गोंडाने, नम्रता खोब्रागढ़े, उषा उके, अशोक कुमार मेश्राम सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भारत मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय अधिवेशन की अनुमति रद्द किए जाने का विरोध

22 को राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना रैली का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मुक्ति मोर्चा जिला प्रभारी रामदास ठवकर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वर्तमान समय में कुछ सत्ताधारी दलों और उनसे जुड़े संगठनों द्वारा देश को संविधान के अनुसार नहीं, बल्कि पार्टी और संगठन विशेष की विचारधारा के अनुसार चलाया जा रहा है, जो लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना के विपरीत है।भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है और इसे संविधान के प्रावधानों के अनुरूप ही संचालित किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा जिले से लेकर प्रदेश व देश स्तर तक विभिन्न तिथियों में धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए जा रहे हैं। इसके पहले चरण 7 जनवरी और दूसरे चरण 15 जनवरी को देश के 725 जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा गया है तो वही इसके तीसरे चरण में 22 जनवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन कर, रैली निकाल कर ज्ञापन सौपा जाएगा। वही चौथे चरण 22 फरवरी 2026 को संविधान पर हमला करने के विरोध में देशभर के लाखों लोगों द्वारा आरएसएस हेड क्वार्टर नागपुर मुख्यालय पर राष्ट्रीय व्यापी महारैली का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और शांतिपूर्ण ढंग से कार्य करने जैसे मौलिक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन सत्ताधारी दल और कुछ संगठन इन अधिकारों पर दबाव और हस्तक्षेप कर रहे हैं।आज संविधान को दरकिनार कर कुछ लोग मनमाने निर्णय ले रहे हैं, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है।उसी के विरोध में भारत मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा और राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में भारत के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया था जिसकी परमिशन कुछ सविधान विरोधी ताकतों द्वारा षड्यंत्र पूर्वक रद्द कराई गई है। जिसके तहत संगठन द्वारा राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया गया है। जिसके तीसरे चरण में आगामी 22 फरवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन व रैली का आयोजन किया जाएगा।

पांच माह से मानदेय नहीं, रसोईया महासंघ की महिलाओं ने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ की सदस्याएं मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचीं और कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपकर अपनी समस्या रखी। बहनों ने बताया कि उन्हें पिछले पांच माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि अधिकांश रसोइया बहनें अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालती हैं और मानदेय ही उनकी आय का मुख्य साधन है। समय पर भुगतान नहीं होने से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। महासंघ की सदस्याओं ने प्रशासन से मांग की है कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके।

जिले के शासकीय स्कूलों, आंगनवाड़ियों एवं अन्य शासकीय संस्थानों में समूह के माध्यम से मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली रसोइया बहनें मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिला मुख्यालय पहुंचीं। उन्होंने अपने संगठन के बैनर तले कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपते हुए लंबित मानदेय का नियमित भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। प्रांतीय स्व सहायता समूह रसोईया महासंघ की जिला अध्यक्ष कविता लाड़े ने बताया कि वे और उनकी साथी महिलाएं वर्षों से शासकीय विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन तथा आंगनवाड़ियों में पोषण आहार बनाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल पाता। कई-कई महीनों तक भुगतान लंबित रहने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा कि कई बार खाद्यान्न सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं होती, तो वे स्वयं उधार लेकर बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था करती हैं, ताकि स्कूल और आंगनबाड़ी में बच्चों को भोजन से वंचित न रहना पड़े। इसके बाद भी उन्हें हर माह नियमित मानदेय नहीं दिया जाता, जिससे परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कविता लाड़े ने यह भी कहा कि शासन द्वारा अन्य योजनाओं के तहत हितग्राहियों को नियमित रूप से राशि जारी की जाती है, लेकिन जो महिलाएं प्रतिदिन बच्चों के पोषण से जुड़ा जिम्मेदार कार्य कर रही हैं, उन्हें ही भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है। यह स्थिति उनके आत्मसम्मान और आजीविका दोनों को प्रभावित कर रही है। रसोइया बहनों ने प्रशासन से मांग की है कि उनका मानदेय प्रत्येक माह निर्धारित समय पर सीधे खातों में जमा कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही भुगतान की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगी।

कटंगी परियोजना अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रो में कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की अनंतिम चयन सूची जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट द्वारा कटंगी परियोजना अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रो में आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के 11 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अनंतिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। इस अनंतिम वरीयता सूची पर 07 दिनों के भीतर दावे आपत्ति आमंत्रित किये गए है। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास पुष्पेंद्र रानाडे ने बताया कि कटंगी परियोजना अंतर्गत आंगनवाडी केंद्रों में कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 09 रिक्त पदों के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए थे। खण्ड स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदक महिलाओं की अनंतिम चयन जारी कर दी गई है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त पद की पूर्ति के लिए तिरोडी के आंगनवाडी केंद्र क्रमांक 03 में कुमारी नेहा देवांगन का प्रथम वरीयता, रोशनी खान को द्वितीय और नंदनी सनोबर को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। इसी प्रकार आंगनवाी केंद्र बनेरा क्रमांक 01 में साक्षी नागोसे को प्रथम, आरती पटले को द्वितीय तथा भारती मानकर को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है।

आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों के लिए आंगनवाी केंद्र बनेरा क्रमांक 01 में भारती मानकर को प्रथम, विशाखा डोंगरे को द्वितीय और नीता गजभिये को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है। आंगनवाड़ी केंद्र देवरी क्रमांक 02 में आशा चौधरी का प्रथम, अमिता उइके का द्वितीय और मनीषा बिसेन को तृतीय वरीयता, नगरीय क्षेत्र कटंगी के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 07 में आतिया परवीन को प्रथम, मुस्कान शेख को द्वितीय और माया सलामे को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। महकेपार के आंगनवाी केंद्र क्रमांक 02 में खुशबू गोपाले को प्रथम, पद्मा बिंझो को द्वितीय व यामिनी राउत को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है।

इसी प्रकार आंगनवाी केंद्र सोनेगांव में शोभा धुर्वे को प्रथम, नयना भगत को द्वितीय व खुशी मानकर को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है। आंगनवाी केंद्र चिरचिरा में संगीता भलावी को प्रथम, गंगा इनवाती को द्वितीय व भारती ठाकरे को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है। आंगनवाी केंद्र बोपली 01 में प्रियंका मेश्राम को प्रथम, सरोज पटले को द्वितीय व तुलसी बोपचे को तृतीय वरीयता प्राप्त हुई है तथा आंगनवाी केंद्र सीताखोह 01 में शिक्षा नागदेवे को प्रथम, नेहा ठाकरे को द्वितीय व आयुषी मेश्राम को तृतीय वरीयता प्रदान की गई है। आंगनवाडी केंद्र कछार में सहायिका के लिए कुल 04 आवेदन प्राप्त हुए है, लेकिन ये कछार के निवासी नही होने के कारण अपात्र किये गए है।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव पर कोसमी में कवि सम्मेलन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम कोसमी में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव का आयोजन कर जिला स्तरीय नव निर्मित त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट का लोकार्पण थाईलैंड देश से प्राप्त सम्यक संबुद्ध प्रतिमा का अनावरण एवं भिक्खु निवास का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्षता जगत विख्यात संघ रतन मानके, संस्थापक अध्यक्ष, पन्नया मेत्ता संघ भारत उद्घाटक भदंत खोशो तानी जी, पन्ना मेत्ता जापान समिति, मुख्य विहाराधिपति सायकोजी गुम्मा जापान उपस्थित थे। कार्यक्रम में थाईलैंड, जापान, तिब्बत, ताईवान, बौद्ध गया, नागपुर कामठी सहित अन्य देशों के भंते संघ, भारत के विभिन्न राज्यों के धम्म गुरु उपस्थित थे।उक्त अंतरराष्ट्रीय धम्म महोत्सव भदंत धम्म शिखर बालाघाट के नेतृत्व और दिशा निर्देशन में किया गया था। जिसका संचालन बालाघाट जिला बौद्ध संघ के अध्यक्ष अधिवक्ता संजय खोबरागड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय मंचों पर जिले का गौरव बने सुप्रसिद्ध कवियों द्वारा हजारों की संख्या में उपस्थित धम्म जनों की उपस्थिति में काव्यपाठ किया गया। कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध कवि व व्यंग्यकार शैलेश शैल ने शानदार काव्य पाठ करते अपनी बात कही। कहा-कहा ना भटका ओ पांव में छाले लिए जुल्म सहते लोग थे जुबां पर ताले लिए, सत्य की खोज में निकला नदियां, पर्वत पार अज्ञान के अंधकार को मिटाकर बुद्ध नें ज्ञान के उजाले दिए। गीतकार गोविंदा गांवठी चिंतन की बात की ये तथागत इतना सा वरदान दो, बाबा साहेब की जैसी संतान दो। सबके हाथों में साहेब का संविधान दो। बाबा साहेब की मेहनत का परिणाम दो, ख्यातिनाम कवयित्री माधुरी किरण को

खूब दाद मिली। उन्होंने सुनाया तुम्हारे तत्व दर्शन का जमी पर बोलबाला है, तुम्हीं ने लाया है गौतम अंधेरे से उजाला है। सिला देकर अहिंसा का किया हम पर करम तुमने, तुम्हारा न्याय और इंसाफ दुनिया में निराला है। देश की सुप्रसिद्ध कवयित्री लता शबनम को उनके गीतों पर खूब वाहवाही मिली। उन्होंने शानदार काव्य पाठकिया, मेरा शत शत नमन है देश के उस युग प्रणेता को, हमें हक्क दे गया उस शेरे दिल जांबाज नेता को हमारे पांवों से जूल्मो की बेड़ी तोड़ दी। जिसने नमन प्रज्ञा प्रकाशी धन्य उस भिमाई माता को सुप्रसिद्ध व्यंग्य कवि संजय अश्क को खूब दाद इन पंक्तियों पर मिली।भावों की अभिव्यक्ति संविधान से है, अच्छे बुरे की मति संविधान से है, जीवन था पहले उसका दासी की तरह इज्जत आज नारी के प्रति संविधान से हैं। कवियत्री प्रीति बरखा ने पड़ा आओ मन की शांति पाकर हम सब ही खुशहाल रहे, बुद्ध धम्म की दौलत पाकर हम सब मालामाल रहे सत्य अहिंसा ममता करुणा धम्म यही सिखलाता है। चले बुद्ध के पथ पर तो फिर सुखमय जीवन काल रहे। कवि सम्मेलन की सहभागी कवियों को अधिवक्ता संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट व पूज्य भदंत अंतरराष्ट्रीय भंते संघ द्वारा साहित्य गौरव सम्मान से नावाजा गया तथा सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

मिरेगांव में एक अज्ञात बाईक सवार ने चौथी कक्षा की छात्रा को उठाया

दिन दहाड़े अपहरण; कोशिश नाकाम

दो बच्ची की बात सुनकर अपहृत छात्रा ने बाइक से लगाई छलांग, बोरी मे बंद थी एक अन्य बच्ची!!

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/ लालबर्रा।

लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत बालाघाट रोड स्थित ग्राम मिरेगांव में मंगलवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक नकाबपोश मोटरसाइकिल सवार ने कक्षा चौथी की छात्रा का अपहरण करने की कोशिश की। किन्तु मासूम छात्रा की सतर्कता और हिम्मत की वजह से वह आरोपी के चंगुल से सुरक्षित निकल आई। इस घटना के बाद से क्षेत्र के अभिभावकों और स्कूली बज्चों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिरेगांव निवासी रूपेश डहरवाल की बेटी दिव्यानी डहरवाल जो शासकीय प्राथमिक स्कूल मिरेगांव में कक्षा चौथी की छात्रा है। जो रोजाना की तरह मंगलवार को प्रात: १० बजे पैदल स्कूल जा रही थी। तभी स्कूल से कुछ दुर स्थित पेट्रोप पंप के समीप एक अज्ञात नकाबपोश मोटरसाइकिल चालक ने उसे रोक लिया और उसे चॉकलेट का लालच देकर अपनी मोटरसाइकिल में बैठा लिया एवं छात्रा बैठ भी गई थी। जिसके बाद अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति ने मोबाइल पर किसी से बात करते हुए कहा कि दो बच्चीं की व्यवस्था हो गई है। यह सुनते ही छात्रा दिव्यानी घबरा गई और उसे संदेह हुआ कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है। जिसके बाद उसने अपनी जान बचाने के लिए अपनी सूझबूझ का परिचय एवं साहस दिखाते हुए बाइक से छलांग लगा ली। वहीं छात्रा के शोर मचाने और लोगों की आवाजाही देख कर आरोपी मौके से फरार हो गया। अगर छात्रा मोटरसाइकिल से छलांग नही लगाती तो उक्त अज्ञात व्यक्ति उसे अपहरण कर लेता। लेकिन छात्रा की सतर्कता से वह अपहरण होने से बच गई। इसी तरह गत दो से तीन दिन पूर्व भी इसी स्कूल में अध्ययनरत बज्चों को वैनगंगा बड़ी नहर की ओर चॉकलेट का लालच देकर अपहरण करने का प्रयास किया गया है किन्तु बच्चें उनकी लालच में नही आये। इस घटना के बाद से अभिभावक एवं बज्चों में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है और अभिभावक बज्चों को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। वहीं पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस खंगाल रही है सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज

आपकों बता दे कि मिरेगांव स्थित शास. प्राथ. स्कूल बालाघाट हाईवे रोड़ पर स्थित है और यह एक व्यस्तम मार्ग है जहां से लोगों का २४ घंटे आवागमन होता है। मंगलवार को प्रात: १० बजे कक्षा चौथी की छात्रा दिव्यानी डहरवाल पैदल स्कूल जा रही थी। तभी रास्ते में अज्ञात व्यक्ति ने उसे चाकलेट का लालच देकर अपनी बाइक में बैठा लिया और अपहरण करने का प्रयास कर रहा था। किन्तु छात्रा ने अपनी सतर्कता से नकाबपोश अज्ञात व्यक्ति के चंगुल से बच आई। वहीं स्कूल जा रही छात्रा का अपहरण करने की कोशिश होने की घटना जब परिजन एवं ग्रामीणों को लगी तो वे स्कूल पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस को जानकारी लगने पर थाना प्रभारी पुलिसबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और छात्रा से उसके साथ घटित घटना की जानकारी प्राप्त किया और बज्चों को सावधानी पूर्वक स्कूल आने, अनजान व्यक्ति से किसी प्रकार की सामग्री न लेने, कुछ देने पर उसका विरोध कर हल्ला करने एवं अपने परिजन व शिक्षकों को बताने की बात कही। वहीं पुलिस अब पेट्रोल पंप और आसपास के घरों में लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाल रही है ताकि नकाबपोश आरोपी की पहचान की जा सके। साथ ही स्कूल में अध्ययनरत बज्चों ने भी बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से वैनगंगा बड़ी नहर निलजी मार्ग के पास कुछ संदिग्ध नकाबपोश देखे गये हैं जो बज्चों को पास बुलाने की कोशिश करते हैं और बंद बोरी में कुछ भरा रहता है जिससे बचाव-बचाव की आवाज आती है। जिससे ऐसा लगता कि है कि बज्चों का अपहरण किया गया है, जिससे हम लोग डरे हुए है। वहीं स्कूल प्रबंधन ने मंगलवार को छात्रा के साथ घटित घटना की शिकायत थाने में दर्ज कर अज्ञात नकाबपोश व्यक्तियों पर कार्यवाही करने की मांग की है और अभिभावकों से अपील है कि वे बच्चों को अकेले स्कूल न भेजे।

बोरी में बंद थी एक अन्य बच्ची!

घटना के बाद सहमी हुई छात्रा दिव्यानी डहरवाल ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। छात्रा ने बताया कि बाइक पर पहले से ही एक बोरी रखी थी, जिससे किसी बच्ची के चीखने की आवाज आ रही थी। छात्रा के अनुसार बोरी के अंदर से बचाओ-बचाओ की आवाजें आ रही थी। जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि आरोपी ने पहले ही किसी अन्य बच्ची का अपहरण कर लिया था। वहीं अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति ने भी छात्रा के सामने फोन पर दूसरे व्यक्ति से बात करते समय दो बच्ची की व्यवस्था होने की चर्चा की थी। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति सक्रिय हो गये है और छोटे बच्चों का अपहरण करने की फिराक में घुम रहे है। जबकि क्षेत्र में अधिकांश लोग किसानी एवं मजदूरी कार्य करते है और ग्रामीण क्षेत्र के लोग सुबह अपने काम-धंधे में चले जाते है। बच्चें अकेले प्रात: १० बजे के बाद स्कूल जाते है। अगर अकेले देकर बच्चों के साथ ये संदिग्ध व्यक्ति उनका अपहरण कर सकते है। इस बात को सोचकर अभिभावक बज्चों को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। पुलिस प्रशासन से ऐसे संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

अज्ञात व्यक्ति ने मुझे बाइक में बैठा लिया था - दिव्यानी

छात्रा दिव्यानी डहरवाल ने बताया कि प्रात: १० बजे मैं स्कूल जा रही थी तभी पेट्रोल पंप के समीप अचानक एक व्यक्ति आया और मुझे चॉकलेट देने के बहाने बुलाकर बाइक में बैठा लिया। जो नकाब पहना हुआ था, उसके बाद फोन पर दो बच्चीं की व्यवस्था होने की बात कह रहा था। जिसके बाद मैं बाईक से कुद गई और शोर की तो वह बालाघाट की ओर भाग गया। वहीं उसके पास एक बोरी थी जिसमें किसी बच्चें की आवाज आ रही थी।

नहर की ओर संदिग्ध व्यक्ति रहते है खड़े - त्रिशाल

त्रिशाल पंचेश्वर ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व जब मैं स्कूल आ रहा था तो कुछ लोगों नहर के ऊपर खड़े होकर बात कर रहे थे कि यह बच्चा पढ़ता है हमें मिल गया है। जिनकी बात सुनकर वहां से मैं भाग गया और स्कूल आकर शिक्षिका को जानकारी दी। मंगलवार को हमारे स्कूल की एक लकड़ी को अज्ञात व्यक्ति अपहरण करने का प्रयास किया किन्तु वह छलांग लगा ली जिससे उसकी जान बच गई।

पुलिस में शिकायत कर दी है - सुर्मिला

स्कूल की शिक्षिका श्रीमती सुर्मिला गजभिये ने बताया कि कक्षा चौथी की छात्रा दिव्यानी स्कूल आ रही थी तभी बाइक सवार ने उसे पकड़ लिया था। लेकिन छात्रा ने अपनी सतर्कता का परिचय देते हुए बाइक से छलांग लगा ली और स्कूल पहुंचकर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद उसके परिजन व पुलिस को जानकारी दी गई। श्रीमती गजभिये ने बताया कि थाना प्रभारी स्कूल आये थे और हम लोग बच्चों को समझाईश देते है कि अकेले स्कूल न आये, ग्रुप बनाकर आये और अनजान व्यक्ति से कोई सामग्री न ले।

मामले की जांच की जा रही है - थाना प्रभारी

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि चौथी की छात्रा का अपहरण की कोशिश करने की जानकारी मिलने के बाद तत्काल घटना स्थल पहुंचे और छात्रा से पुछताछ कर जानकारी ली गई किन्तु वहां कौन व्यक्ति था, बाईक कौन सी थी यह बता नही पा रही है। मिरेगांव पेट्रोल पंप से लेकर लवादा तक निवासरत लोगों के घरों में लगे सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज भी देखे गये है लेकिन उसमें भी उक्त व्यक्ति छात्रा को दिखाई नही दे रहा है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और बच्चों से भी अपील है कि अनजान व्यक्ति के संपर्क में न आये एवं सावधानीपूर्वक स्कूल पहुंचे।

नव आरक्षक ने अपने ससुराल कोद्दापार में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सोनगुड्डा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोद्दापार के पीपरटोला मे उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक की खेत में फांसी पर लटकी हुई लाश देखी गई। मृतक युवक हरेसिह पिता पतिराम पुसाम 19 वर्ष ग्राम चिलकोना पुलिस चौकी देवरबेली थाना लांजी निवासी है। जो जिला पुलिस बल बालाघाट में नव आरक्षक के पद पर पदस्थ था जिसके द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस आरक्षक ने अपने ससुराल में आकर किस वजह से फांसी लगाई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। सोनगुड्डा पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के देवरबेली पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिलकोना निवासी हरेसिह पुसाम ने 2 साल पहले जिला पुलिस बल बालाघाट में आरक्षक के पद पर भर्ती हुई थी। जिसकी विवाह भी हो चुका था और वह हाल ही में पुलिस लाइन बालाघाट में पदस्थ और अपनी पत्नी के साथ भरवेली में ही रहता था। बताया गया है कि हरेसिंह और उसके पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था घरेलू विवाद के चलते 14 फरवरी को हरि सिंह की पत्नी अपने मायके कोद्दापार पिपरटोला आ गई थी। 17 फरवरी को सुबह 8:00 बजे ग्राम कोद्दापार पीपरटोला हरेसिंह पुसाम की उसी के ससुर के खेत में पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश देखी गई। सूचना मिलते ही सोनगुड्डा पुलिस चौकी प्रभारी लोकेंद्र सिंह अपने स्टाफ के साथ कोद्दापार पिपरटोला पहुंचे और हरेसिह पुसाम की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश नीचे उतरवाई। संभावना व्यक्त की गई है कि 16 एवं 17 फरवरी की दरमियानी रात हरेसिह पुसाम ने अपने ससुराल कोद्दापार पिपरटोला आकर खेत में फांसी लगा ली। हरेसिह पुसाम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम हेतु बिरसा अस्पताल रवाना कर दिया गया है। आरक्षक हरेसिह पुसाम ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। सोनगुड्डा पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

‘मुठभेड़ के नाम पर आदिवासियों को मार दिया गया, उसकी भी जांच हो’

विधायक अनुभा मुंजारे का नक्सलमुक्त होने पर मोहन यादव सरकार पर तल्ख आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज भोपाल में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने मध्यप्रदेश सहित बालाघाट को नक्सल मुक्त घोषित किये जाने को लेकर सवाल उठाते हुये कहा कि ऐसी कौन-सी जादू की छड़ी है जिसने नक्सलवाद को खत्म कर दिया।

उन्होने कहा कि नक्सलवाद एक विचारधारा है और यह विचारधारा क्यों आयी सरकार ने इसके संबंध में कोई कार्य नहीं किया। बल्कि देश के गृहमंत्री के नजर में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिये लक्ष्य समय के पूर्व ही जनवरी महीने में नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह बंदूक व हिंसा का कतई समर्थन नहीं करती है लेकिन नक्सलवाद के कारण की ओर जाने की जरूरत हैं। बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर, बिरसा व परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर क्षेत्र में कई मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता हैं। सड़क, बिजली व पानी सहित स्वास्थ्य सेवा नहीं है या फिर उनसे वहां के आदिवासी व बैगा परिवार वंचित हैं। रोजगार के अभाव में वे पलायन कर रहे हैं। इसे सरकार ने दूर नहीं किया हैं।

विधायक अनुभा मुंजारे ने प्रदेश के विधानसभा सत्र के दौरान यह बाते रखते हुये कहा कि नक्सलियों का मारने के नाम पर फर्जी मुठभेड़ की गई है। जिसकी जांच होने चाहिए। पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ कर आदिवासियों को मार दिया। जिनके नाम पर पुलिस ने मेडल व पदोन्नति प्राप्त कर ली। लेकिन जिन्हे मारा गया उनको व उनके परिवार को न्याय कहां मिला है? अब इसकी जांच कौन करेगा। सही में जांच हो जाये तो इन मुठभेड़ की हकीकत सामने आ जायेगी। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिले में आदिवासीयों व बैगा परिवारों को प्रताड़ित किया जाता हैं। पुलिस का खौफ उन क्षेत्रों में जारी हैं। उनके बीच जाओं तो वे अपनी बातें नहीं रख पाते हैं। ऐसे सीधे लोग है जहां पर पुलिस की मनमानी चल रही हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की सरकार ने अपनी वाहवाही बटोरने के लिये ही नक्सल मुक्त करने की घोषणा की हैं। सरकार इतनी ही गंभीर है तो वह यहां पर हुई मुठभेड़ की निष्पक्ष जांच कराये। जिन आदिवासियों को मार दिया गया था मुठभेड़ के नाम पर उसकी जांच कराये और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करें तब तो समझा जायेगा कि सही में सरकार आदिवासियों के हितैषी हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

संयुक्त क्रांति पार्टी
आवश्यकता है
- एमबीए-पालीटिक्स+मानव संसाधन-1 पद
- एमबीए-मार्केटिंग, आर्गनाइजेशन एवं मानव संसाधन-6 पद
- स्टेनो शार्टहेंड टाइपिस्ट हिन्दी+इंग्लिश-1 पद
- ड्राइवर एक्सपर्ट-2 पद
- कुक एक्सपर्ट-1 पद (नेपाली ‘गोरखा’ को प्राथमिकता)

-साक्षात्कार- दिनांक 27/02/2026

सम्पर्क- किशोर समरीते, राष्ट्रीय अध्यक्ष, संयुक्त क्रांति पार्टी
स्थान-वार्ड नंबर 3 लांजी, तहसील लांजी, जिला बालाघाट
मोबाइल नंबर-9424664203
निवेदक-संयुक्त क्रांति पार्टी

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट